दैनिक

पुष्पांजली टुडे

नई सोच नई पहल

ग्वालियरः वर्षः 3 : अंकः 122 | ग्वालियर शनिवार, 18 फरवरी 2023 | पृष्ठः 8 मूल्यः 2 रुपए

एक नजर

महाशिवरात्रि का व्रत 18 या 19 फरवरी को रखा जाएगा

महाशिवरात्रि की पूजा रात्रि के चार प्रहर में करने का विधान है. इस समय शिव-पार्वती की पूजा की जाती है. ऐसे में शिवरात्रि का व्रत और पूजन 18 फरवरी 2023 को ही किया जाएगा. चूंकि चतुर्दशी तिथि 19 फरवरी 2023 को शाम को समाप्त हो रही है ऐसे में इस दिन सूर्योदय से सूर्यास्त तक शिव साधना करना भी उत्तम होगा. महाशिवरात्रि के व्रत से एक दिन पूर्व एक ही समय भोजन करना चाहिए और शिवरात्रि के दिन सुबह जल्दी उठकर नित्य क्रियाओं से निवृत्त होकर स्नान ध्यान करके व्रत करने का संकल्प ग्रहण करना चाहिए. मन ही मन भगवान शिव से अपनी मनोकामना कहनी चाहिए और उनका आशीर्वाद प्राप्त करने की इच्छा व्यक्त करनी चाहिए. वैसे तो महाशिवरात्रि की पूजा पूरे दिन और चारों पहर होती है. लेकिन इस दिन निशीथ काल में पूजा का समय रात्रि 12¬10 से रात्रि 1¬01 तक रहेगा. वहीं व्रत का पारण अगले दिन 19 फरवरी को सुबह 6¬57 से दोपहर 3¬25 तक किया जा सकेगा. यदि आप प्रहर के आधार पर पूजा करना चाहते हैं तो, प्रथम प्रहर सायंकाल 6¬14 से रात्रि 9¬25 तक रहेगा. द्वितीय प्रहर रात्रि 9¬25 से मध्य रात्रि 12¬36 तक रहेगा. तृतीय प्रहर मध्य रात्रि 12¬36 से प्रातः काल 3¬47 तक रहेगा और चतुर्थ प्रहर 3¬47 बजे से 6¬57 बजे तक रहेगा. महाशिवरात्रि के पर्व को भगवान शिव और माता पार्वती के विवाहोत्सव के रूप में भी मनाया जाता है. परम कल्याणकारी सदाशिव और परम कल्याणकारिणी मां पार्वती के पवित्र मिलन को परिभाषित करता महाशिवरात्रि का त्योहार हमें जीवन में सबकुछ प्रदान करने का सामर्थ्य को दर्शाता है. इस दिन भगवान शिव और माता पार्वती की एकसाथ पूजा करने से जन्म जन्मांतर के कष्टों से मुक्ति मिलती है. महादेव और माता पार्वती के मिलन का यह दिन अत्यंत ही पवित्र और पावन होता है. इस दिन निराहार रहकर भगवान शिव की उपासना करने का महत्व है. भगवान शिव ने ही जगत की रक्षा के लिए हलाहल विष का पान किया था और वह नीलकंठ हो गए थे. शिव और शक्ति के एकात्म रूप अर्धनारीश्वर की अवधारणा हमें अपने जीवन में आत्मसात करनी चाहिए. शिव पुराण के अनुसार, जो भक्त महाशिवरात्रि पर जीवधारी जितेंद्रिय रहकर और निराहार बिना जल ग्रहण किए शिव आराधना करते हैं, उन्हें समस्त सुखों की प्राप्ति होती है. महाशिवरात्रि के व्रत से कई गुना पुण्यफल की प्राप्ति होती है.

बिस्तर पर बैठ आराम से खतरनाक सांपों को सहलाते नजर आई महिला

नई दिल्ली। सांप धरती पर पाए जाने वाले सबसे खतरनाक और डरावने जीवों में से एक होते हैं. जिन्हें देख हर किसी के पसीने छूट जाते हैं. आमतौर पर कोई भी शख्स अपने सपने में भी सांपों को देखना पसंद नहीं करता है. वहीं सांप से आमना-सामना होने पर इंसानों को अपनी जान बचाकर भागते देखा जाता है. फिलहाल कुछ ऐसे भी लोग होते हैं, जिन्हें सांपों को पालने का शौक होता है. हाल ही में एक महिला का वीडियो सोशल मीडिया पर सामने आया है, जो यूजर्स को सोचने पर मजबूर कर रहा है. इस वीडियो में एक महिला को सांपों के साथ खेलते और उन्हें सहलाते देखा जा रहा है. वीडियो में नजर आ रही महिला हैरतअंगेज अंदाज में अपने बिस्तर पर बैठे हुए सांपों को इस तरह से सहला रही है, जैसे की वह उसके पालतू जानवर हैं. वहीं वीडियो को देख यूजर्स की आंखें खुली की खुली रह गई हैं. वीडियो को सोशल मीडिया पर सुनीता बाई के इंस्टाग्राम अकाउंट से शेयर किया गया है. इसके अलावा भी महिला ने अपने कुछ और वीडियो सोशल मीडिया पर शेयर किए हैं. जिसमें वह सांपों के साथ खेलती नजर आ रही है. एक अन्य वीडियो में महिला को कुर्सी पर बैठे देखा जा रहा है. इस दौरान दो काले रंग के खतरनाक जहरीले सांप उसकी गर्दन से लिपटे नजर आ रहे हैं. फिलहाल महिला की प्रोफाइल के अनुसार वह कई वीडियो में सांपों के साथ नजर आ रही है. जिन्हें देख अंदाजा लगाया जा सकता है कि महिला ने उन सांपों को पाला है, जिसके कारण ही वह उनसे बिल्कुल नहीं डरती है. वहीं महिला के वीडियो को सोशल मीडिया पर 16 लाख से ज्यादा व्यूज और लाखों लाइक्स मिल गए हैं. यूजर्स कमेंट करते हुए महिला को ही नागिन बता रहे हैं.

केंद्र ने गजनवी फोर्स को किया आतंकी समूह घोषित

केंद्रीय गृह मंत्रालय ने शुक्रवार (17 फरवरी) को गैरकानूनी गतिविधि (रोकथाम) अधिनियम -1967 के तहत जम्मू कश्मीर गजनवी फोर्स (छ्ययछ्स्र) को आतंकवादी संगठन घोषित किया. साथ ही पाकिस्तान में रह रहे हरविंदर सिंह संधू को भी टेररिस्ट लिस्ट में डाला गया है. एक अधिसूचना में गृह मंत्रालय ने ऐसे संगठनों की सूची वाले यूएपीए कानून की पहली अनुसूची में जम्मू कश्मीर गजनवी फोर्स को सूचीबद्ध किया है. जेकेजीएफ को लिस्ट में डालने से अब आतंकवादी संगठनों के रूप में घोषित संगठनों की संख्या 43 हो गई है. केंद्रीय गृह मंत्रालय ने कहा कि जेकेजीएफ साल 2020 में एक आतंकवादी संगठन के रूप में सामने आया और यह लश्कर-ए-तैयबा, जैश-ए-मोहम्मद, तहरीक उल मुजाहिदीन, हरकत उल जेहाद ए इस्लामी आदि जैसे विभिन्न अभियुक्त आतंकवादी संगठनों से अपने कैडरों को आकर्षित करता है. एमएचए ने बताया, जेकेजीएफ घुसपैठ की कोशिशों, नशीले पदार्थों और हथियारों की तस्करी और जम्मू-कश्मीर में आतंकी हमलों को अंजाम देने में शामिल है. मंत्रालय के अनुसार जेकेजीएफ भारतीय सुरक्षा बलों को धमकियां जारी करता है और भारत के खिलाफ आतंकवादी संगठनों में शामिल होने के लिए विभिन्न सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म का इस्तेमाल करता है.

पहली बैठक में हो दिल्ली मेयर का चुनाव

24 घंटे की भीतर जारी करें नोटिस

दिल्ली नगर निगम के मेयर और डिप्टी मेयर के चुनाव को लेकर शुक्रवार (17 फरवरी) को सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई हुई. आप नेता डॉ. शैली ओबेरॉय ने चुनाव में मनोनीत सदस्यों को मतदान करने की अनुमति देने के एलजी के फैसले को चुनौती दी थी. साथ ही जल्द चुनाव कराने की मांग की थी. सुप्रीम कोर्ट से आप को राहत मिली है और उनकी दोनों प्रमुख मांगें मानी गई हैं. चीफ जस्टिस ने कहा कि हम निर्देश देते हैं कि पहली बैठक में मेयर का चुनाव हो. इस चुनाव में मनोनीत सदस्य वोट न दें. उन्होंने कहा कि मेयर की अध्यक्षता में डिप्टी मेयर और बाकी पदों के चुनाव हों. 24 घंटे की भीतर पहली बैठक के लिए नोटिस जारी हो. इससे पहले सुनवाई के दौरान चीफ जस्टिस ने कहा कि संविधान के अनुच्छेद 243क्र के हिसाब से मनोनीत पार्षद वोट नहीं दे सकते. चुनाव जल्द से जल्द होना बेहतर है. एमसीडी के वकील एडिशनल सॉलिसीटर जनरल संजय जैन ने कहा कि एल्डरमैन (मनोनीत पार्षद) वोट दे सकते हैं.

आम आदमी पार्टी की ओर से अदालत में पेश वरिष्ठ अधिवक्ता अभिषेक मनु सिंघवी ने कहा कि मैं दो बातें आपके सामने रखूंगा. पहली बात- हम बात कर रहे हैं किसी नगर पालिका में मेयर चुनाव की. कृपया अनुच्छेद 243क्र देखें. संविधान का अनुच्छेद 243क्र एल्डरमैन को वोटिंग का अधिकार नहीं देता है. पैरा 1 कहता है कि मनोनीत व्यक्ति मतदान नहीं कर सकते. इस चुनाव के लिए इस नगर पालिका के लिए यह अधिनियम इसे दर्शाता है, वह खंड 3ए है. सिंघवी ने कहा कि अब वास्तविक नियमों को देखें. पहले आप महापौर का चुनाव करते हैं और फिर महापौर शेष बैठक की अध्यक्षता करते हैं. कोर्ट को चुनाव की तारीख तय करनी चाहिए. जो

भी हो उन्हें चुनाव कराना चाहिए. ष्टछ्वढ्ढ डी वाई चंद्रचूड़ ने कहा कि प्रथम दृष्टया, अनुच्छेद 243क्रसे पता चलता है कि मनोनीत सदस्य मतदान नहीं कर सकते हैं. पहले चुनाव के लिए कल बैठक होगी. मेयर का चुनाव तत्काल होना है. सिंघवी ने कहा कि उन्होंने दो बार यह कहकर चुनाव रद्द कर दिया कि एल्डरमैन मतदान करेंगे. संजय जैन ने कहा कि एमसीडी के मुताबिक, मेरी समझ यह है कि एल्डरमैन वोट दे सकते हैं. सीजेआई ने पूछा कि हमें 243क्र पर बताएं कि क्या एल्डरमैन मतदान कर सकते हैं. जैन ने कहा कि नगर पालिका की ये बैठक पहली बैठक से अलग है जो महापौर के चुनाव के लिए विशेष प्रावधान है. उस बैठक के लिए कोई रोक नहीं है क्योंकि शब्द हैं कि निगम को मतदान करने की अनुमति है. सीजेआई ने कहा कि तो आपका निवेदन यह है कि पहली बैठक में मतदान पर कोई रोक नहीं है. इसपर जैन ने कहा कि जी, हां. निगम की बाद में होने वाली बैठकों में मनोनीत पार्षद वोट नहीं दे सकते, लेकिन यह रोक मेयर चुनने के लिए होने वाली पहली बैठक पर लागू नहीं है. पहली बैठक में सभी मतदान कर सकते हैं. एक बार मेयर चुने जाने के बाद ही निगम सक्रिय होता है. आदेश लिखवाते हुए सीजेआई ने कहा कि मेयर चुनाव को लेकर सुप्रीम कोर्ट से दखल की मांग की गई. ष्ठरूष्ट एक्ट की धारा 35 (1) और अध्याय 2 के हिसाब से पहली बैठक में मेयर का चुनाव होता है. धारा 3 की उपधारा 3 के मुताबिक निगम का गठन पार्षदों से होता है. इसके अलावा 10 लोग जो 25 साल की उम्र से कम के न हों और विशेष समझ रखते हों, सदस्य के रूप में मनोनीत किए जाते हैं. हालांकि, इन मनोनीत सदस्यों को सदन में वोटिंग का अधिकार नहीं होता. पहली बैठक के लिए ऐसे पार्षद को सभापति बनाया जाता है, जो खुद मेयर पद का प्रत्याशी न हो. सीजेआई ने कहा कि विवाद 2 बिंदुओं पर है- एल्डरमैन (मनोनीत सदस्य) मेयर चुनाव में वोट दे सकते हैं या नहीं, और क्या डिप्टी मेयर या बाकी चुनाव मेयर पद के चुनाव के बाद हों या एक साथ. हमने सभी पक्षों को सुना. अनुच्छेद 243 क्र कहता है कि सभी पद चुनाव के जरिए भरे जाएंगे. राज्य की विधानसभा कुछ सदस्यों के मनोनयन के लिए भी नियम बना सकती है. चीफ जस्टिस ने कहा कि याचिकाकर्ता की दलील है कि मनोनीत सदस्य निगम की बैठक में वोट नहीं दे सकते, लेकिन एमसीडी और एलजी के वकीलों का कहना है कि यह रोक नियमित बैठक के लिए है. मेयर चुनने के लिए होने वाली पहली बैठक के लिए नहीं. मनोनीत सदस्य किसी भी बैठक में वोट नहीं दे सकते. इसमें पहली बैठक भी शामिल है. सीजेआई ने कहा कि पहली बैठक में मेयर का चुनाव होना चाहिए. उसके बाद मेयर की अध्यक्षता में डिप्टी मेयर और बाकी पदों के लिए चुनाव होना चाहिए.

कर्नाटक चुनाव में किस पर हो फोकस, मोदी या टीपू सुल्तान

नई दिल्ली। कर्नाटक का विधानसभा चुनाव बीजेपी के लिए कई मायनों में अहम है. मसलन, इसी चुनाव के जरिए बीजेपी तेलंगाना में अपनी जमीन मजबूत कर सकती है. इसके अलावा, अगले साल होने वाले लोकसभा चुनाव पर भी इसका असर देखने को मिल सकता है. ऐसे में बीजेपी राज्य के इस चुनाव को हर हाल में जीतना चाहती है. इससे पहले, बीजेपी में मुद्दों को लेकर बहस छिड़ गई है. ये बहस मैसूर के शासक टीपू सुल्तान और नरेंद्र मोदी को लेकर छिड़ी हुई है. दरअसल, कर्नाटक में बीजेपी प्रमुख नलिन कुमार कतील ने हाल ही में एक बयान दिया जिसमें उन्होंने टीपू सुल्तान को लेकर कहा था कि टीपू सुल्तान के वंशजों को खदेड़ कर जंगलों में भेज देना चाहिए. उन्होंने एक सभा में कहा, 'हम भगवान राम और हनुमान के भक्त हैं. हम टीपू सुल्तान के वंशज नहीं हैं. हमें टीपू सुल्तान के वंशजों को बाहर भेज देना चाहिए.' उनके इस बयान पर विवाद तो हुआ ही साथ ही बीजेपी में दो फाड़ देखने को मिल रहे हैं. दरअसल, बीजेपी का एक धड़ा कतील के इस बयान से खुश नहीं है. इंडियन एक्सप्रेस में छपी खबर के मुताबिक, पार्टी के एक धड़े का मानना है कि टीपू सुल्तान पर कतील का ये बयान केंद्रीय नेतृत्व के एजेंडे पर सही नहीं बैठता है. तो वहीं दूसरे धड़े का मानना है कि ये बिल्कुल सटीक फॉर्मूला है. पार्टी के एक नेता ने कहा, 'कर्नाटक एक बेहद ही संवेदनशील राज्य है. मुझे नहीं लगता कि एक ही मुद्दे का प्रभाव पूरे कर्नाटक पर पड़ सकता है. हां, राज्य के कुछ हिस्सों में इसका

प्रभाव देखने को मिल सकता है लेकिन बीजेपी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की लोकप्रियता पर ध्यान केंद्रित करना चाहती है और इसमें ये मुद्दा फिट नहीं बैठता है.

उन्होंने आगे कहा कि कर्नाटक में मोदी पर ध्यान केंद्रित करते हुए बीजेपी की तरफ वोटर्स को खींचा जा सकता है क्योंकि वो महसूस करते हैं कि पीएम मोदी देश को आगे ले जा रहे हैं. तो वहीं, कर्नाटक के एक बीजेपी सांसद ने कहा कि कई निर्वाचन क्षेत्रों में समर्थन हासिल करने के लिए ÷कतील रणनीति÷ पार्टी के लिए फायदेमंद हो सकती है. ÷निश्चित रूप से, यह हमारा मुख्य अभियान नहीं हो सकता लेकिन टीपू को कन्नडिगा नायकों के खिलाफ खड़ा करना एक चतुर फॉर्मूला है. इस महीने की शुरुआत में ही कतील ने ये दावा करके विवाद खड़ा कर दिया था कि राज्य में आगामी विधानसभा चुनाव टीपू बनाम सावरकर होगा। कर्नाटक की राजनीति में टीपू सुल्तान का मुद्दा ध्रुवीकरण का तत्व बन गया है. साल 2018 के चुनाव बीजेपी के फायरब्रांड नेता और यूपी के सीएम योगी आदित्यनाथ ने टीपू सुल्तान बनाम हनुमान बहस की शुरुआत की थी. चुनाव की दिशा तय करने वाली अपनी एक रैली में कांग्रेस पर निशाना साधते हुए योगी आदित्यनाथ ने कहा था कि कर्नाटक ÷हनुमान की भूमि÷ है, जिस पर तत्कालीन विजयनगर साम्राज्य का शासन था. राज्य में एक वर्ग टीपू सुल्तान को एक कट्टर अत्याचारी के रूप में देखते हैं, जिन्होंने हजारों लोगों का जबरन धर्म परिवर्तन करवाया. तत्कालीन सिद्धारमैया सरकार ने लगातार दो सालों तक टीपू जयंती मनाई. सिद्धारमैया सरकार ने टीपू सुल्तान को शुरुआती स्वतंत्रता सेनानी के तौर पर देखा. हालांकि, बीजेपी और दक्षिणपंथी संगठन इसका पुरजोर विरोध करते आए हैं. आगामी विधानसभा चुनाव में एक बार फिर से टीपू सुल्तान एक मुद्दा बन गया है. कर्नाटक विधानसभा की 224 सीटों पर चुनाव होना है और इन्हें जीतने के लिए बीजेपी और कांग्रेस दोनों ही पार्टियों ने पूरी ताकत लगा रखी है. इस विधानसभा चुनाव में आरक्षण भी एक अहम मुद्दा होने वाला है. सत्ता में वापसी की कोशिश में जुटे मुख्यमंत्री बसवराज बोम्मई जहां पंचमशाली आरक्षण और अब एससी-एसटी आरक्षण मे बढ़ोतरी का इरादा जता चुके हैं और इसे बार-बार दोहराया जा रहा है. वहीं यह खतरा भी है कि इन दोनों आरक्षणों की तस्वीर पूरी तरह साफ नहीं हुई तो कांग्रेस भी इसे ही मुद्दा बनाएगी.

गौतमी पाटिल पर महाराष्ट्र एनसीपी नेता अजीत पवार का फरमान

नई दिल्ली। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) के नेता अजित पवार ने अपनी पार्टी के सदस्यों को निर्देश दिया है कि वे महाराष्ट्र में लोकप्रिय लोक गीत और नृत्य की प्रस्तुति लावणी के नाम पर भद्दे सार्वजनिक कार्यक्रम आयोजित न करें. हालांकि उन्होंने किसी खास कलाकार का नाम नहीं लिया, लेकिन उनका गुस्सा धुले की 26 साल की लावणी कलाकार गौतमी पाटिल पर था, जो सोशल मीडिया पर काफी मशहूर हैं. पिछले हफ्ते राकांपा के सांस्कृतिक प्रकोष्ठ की बैठक के दौरान जानी-मानी लावणी नृत्यांगना मेघा घाडगे ने लावणी डांस को लेकर शिकायत की थी. उनकी इस शिकायत को गंभीरता से लिया गया है. घाडगे ने द इंडियन एक्सप्रेस को बताया कि अजित पवार किसी एक डांसर को टारगेट नहीं कर रहे हैं, लेकिन लड़कियों को घाघरा चोली पहना कर और डीजे बजाकर जनता के सामने नचाना लावणी संस्कृति पर सवालिया निशान पैदा करता है. गौतमी पाटिल सोशल मीडिया स्टार हैं. इंटरनेट पर लावणी डांस करके सोशल मीडिया सेंसेशन बने पाटिल को 1 साल का समय ही हुआ है. 1 साल पहले पाटिल ने लावणी पर एक छोटा सा क्लिप बना कर डाला था, जिसमें वो अश्लील इशारे कर रही थीं. लावणी का ये वीडियो उनके लाइव पर्फॉरमेंस के दौरान का था. इस वीडियो ने पाटिल को रातोंरात इंटरनेट सनसनी बना दिया. इसके बाद से पाटिल के डांस शो में खूब भीड़ जमा होने लगी. कई बार तो शो के दौरान मंच पर ही जम कर हंगामा भी हुआ. सांगली जिले में एक शख्स की मौत भी हो गई थी. उत्तर महाराष्ट्र के धुले जिले की रहने वाली पाटिल का पालन-पोषण उनकी मां ने किया और आठवीं कक्षा तक पढ़ाई करने के बाद पाटिल पुणे शिफ्ट हो गईं. पाटिल का कहना है कि, ÷मुझे हमेशा नृत्य करना पसंद था, लेकिन मैंने कभी नहीं सोचा था कि नृत्य ही मेरा करियर बनाएगा. मेरे शराबी पिता कभी हमारे साथ नहीं रहे. मैंने अकलुज शहर में लावणी कार्यक्रम में बैक डांसर के रूप में अपने करियर की शुरुआत की थी और अब मैं नौ साल से लावणी पर लाइव डांस कर रही हूं. पाटिल लाइव डांस के दौरान अपने परफॉर्मेंस को लेकर एक बार माफी भी मांग चुकी हैं. जिसमें उनका कहना था कि डीजे बज रहा था, इसलिए मैं बहक गई आगे से मैं इसका ख्याल रखूंगी. एक तरफ अपने डांस से पाटिल मशहूर हुई तो वहीं इस क्षेत्र के कई दिग्गजों ने पाटिल की कठोर आलोचना भी की. इंडियन एक्सप्रेस में लावणी नृत्यांगना सुरेखा पुनेकर ने पाटिल की आलोचना करते हुए कहा कि पाटिल के अश्लील कार्यक्रमों पर प्रतिबंध लगाने की मांग की जानी चाहिए. एक टेलीविजन चैनल से बात करते हुए पुणेकर ने कहा था कि लावणी डांस में केवल उन लोगों को आगे लाने की जरूरत है जिन्होंने इस डांस में बेहतरीन ट्रेनिंग की है, और वो डांस के दौरान ढंग के कपड़े पहनते हों. जो लोग लावणी के नाम पर अश्लील इशारे करते हैं वो लावणी कलाकार हो ही नहीं सकते.लावणी शब्द लावण्या या सुंदरता से आया है. ये एक मराठी शब्द है. लावणी एक पारंपरिक लोक कला है .

मेघालय में ममता बनर्जी की टीएमसी पर बरसे अमित शाह

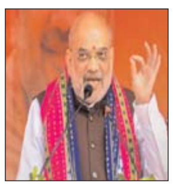

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शुक्रवार (17 फरवरी) को मेघालय के चुनावी प्रचार के लिए रंगसाकोना पहुंचे. इस दौरान उन्होंने ममता बनर्जी की पार्टी टीएमसी और राज्य के मुख्यमंत्री कोनराड संगमा पर निशाना साधा. गृह मंत्री अमित शाह ने रैली को संबोधित करते हुए कहा, मुकुल संगमा उस टीएमसी में चले गए जो कि टोलाबाजी, भ्रष्टाचार और उपद्रव के लिए जानी जाती है. दूसरी ओर मुख्यमंत्री कोनराड संगमा आपकी उम्मीद पर खरे साबित नहीं हुए हैं. शाह ने कहा कि अभी ये मुकुल संगमा अपना नाम बदल कर आ गए हैं. पहले कांग्रेस में थे अब टीएमसी में आ गए हैं. टीएमसी जब बंगाल और वहां के गरीबों की हालत ठीक नहीं कर पाई है तो मेघालय का भला कैसे करेगी। उन्होंने आगे कहा कि बीजेपी ने जहां-जहां सरकार बनाई, सरकारी नौकरियों में भ्रष्टाचार समाप्त किया, लेकिन मेघालय में मुकुल संगमा आते हैं तो अपने परिवार वालों को नौकरी दे देते हैं, कोनराड संगमा आते हैं तो अपने परिवार वालों और पहचान वालों को नौकरी देते हैं. बीजेपी नेता अमित शाह ने दावा किया कि असम में बीजेपी की सरकार है और वहां किसी भी गरीब को अपना इलाज कराने के लिए जेब से पैसा नहीं देना होता है. आयुष्मान भारत योजना के तहत पांच लाख तक का इलाज मुफ्त में होता है. मेघालय में कमल के निशान पर वोट कीजिए और बीजेपी की सरकार बनाइए. इससे पांच लाख रुपये तक का इलाज मुफ्त हो जाएगा. उन्होंने आगे कहा कि यहां भी असम जैसा विकास करना है. शाह ने कहा कि पूर्वोत्तर का समृद्ध प्रदेश बनने के लिए मेघालय में सभी चीजें मौजूद हैं, लेकिन यहां जो भी मुख्यमंत्री बना उसने मेघालय को समृद्ध बनाने के लिए काम नहीं किया. यहां जो भी सीएम बना उसने अपने लिए और अपने परिवार के लिए काम किया. हम लोगों के लिए काम करेंगे.

कुछ टैक्स भुगतानों में मिली अनियमितताएं, बीबीसी के दफ्तरों में 59 घंटों के सर्वे पर आयकर विभाग का बयान

बीबीसी कार्यालयों में सर्वे पर आयकर विभाग ने कहा कि कुछ टैक्स भुगतानों में अनियमितताएं पाई गई हैं. सीबीडीटी का कहना है कि आय, विभिन्न समूह संस्थाओं की ओर से दिखाया गया मुनाफा भारत में परिचालन के पैमाने के अनुरूप नहीं है. बीबीसी के कार्यालयों में आईटी का सर्वे मंगलवार सुबह शुरू हुआ था और करीब 59 घंटे बाद गुरुवार को रात को खत्म हुआ. आयकर विभाग ने कहा कि ट्रांसफर प्राइसिंग डॉक्यूमेंटेशन के संबंध में कई विसंगतियां मिलीं. कहना है कि ढ्ढ-ञ्ज टीमों ने कर्मचारियों के बयान, डिजिटल प्रमाण और दस्तावेजों के माध्यम से अहम सबूतों का पता लगाया है. बयान में आगे कहा गया कि आयकर अधिनियम, 1961 (अधिनियम) की धारा 133ए के तहत सर्वेक्षण कार्रवाई बीबीसी के दिल्ली और मुंबई व्यावसायिक परिसर में की गई थी. विभाग ने आगे कहा कि ये ग्रुप अंग्रेजी, हिंदी और विभिन्न अन्य भारतीय भाषाओं में कंटेट क्रिएशन, विज्ञापन बिक्री आदि का काम करता है. सर्वेक्षण से पता

चला कि विभिन्न भारतीय भाषाओं (अंग्रेजी के अलावा) में कंटेट की पर्याप्त खपत के बावजूद, विभिन्न समूह संस्थाओं की ओर से दिखाई गई आय/लाभ भारत में संचालन के पैमाने के अनुरूप नहीं है. बयान में आगे कहा गया कि सर्वेक्षण के दौरान, विभाग ने संगठन के संचालन से संबंधित कई सबूत एकत्र किए जो बताते हैं कि कुछ प्रेषणों पर कर का भुगतान नहीं किया गया है, जिन्हें समूह की विदेशी संस्थाओं की ओर से भारत में आय के रूप में प्रकट नहीं किया गया है. सर्वेक्षण के संचालन से यह भी पता चला कि सहायक कर्मचारियों की सेवाओं का उपयोग किया गया है जिसके लिए भारतीय इकाई की ओर से संबंधित विदेशी संस्था को प्रतिपूर्ति की गई है. ये विदहोल्डिंग टैक्स के अधीन होने के लिए भी उत्तरदायी था जो नहीं किया गया है. विभाग ने कहा कि केवल उन कर्मचारियों के बयान दर्ज किए गए थे जिनकी भूमिका अहम थी, जिनमें मुख्य रूप से, वित्त, कटेंट डेवलेपमेंट और अन्य प्रोडक्शन संबंधी कार्यों से जुड़े लोग शामिल थे. विभाग ने बीबीसी के कर्मचारियों पर विलंबपूर्ण रणनीति या जांच में देरी करने के प्रयासों का भी आरोप लगाया. विभाग ने कहा कि प्रमुख कर्मियों के बयान दर्ज करने के लिए उचित सावधानी बरती, हालांकि ये देखा गया कि मांगे गए दस्तावेजों को पेश करने में विलंबकारी रणनीति अपनाई गई थी. समूह के इस तरह के रुख के बावजूद, सर्वेक्षण संचालन इस तरह से किया गया ताकि नियमित मीडिया/चैनल गतिविधि को जारी रखा जा सके.

शासकीय प्राथमिक विद्यालय बीरपुर में शिक्षकों की लापरवाही बच्चों को अंधकार की ओर धकेल ता हुआ शिक्षक

शासन की मोटी मोटी रकम लेकर मौज उड़ा है शिक्षक बच्चे हो रहे पढ़ाई से वंचित

जगदीश पाल रिपोर्टर खनियाधाना

पिछोर। अनुविभागीय अंतर्गत ग्राम पंचायत बीरपुर शिक्षकों की मनमानी देखने को मिल रही है जब ग्रामीणों ने प्रेस मीडिया को जानकारी दी तब प्रेस मीडिया मौके पर पहुंची तब देखा कि दिन का 1:00 बज चुका है लेकिन शासकीय प्राथमिक विद्यालय पर एक भी शिक्षक उपस्थित नहीं मिला बल्कि शासकीय प्राथमिक विद्यालय पर ताला जड़ा मिला और 40 बच्चे अपनी बस्ते को लेकर पढ़ने के लिए शिक्षकों की राह देख रहे थे जानकारी के अनुसार किसी ग्रामीण लड़के के लिए अपनी कुर्सी पर बैठाया हुआ था की लड़का से बोला था कि आप बच्चों को देखें मगर शासकीय प्राथमिक विद्यालय प्राचार्य पवन कुमार शर्मा शिक्षिका मंजू यादव अनुपस्थित पाए गई पिछोर क्षेत्र में लगातार शिक्षकों की मनमानी बच्चों को वर्तमान एवं भविष्य के लिए दुखदाई का कारण बनती जा रही है क्योंकि बच्चे विद्यालय समय पर जाते हैं लेकिन विद्यालय पर ताला लगा मिलता है और सारा दिन व्यतीत बच्चे करके अपने घर को लौटते हैं ना कोई शिक्षा देने वाला है वहां पर ना ही कोई उनको सत मार्ग की ओर ले जाने वाला है मोटी मोटी रकम लेकर शासन की धज्जियां उड़ा रहे और बच्चों के साथ लगातार खिलवाड़ किया जा रहा है अगर ऐसा ही भारतवर्ष में चलता रहा तो यही बच्चे एक नया भारत का निर्माण कैसे करेंगे साथी शासकीय प्राथमिक विद्यालय बीरपुर पर 3 शिक्षक पदस्थ है लेकिन तीनों में से एक भी उपस्थित नहीं पाए गए वह भी दिन का 1:00 बज चुका जब प्रेस मीडिया टीम वहां पर पहुंची तब भी गैरहाजिर शिक्षक।

इनका कहना है

इसकी जानकारी आपके द्वारा प्राप्त हुई है मैं इसकी मॉनिटरिंग कर आता हूं इसके बाद कार्रवाई की जाएगी।
जिला शिक्षा अधिकारी, सम्रन सिंह राठौर

नगर पालिका सीएमओ राघवेंद्र पालिया की लापरवाही लोगों की जान से खिलवाड़

गलियों में कीचड़ उफान पर लोग घरों में कैद नगर में बीमारी का कहर दस्तक दे रहा

जगदीश पाल रिपोर्टर खनियाधाना

पिछोर हनुमान बाग नई बस्ती में गलियों में भरा पानी सीएमओ की लापरवाही नगर पालिका राघवेंद्र पालिया आंखें बंद कर सो रहे हैं नगर परिषद में दिन प्रतिदिन नगर पालिका सीएमओ की लापरवाही देखने को मिल रही है गलियों में पानी भरा हुआ है एवं कचरा व कीचड़ से लबालब गलियां भरी हुई है हनुमान बाग नई बस्ती वार्ड क्रमांक पांच में गलियों में इस कदर पानी भरा हुआ है जैसे कोई समुद्र में पानी भरा हुआ है कीचड़ काफी है फिर भी नगर पालिका सीएमओ राघवेंद्र पालिया का कोई नगर पर कोई ध्यान नहीं है लेकिन कुर्सी पर बैठकर मौज ले रहे हैं वार्ड नंबर 5 के नगरवासी बेहद मुसीबत का सामना कर रहे हैं पानी निकासी ना होने के कारण मोहल्ले वाले घरों में कैद है क्योंकि नालियां गधा गद भरी हुई है जिससे वार्ड पांच के लोग बेहद परेशानी का सामना कर रहे हैं नगर पालिका सीएमओ राघवेंद्र पालिया की मनमानी लोगों के लिए जानलेवा साबित हो रही है क्योंकि गंदा पानी गलियों में भरा हुआ है एवं कीचड़ बादलों की तरह छाया हुआ है जिससे नगर मोहल्ले में लोग बीमार पड़ रहे हैं और गंदगी के कारण लोगों का जीना दुश्वार हो रहा है हर गली हर मोहल्ले में नालियां चकाचौंध बंद है जिसमें नगर में बीमारी का खतरा लगातार बढ़ता जा रहा है नगर में नगरवासी बड़ी ही मुसीबत से जूझ रहे हैं लेकिन नगर पालिका सीएमओ का नगर पर कोई ध्यान ही नहीं है।

विकास यात्रा जनकल्याण व विकास के लिए बनी मददगार: केन्द्रीय मंत्री श्री यादव

अजयगढ़ में हितग्राही महासम्मेलन का हुआ आयोजन, 33 करोड़ के विकास कार्यों की मिली सौगात, छोटी फील्ड मैदान का नाम अजयपाल स्टेडियम करने की घोषणा

पन्ना - प्रदेश सरकार की विकास यात्रा गरीब व आमजन के कल्याण तथा विकास के लिए मददगार साबित हुई है। यह यात्रा विकास के नए आयाम स्थापित करेगी। इसके माध्यम से केन्द्र व राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं की पहुंच आम जनता तक सुनिश्चित हो रही है। हितग्राहियों को पारदर्शी तरीके से समय सीमा में हितलाभ की राशि का भुगतान भी सुलभ हुआ है। केन्द्रीय श्रम एवं रोजगार तथा वन एवं पर्यावरण मंत्री श्री भूपेन्द्र यादव ने यह बात अजयगढ़ के छोटी फील्ड मैदान में आयोजित विकास यात्रा व हितग्राही महासम्मेलन के मौके पर मुख्य अतिथि की हैसियत से कही। उन्होंने छोटी फील्ड मैदान का नाम अजयपाल स्टेडियम करने की घोषणा भी की। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में आमजन व हितग्राहियों की उपस्थिति में अतिथियों द्वारा केन्द्रीय मंत्री का आत्मीय स्वागत किया गया। इस मौके पर केन्द्रीय मंत्री श्री यादव ने आम जनता को महाशिवरात्रि की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के कुशल नेतृत्व में गरीब जनता के कल्याण के लिए कई लाभकारी योजनाएं संचालित की रही हैं। जनधन खातों के जरिए गरीबों तक बैंकिंग सुविधाओं का लाभ पहुंच रहा है। डिजिटल तकनीक व नवाचारों की भी देश की तरक्की में अहम योगदान है। आजादी के अमृत महोत्सव काल में देश चहुंमुखी विकास की ओर अग्रसर है। उन्होंने कहा कि देश की आधी आबादी महिलाओं की है। महिला सशक्तिकरण के लिए इस वर्ष के आम बजट में विशेष प्रावधान किया गया है। इसके माध्यम से महिला स्वसहायता समूह को आगे बड़ाने व मजबूत करने का कार्य किया जाएगा। वित्तीय साक्षरता व समावेशन और एफपीओ की अवधारणा से कृषकों और पशुपालकों को भी लाभ मिलेगा। उन्होंने कहा कि बजट में सभी समाज के लिए उन्नति की परिकल्पना की गई है। युवाओं के कौशल उन्नयन के लिए भी योजना बनाई गई है। युवाओं को आर्टिफीशियल इंटेलीजेंस और डिजिटल क्षेत्र में रोजगार से जोड़ा जाएगा।

एनएमडीसी खदान संचालन की प्रक्रिया अंतिम चरण में-केन्द्रीय मंत्री ने कहा कि पन्ना की एनएमडीसी हीरा खनन परियोजना के लिए खदान संचालन के संबंध में वाइल्ड लाइफ अथॉरिटी की स्वीकृति मिल चुकी है। निर्धारित नियमों की कुछ अनिवार्य शर्तों के पूर्णता की कार्यवाही के उपरांत खदान संचालन का कार्य पूर्ववत शुरू हो जाएगा। यह प्रक्रिया अंतिम चरण में है। उन्होंने कहा कि जल, जंगल, जानवर की सुरक्षा के साथ पर्यटन गतिविधियां संचालित कर रोजगार के नए अवसर भी सृजित किए जाएंगे। केन्द्रीय मंत्री ने अजयपाल किला तक रोड के चैड़ीकरण का प्रस्ताव प्राप्त होते ही त्वरित कार्यवाही की बात कही। साथ ही हरसा मोड़ से सलैया तक सड़क निर्माण में वन अवरोध संबंधी समस्या का निराकरण कराने के लिए भी कहा। उन्होंने कहा कि बाघ संरक्षण के क्षेत्र में भी विशेष कार्य किए गए हैं। सांसद श्री विष्णुदत्त शर्मा ने कहा कि महासम्मेलन में लोकार्पित कार्यों का जनता को सीधे तौर पर लाभ मिलने लगेगा। भूमिपूजन वाले कार्यों को अविलंब शुरू कराया जाएगा। महिलाओं के लिए आगामी दिनों में शुरू होने वाली लाडली बहना योजना का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री ने प्रदेश के विकास को गति दी है। इससे गरीब आदमी के जीवन स्तर में बदलाव आया है। आमजनता की ओर से उन्होंने केन्द्रीय मंत्री के अजयगढ़ आगमन पर आभार माना।

खनिज साधन एवं श्रम मंत्री श्री बृजेन्द्र प्रताप सिंह ने कहा कि अजयगढ़ में निरंतर विकास के लिए सतत् प्रयासरत हैं। आज 220 के.व्ही. के पॉवर स्टेशन के भूमिपूजन उपरांत कार्य शीघ्र शुरू कराया जाएगा। इससे जनता को लो वोल्टेज की समस्या से छुटकारा मिलने के साथ ही पन्ना और चंदला को भी बिजली आपूर्ति सुनिश्चित होगी। नहरपट्टी रोड का निर्माण कार्य शुरू होने के साथ ही डामरीकरण कार्य भी प्रारंभ हो गया है। इससे यह सड़क संबंधित ग्राम पंचायतों की जीवनरेखा भी साबित होगी। सिंहपुर-कालिंजर सड़क बन जाने से आमजन को आवागमन की बेहतर सुविधा मिल चुकी है। अन्य सड़क व पुल-पुलियों का कार्य भी कराया जाएगा। उन्होंने केन्द्रीय मंत्री के समक्ष पन्ना नेशनल पार्क के अकोला-रमपुरा गेट शुरू करवाने की मांग रखी। साथ ही कहा कि बफरजोन का क्षेत्र लोगों की सुविधा के लिए सीमित किया जाए। अवैध उत्खनन पर त्वरित कार्यवाही की बात भी कही। मंत्री ने कहा कि वन व्यवस्थापन के पट्टे की फीडिंग का कार्य आज से ही प्रारंभ हो गया है। आयुष (स्वतंत्र प्रभार) एवं जल संसाधन राज्य मंत्री तथा जिले के प्रभारी मंत्री श्री रामकिशोर नानो कांवरे ने कहा कि विकास यात्रा के माध्यम से विकास कार्यों को गति मिली है। गत 17 सितम्बर से 31 अक्टूबर तक मुख्यमंत्री जनसेवा अभियान में 1 लाख 8 हजार से अधिक हितग्राहियों तक विभिन्न योजनाओं का लाभ पहुंचा है। विकास यात्रा के माध्यम से भी सभी पात्र लोगों तक सरकारी योजनाओं का लाभ पहुंचेगा।

33 करोड़ के विकास कार्यों की मिली सौगात-केन्द्रीय मंत्री द्वारा हितग्राही महासम्मेलन में 33 करोड़ के विभिन्न विकास कार्यों का लोकार्पण और शिलान्यास किया गया। इस दौरान नगर परिषद अजयगढ़ के 1 हजार 430 हितग्राहियों के बैंक खातों में विभिन्न हितलाभ की 32 लाख रूपए की राशि भी सिंगल क्लिक के माध्यम से अंतरित की गई। 52 स्वसहायता समूह की महिलाओं को 1 करोड़ 44 लाख रूपए का चेक भी प्रदान किया गया। इसके अलावा उत्कृष्ट कार्य पर वनमण्डल उत्तर अंतर्गत ग्राम वन समिति बरकोला, बड़खेरा और टपरिया को पुरस्कृत किया गया। अन्य हिताग्रहियों को भी विभिन्न योजनाओं के हितलाभ वितरित किए गए। कार्यक्रम की शुरूआत में अतिथियों द्वारा मुख्य अतिथि केन्द्रीय मंत्री श्री यादव को जिले में ओडीओपी के तहत चयनित आंवले का पौधा भेंट किया गया। केन्द्रीय मंत्री ने कन्यापूजन व दीप प्रज्ज्वलन कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इस मौके पर लोक गायिका संजू बघेल द्वारा आकर्षक गीत की प्रस्तुतियां दी गई। कार्यक्रम स्थल पर शासकीय विभागों द्वारा हितग्राहीमूलक प्रदर्शनी भी लगाई गई। केन्द्रीय मंत्री के आगमन पर अजयगढ़ में बाइक रैली भी निकाली गई। कार्यक्रम में जिला पंचायत उपाध्यक्ष श्री संतोष सिंह यादव, नगर पालिका पन्ना की अध्यक्ष श्रीमती मीना पाण्डेय, नगर परिषद अजयगढ़ की अध्यक्ष श्रीमती सीता गुप्ता एवं अन्य जनप्रतिनिधि, मुख्य वन संरक्षक श्री संजीव झा, कलेक्टर श्री संजय कुमार मिश्र, पुलिस अधीक्षक श्री धर्मराज मीणा, डीएफओ श्री पुनीत सोनकर, जिला पंचायत सीईओ श्री संघ प्रिय सहित हरप्रसाद पटेल, उमेश सोनी, सतानंद गौतम उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन परियोजना अधिकारी संजय सिंह परिहार ने किया। सुशील त्रिपाठी द्वारा आभार प्रदर्शन किया गया।

श्रीमंत महाराज साहब यशोधरा राजे सिंधिया कैबिनेट मंत्री मध्य प्रदेश शासन द्वारा लगाया गया ग्राम पंचायत गणेश खेड़ा में जन समस्या निवारण शिविर

जगदीश पाल रिपोर्टर खनियाधाना

पिछोर, खोंड मध्यप्रदेश शासन की विकास यात्रा कार्यक्रम के तहत आज ग्राम पंचायत गणेश खेड़ा में श्रीमंत महाराज यशोधरा राजे सिंधिया जी के आशीर्वाद से उनके निर्देशन मैं जन समस्या निवारण शिविर लगाया गया जिस में उपस्थित श्रीमंत महाराज साहब यशोधरा राजे सिंधिया जी के निज सचिव श्री राजेंद्र शिवहरे जी, जिला पंचायत सीईओ श्री उमराव सिंह मरावी जी ,जनपद पंचायत ष्टश्वह्र पुष्पेंद्र व्यास जी,भाजपा मंडल अध्यक्ष श्री केरनसिंह लोधी जी, महिला बाल विकास परियोजना अधिकारी श्री अरविंद तिवारी जी, खोड़ नायब तहसीलदार किरण सिंह जी ,विद्युत विभाग से्. श्व. दक्ष साहब जी, भाजपा मंडल महामंत्री श्री महेश परिहार जी गणेश खेड़ा ,ग्राम पंचायत सरपंच श्री राम प्रकाश लोधी जी,आंगनवाड़ी पर्यवेक्षक श्रीमती नीतू गुप्ता जी ,पीएचई विभाग से इंजीनियर श्री आशीष परिहार जी, वन विभाग, पोस्ट ऑफिस विभाग एवं कृषि विभाग, पशुपालन विभाग, पटवारी सुनील कोली जी एवं कमलसिंह जाटव जी आदि विभाग उपस्थित रहे एवं भाजपा कार्यकर्ता एवं पदाधिकारियों का विशेष सहयोग रहा जिनमें से भरत लाल लोधी अरुण परिहार, नरेंद्र लोधी रमाशंकर लोधी, बलबीर लोधी, हनुमत सिंह लोधी पुष्पेंद्र लोधी, अरुण वकील पंचायत सचिव रामनिवास लोधी जी एवं भगवान सिंह लोधी सहायक सचिव आदि गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे जिन्होंने सभी जन कल्याणकारी योजनाओं के लिए आवेदन लिए एवं कुछ समस्याओं के तत्काल समाधान भी किए गए एवं संबंधित अधिकारियों को ही जिला पंचायत अधिकारी द्वारा निर्देशित किया गया और समस्याओं का जल्द से जल्द समाधान हो इसके लिए भी संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया गया।

लाल मुरम का अवैध उत्खनन जारी नहीं हो रही कार्रवाई

शहर के नामचीन लोग कर रहे हैं अवैध उत्खनन, प्रशासन है नतमस्तक

**अनिल कुशवाह प्रभारी
पुष्पांजलि टुडे**

शिवपुरी। शिवपुरी शहर में अवैध उत्खनन का मामला बढ़ता ही जा रहा है उत्खनन करने वाले शहर के नामी लोग हैं जिनके आगे प्रशासन भी नतमस्तक है ऐसे ऐसे लोग अवैध उत्खनन में शामिल हैं जो सत्ताधारी पार्टी के नेताओं की जी हजूरी करके अपने इस कारोबार को बढ़ावा दे रहे हैं और रोज के हजारों लाखों रुपए कमा रहे हैं और सरकार को मिलने बाले राजस्व को भी खा रहे हैं। इसमें शासन प्रशासन के भी अधिकतर लोग मिले हुए हैं जो इन पर कार्यवाही करने से डरते हैं अभी हाल ही में ककरवाया मैं एक अवैध रेत उत्खनन का मामला उजागर किया था जिसमें शहर के नामचीन लोग अपनी धाक जमा कर बैठे हैं और किसी गरीब के नाम पर उसका रॉयल्टी लाइसेंस लेकर रखे हैं जिससे अगर कार्यवाही भी हो तो दूसरे पर हो और ये साफ बच जाए देखा जाए तो शहर में इतना मुरम का अवैध उत्खनन हो रहा है जिसमें कहीं ना कहीं प्रशासन की देखरेख में काम चल रहा है हाल ही में बने यातायात थाने में 3 दिन के अंदर 50 से अधिक डंपर मुरम डाली गई है जिसकी रॉयल्टी किसके नाम पर है और कौन इसको डाल रहा है यह कोई बताने के लिए तैयार नहीं है इतनी मुरम यदि यहां पर 3 दिन के अंदर में डल चुकी है तो शहर में से कितनी मुरम अवैध रूप से निकाली जा रही है इस पर कोई भी जवाब देने के लिए तैयार नहीं है मीडिया द्वारा माइनिंग ऑफिसर से बात करने पर उन्होंने बताया कि हमने कुछ समय पहले चार पांच लोगों पर अवैध रूप से उत्खनन करने का मामला दर्ज करवाया था लेकिन उनको जब जानकारी दी गई थी और भी अन्य जगह अवैध रूप से उत्खनन हो रहा है तो उन्होंने बताया कि इन पर कार्रवाई करेंगे लेकिन अभी तक कोई कार्यवाही नहीं की गई है।

जिला महिला कांग्रेस ने काँवड़ियों का किया स्वागत

**रीतेश अवस्थी
पुष्पांजली टुडे**

दमोह। जिला महिला कांग्रेस अध्यक्ष श्रीमती रजनी ठाकुर ने हजारों की संख्या में चल रहे काँवडियो का ग्राम बम्हौरी मानगड़,रोंड,महादेवघाट एवं मुआर तिगड्डा पर पुण्प वर्षा कर स्वागत किया। ग्वारी घाट जबलपुर से नर्मदा माँ का जल लेकर बांदकपुर जा रहे काँवडियां जागेश्वर नाथ महादेव को जल चड़ाने के लिए महाशिवरात्रि पर्व पर हजारों की संख्या में पैदल चल कर जा रहे हैं।इस दौरान स्वागत करने वालो में बम्हौरी सरपंच प्रतिनिधि राहुल राय, रोंड सरपंच विक्रम सिंह, मुआर मनगुवा सरपंच नन्ने भाई सींग, पूर्व सरपंच संतोष सिंह, सुजान सिंह, राजू राय, अमित ठाकुर, पं खूब लाल बम्हौरी सहित समस्त ग्राम वासियों ने काँवडियों का स्वागत किया।

भगवान के मोक्ष कल्याणक महोत्सव पर महामस्तकाभिषेक एवं मूलनायक आदिनाथ भगवान के शिखर पर किया गया ध्वजारोहण

रीतेश अवस्थी, पुष्पांजली टुडे

दमोह। देव श्री पार्श्वनाथ दिगंबर जैन सिंघई मंदिर जी दमोह में हुआ अरिष्ट निवारक मुनि सुब्रत नाथ भगवान के मोक्ष कल्याणक महोत्सव पर महा मस्तकाभिषेक एवं मूल नायक आदिनाथ भगवान के शिखर पर स्थाई ध्वजारोहण किया गया। उक्त जानकारी देते हुए मंदिर एवं दिगंबर जैन पंचायत दमोह के अध्यक्ष सुधीर जैन सिंघई ने बताया कि आज उन्नीसवें तीर्थंकर भगवान श्री मुनि सुब्रत नाथ स्वामी जी का मोक्ष कल्याणक महोत्सव है आज के ही दिन तीर्थराज संवेद शिखर जी से भगवान ने निर्वाण को प्राप्त किया था। आज उसी उपलक्ष्य में मंदिर जी में भगवान का महामस्तकाभिषेक किया गया एवं निर्वाण लाडू समर्पित किया गया। धार्मिक आयोजन मंत्री सबन जैन सिल्वर ने कहा कि हम सभी के अनुपम पुन्य से अभिक्षण श्रानी,भावलिंगी संत आहार जी के छोटे बाबा आचार्य श्री विमर्श सागर जी महाराज ससंघ पच्चीस पिछी सहित का मंगल सानिध्य प्राप्त हुआ। आचार्य श्री ने मंगल देशना देते हुए कहा कि जो भौतिक सुख हमें प्राप्त होता है वह हमारे पूर्व जन्म के पुण्य का प्रतिफल है सच्चा सुख तो हमें आत्मा का सुख प्राप्त होना है। जब हम भगवान से पूजन के समय कहा करते हैं कि अष्ट कर्म दहनाय धूपम्न पांति स्वाहा, इसका मतलब होता है कि बेदनी कर्म को छय करना चाहते हैं, बेदनी सुख प्रदान करने वाला साता वेदनी हो या दुख देने वाले असाता वेदनी हो, भगवान मुनिसुब्रत स्वामी ने सभी वेदनी कर्म को छय कर आत्मा के अनंत सुख को प्राप्त किया है। हम भी उनके तरह अनंत सुख को प्राप्त करने के लिए आज भगवान का पूजन करते हैं। इस अवसर पर मूलनायक भगवान की वेदी पर स्थाई ध्वजारोहण करने का सौभाग्य संदेश चौधरी, दिलेश चौधरी सहित विमल चौधरी, नरेंद्र चौधरी, विनय चौधरी, मनीष चौधरी समस्त चौधरी परिवार ने प्राप्त किया, साथ ही भगवान पर प्रथम अभिषेक करने का सौभाग्य दिलेश चौधरी, नीलेश चौधरी, वायनल चौधरी, सुरेंद्र सराफ, राजेश जैन लेखनी देखनी एवं सुधीर जैन डब्लू परिवार ने प्राप्त किया। जगत की शांति हेतु आचार्य श्री के मुखारविंद से शांति धारा कराने का सौभाग्य राजेश जैन शोभा नगर एवं संकेत चौधरी, ईशु चौधरी सहित चौधरी परिवार को प्राप्त हुआ भगवान को निर्वाण लाडू समर्पित करने का सौभाग्य संदीप सराफ परिवार को प्राप्त हुआ। इस अवसर पर जैन मिलन नगर प्रमुख शाखा दमोह द्वारा आचार्य श्री विमर्श सागर जी महाराज का पूजन किया गया साथ ही सिंघई मंदिर महिला समिती, महिला महा समिती सहित नन्हें मंदिर पदाधिकारी, जैन सोशल ग्रुप, जैन सेवादल सहित सिंघई, सेठ मंदिर जी के समस्त आसामी समलित हुए। कार्यक्रम पंडित अभिषेक जैन, पंडित मयंक जैन के निर्देशन मे सम्पन्न हुआ। सिंघई मंदिर कमेटी ने सभी अतिथियों का आभार व्यक्त किया।

सांसद डॉ.के.पी.यादव 18 फरवरी को शिवपुरी में

**अनिल कुशवाह प्रभारी
पुष्पांजलि टुडे**

शिवपुरी-गुना-शिवपुरी-अशोकनगर संसदीय क्षेत्र के लोकसभा सांसद डॉ.के.पी.यादव 18 फरवरी को शिवपुरी भ्रमण पर आएंगे। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार सांसद डॉ.के.पी.यादव सर्वप्रथम 9:45 बजे निज निवास अशोकनगर से प्रस्थान कर श्री राजराजेश्वर महादेव मंदिर पूजन अर्चन करेंगे। प्रातः 11 बजे अशोकनगर से शिवपुरी के लिए रवाना होंगे। दोपहर 12:30 शिवपुरी आगमन तथा सेवा भारती के तत्वाधान में आयोजित सहरिया छात्रावास वार्षिकोत्सव कार्यक्रम में सम्मिलित होंगे, इसके पश्चात दोपहर 2:00 बजे स्थानीय सर्किट हाउस में कार्यकर्ताओं से भेंट करेंगे तथा अपराह्न 3:30 बजे शिवपुरी में स्थानीय कार्यक्रमों में सम्मिलित होते हुए 5 बजे शिवपुरी से वापस अशोकनगर के लिए प्रस्थान करेंगे।

रक्तपात की राजनीति के खिलाफ भाजपा की जन हुंकारः अरुण साव

लोकतंत्र की हत्या के खिलाफ जनता हमारे साथः डॉ. रमन, कांग्रेस शासन में घोटा जा रहा है लोकतंत्र का गलाः नारायण चंदेलः भाजपा नेताओं की शहादत का जनता ने किया सम्मान-भाजपा

रायपुर। भारतीय जनता पार्टी ने आज छत्तीसगढ़ के 78 विधानसभा क्षेत्रों में लगभग 400 स्थानों पर जबरदस्त चक्काजाम आंदोलन कर कांग्रेस सरकार के खिलाफ हुंकार भरी। भाजपा ने बस्तर में अपने चार साथियों की षडयंत्र पूर्वक हत्या के विरोध में जन जागरण के उद्देश्य से यह आंदोलन किया। प्रदेश व्यापी आंदोलन का नेतृत्व प्रदेश अध्यक्ष सांसद अरुण साव, पूर्व मुख्यमंत्री डॉ. रमन सिंह, नेता प्रतिपक्ष

नारायण चंदेल सहित सभी सांसदों, विधायकों एवं वरिष्ठ नेताओं ने किया।

छत्तीसगढ़ प्रदेश भाजपा अध्यक्ष सांसद अरुण साव ने शंकर नगर चौक पर चक्का जाम आंदोलन का नेतृत्व किया। उन्होंने कहा कि भूपेश बघेल सरकार का षड्यंत्र उजागर होने लगा है। नक्सलियों द्वारा सुनियोजित तरीके से भाजपा नेताओं की हत्या और छत्तीसगड़ में बढ़ते अपराध का विरोध जरूरी है। आज का चक्काजाम कांग्रेस की बदनियती के खिलाफ जनहुंकार है। उन्होंने कहा छत्तीसगढ़ में जब जब कांग्रेस की सरकार आई है, राजनीतिक हत्याओं का दौर चला है। 2003 के पहले जब कांग्रेस की सरकार थी तो जयस्तंभ चौक पर हुई राजनीतिक हत्या छत्तीसगढ़ की जनता भूली नही है और जनता ने 15 वर्षों के लिए कांग्रेस को सत्ता से बाहर कर दिया था। अब कांग्रेस की मौजूदा सरकार में भी राजनीतिक हत्याओं का दौर शुरू हो चुका है। 1 महीने में भाजपा के 4 नेताओं की नृशंस हत्या की गई है। इसके विरोध में आज भारतीय जनता पार्टी पूरे छत्तीसगढ़ में 400 स्थानों पर सड़क जाम कर विरोध प्रदर्शन कर रही है। प्रदेश भर में जनता हमें समर्थन दे रही है। शांत छत्तीसगढ़ की स्थापना के लिए जनता भागीदारी कर रही है। इस आंदोलन को बदनाम करने के लिए कांग्रेस सरकार ने बहुत कोशिश की लेकिन इतने बड़े आंदोलन के दौरान जनता को तकलीफ नहीं होने दी गई। आवश्यक सेवाएं जैसे एंबुलेंस फायर ब्रिगेड, बच्चों के स्कूली वाहन नहीं रोके गए। हम जनता के हित में आंदोलन कर रहे हैं और जनता यह समझती है। भाजपा राष्ट्रीय उपाध्यक्ष व पूर्व मुख्यमंत्री डॉ. रमन सिंह ने भाजपा कार्यकर्ताओं, पदाधिकारियों की हत्या के विरोध में चक्काजाम आंदोलन में फाफाडीह में भाग लेकर अपने उद्बोधन में कहा कि कांग्रेस सरकार साजिश के तहत हमारे नेताओं की सुरक्षा घटा रही है। हम आज प्रदेश भर में चक्काजाम आंदोलन इसलिए कर रहे हैं कि लोकतंत्र की हत्या के खिलाफ जागरूकता आये। जनता हमारे साथ है। हम राज्य में अमन चैन के लिए संघर्ष कर रहे हैं। कांग्रेस सरकार ने विषय से ध्यान भटकाने के लिए एनआईए जांच के लिए पत्र लिखा है। उन्हें एनआईए पर भरोसा है तो झीरम जांच का विरोध क्यों करते हैं। भाजपा के पदाधिकारियों की हत्या सीधे तौर पर साजिश है और एक माह में हमारे 4 साथियों की हत्या इसी साजिश का परिणाम है। नेता प्रतिपक्ष नारायण चंदेल ने जांजगीर-चांपा में भाजपा के चक्का जाम आंदोलन का नेतृत्व किया। इस दौरान उन्होंने अपने उद्बोधन में कहा कि समूचा बस्तर खून से लथपथ है। लोकतंत्र की हत्या की जा रही है। प्रजातंत्र का गला घोंटा जा रहा है और यह सब इस कांग्रेसी शासन के संरक्षण में हो रहा है। कांग्रेस की सरकार जनता की नजरों में गिर चुकी है। उसने कोई काम नहीं किया। जन घोषणा पत्र की सारे घोषणाएं कचरे की टोकरी में डाल दी गई हैं और जब कांग्रेस को अपनी हार का भय सता रहा है तो लोकतंत्र को दबाकर तानाशाही तरीके से सत्ता बचाए रखना चाहती है। लेकिन जनता के साथ खड़ी भाजपा इस सरकार को उखाड़ कर फेंक देगी। रायपुर सांसद सुनील सोनी ने राजधानी के रिंग रोड नंबर 1 में मठपुरैना के पास चक्काजाम आंदोलन में भागीदारी करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के पास कोई उपलब्धि नहीं है। सवा 4 साल में उन्होंने कोई काम नहीं किया है। इसलिए अपनी विफलताओं के कारण सुनिश्चित हार के डर से तरह-तरह के षड्यंत्र किए जा रहे हैं। बस्तर में हमारे चार साथियों की हत्या इसी षड्यंत्र का एक हिस्सा है। सांसद सुनील सोनी ने कहा कि भाजपा का कार्यकर्ता लोकतांत्रिक तरीके से हर साजिश का मुकाबला करने के लिए तैयार है। भूपेश बघेल की सरकार कितने भी षड्यंत्र करे लेकिन लोकतंत्र के रखवाले भाजपा कार्यकर्ता पीछे हटने वाले नहीं हैं। भाजपा मुख्य प्रवक्ता व पूर्व मंत्री, विधायक अजय चंद्राकर ने कुरुद में चक्काजाम आंदोलन का नेतृत्व किया। उन्होंने कहा कि यह डबल स्टैंडर्ड की सरकार है जो अपने दुख को दुख और भारतीय जनता पार्टी के दुख को कहानी समझती है। टाटीबंध में पूर्व मंत्री व भाजपा प्रवक्ता राजेश मूणत ने आंदोलन का नेतृत्व किया। उन्होंने कहा कि भूपेश बघेल सरकार का षड्यंत्र सामने आ रहा है। सुनियोजित तरीके से भाजपा नेताओं की हत्या और छत्तीसगड़ में बढ़ते अपराध का विरोध बेहद जरूरी है। आज का चक्काजाम कांग्रेस की साजिशों के खिलाफ हुंकार है। चक्का जाम के दौरान कटोरा तालाब कपूर चौक में कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष मोहन मरकाम ने अपनी कार जबरदस्ती भाजपा कार्यकर्ताओं का घेरा तोड़कर आगे बढ़ाने की कोशिश की, जिसे भाजपा कार्यकर्ताओं ने नाकाम कर दिया। भाजपा कार्यकर्ताओं के प्रखर विरोध के आगे मोहन मरकाम को लौटना पड़ा। इस दौरान पुलिस ने भाजपा कार्यकर्ताओं से बदसलूकी व झूमा झटकी की। प्रदेश के 78 विधानसभा क्षेत्र के 400 से अधिक स्थानों में हुए चक्काजाम में दुर्ग में राज्यसभा सांसद सुश्री सरोज पांडेय, रामानुजगंज में पूर्व राज्यसभा सांसद रामविचार नेताम, ,कुम्हारी में सांसद विजय बघेल,कुरूद में भाजपा मुख्य प्रवक्ता अजय चंद्राकर, बिलासपुर में धरमलाल कौशिक, अमर अग्रवाल, भूपेन्द्र सवन्नी, मुंगेली में पुन्नूलाल मोहले, पूर्व सांसद लखनलाल साहू, कवर्धा में प्रदेश महामंत्री विजय शर्मा, रायगड़ में ओपी चौधरी, भाटापारा में विधायक शिवरतन शर्मा, अकलतरा में विधायक सौरभ सिंह, बलौदाबाजार में लक्ष्मी वर्मा, जशपुर कुनकुरी में पूर्व प्रदेश अध्यक्ष विष्णुदेव साय, पत्थलगांव में सांसद

गोमती साय, धमतरी में सांसद चुन्नीलाल साहू, राजनांदगांव में पूर्व सांसद अभिषेक सिंह, विधायक श्रीमती रंजना साहू, पूर्व मंत्री राजेश मूणत, नीलू शर्मा, खूबचंद पारख,,नंदे साहू, राजीव अग्रवाल, संजय श्रीवास्तव, जयंती पटेल, अभिनेष कश्यप,श्रीचंद सुन्दरानी, नरेश गुप्ता, नंदन जैन, दीपक म्हस्के, किशोर महानंद, सरगुजा में कृष्ण कुमार राय, गणेश राम भगत, रायमुनी चंपा देवी पावले, यशवंत जैन, संदीप शर्मा, अशोक बजाज संयोगिता सिह जूदेव, किरण बघेल, रामकुमार भट्ट,अमित साहु सहित भाजपा सांसद, पूर्व सांसद, विधायक, पूर्व विधायक, जिलाध्यक्ष सहित भाजपा के सभी मोर्चा प्रकोष्ठ के अध्यक्ष सहित भाजपा पदाधिकारी व कार्यकर्ताओं ने प्रदेश के 78 विधानसभा क्षेत्रों के 400 से अधिक स्थानों में हजारों की संख्या में आंदोलन में शामिल होकर चक्का जाम किया।

मुख्यमंत्री खेत सड़क योजना के माध्यम से सीसी सड़क बनवाए जाने को लेकर किसानों ने सौंपा ज्ञापन

संभागीय ब्यूरो गौरी शंकर कुशवाहा की पुष्पांजलि टुडे की खबर

ककरहटी- नगर परिषद ककरहटी के वार्ड नंबर 15 अंतर्गत स्थित ढीमर घाट से लेकर नत्थू मोहम्मद सौदागर की नर्सरी तक किसानों के खेतों तक जाने वाला कच्चा सड़क मार्ग जो कि अत्यंत दयनीय हालत में है उसे सीसी सड़क बनवाए जाने की मांग को लेकर ककरहटी के किसानों के द्वारा नगर परिषद ककरहटी में मुख्य नगर पालिका अधिकारी ओम मिश्रा को ज्ञापन सोपा गया। पूर्व में भी वार्ड क्रमांक 9 के पार्षद जावेद खान के द्वारा इकराम मोहम्मद सौदागर के मकान से लेकर ढीमर घाट तक सीसी सड़क व ढीमर घाट का पुल एवं पीपर घाट का पुल निर्माण कार्य प्रस्तावित कराया गया था लेकिन नगर परिषद की उदासीनता के चलते वह कार्य आज तक नहीं हो पाया है। ककरहटी में नालापार को जोड़ने वाला पीपर घाट का पुल एवं ढीमर घाट का पुल इस नगर की बरसों पुरानी समस्या है। जो कि आज भी हल नहीं हो पाई है।जहां एक ओर भाजपा सरकार विकास गिनाने के लिए विकास यात्रा निकाल रही है वही ककरहटी नगर में ऐसी अनेकों समस्याएं हैं जो विकास से कोसों दूर है उनमें नालापार को जाने वाला पीपर घाट

का पुल, बगीचा मोहल्ले में स्थित ढीमर घाट का पुल जो कि ककरहटी के कई किसानों के खेतों के लिए जाने वाला एकमात्र रास्ता है और वह भी बारिश के मौसम में दलदल में तब्दील हो जाता है मजबूरन किसानों को घुटनों तक कीचड़ से लथपथ होकर गुजरना पड़ता है।जिसको पक्का बनवाए जाने की मांग कई वर्षों से किसानों के द्वारा विधायक सांसद जिला प्रशासन एवं स्थानीय नगर परिषद से लगातार की जाती रही है मगर किसानों की इस समस्या की ओर किसी ने ध्यान नहीं दिया वही एक बार फिर किसानों ने अपनी इस बरसों पुरानी लंबित मांग को लेकर नगर परिषद में स्थानीय जनप्रतिनिधियो के माध्यम से पूरी कराए जाने को लेकर ज्ञापन दिया है। साथ ही नगर परिषद ककरहटी सीएमओ के द्वारा किसानों की इस समस्या को अति शीघ्र हल करने का आश्वासन दिया गया है।

दमयंतीपुरम हाउसिंग बोर्ड में लाखों गैलन पानी कि रोज बर्बादी अधिकारी बेखबर

रीतेश अवस्थी, पुष्पांजली टुडे

दमोह। शहर के न्यू दमयंतीपुरम में हाउसिंग बोर्ड द्वारा दमयंतीपुरम कॉलोनी का निर्माण कराया था,जो लगातार निर्माण के समय से वर्तमान में चल रहे निर्माण कार्यों के लिए हितग्राहियो द्वारा वहां हो रही अनियमितताओं के विरोध में आपत्ति लगाई जाती रही हैं,चाहे वह मकानों के निर्माण कि गुणवत्ता हो, लॉटरी सिस्टम हो,या फिर सब्सिडी जैसे मामलो में लगातार हाउसिंग बोर्ड सुर्ख़ियों में बना रहता था तो वही वर्तमान के नये आवंटियों के लिए बनाये गए मकानों के लिए नालियों में बगैर लोहे एवं गिट्टी के ईट की जुडाई से निर्माण कराया गया हैं जिसे स्थानीय लोगों द्वारा गलत बताया जा रहा हैं,लोगों का कहना हैं हर ब्लॉक में आरसीसी नालियों का निर्माण बोर्ड द्वारा कराया गया था लेकिन इस ब्लॉक में लीपापोती कि जा रही हैं जिसे ईटो से बना दिया गया है। जबकि इस ब्लॉक को छोड़कर हर ब्लॉक में आरसीसी का निर्माण बोर्ड द्वारा कराया गया था। तो वही कॉलोनी परिसर में बनी पानी कि टंकियों से हर दिन लाखों गैलन रोड़ों पर बहता हैं जिसकी ओर ना विभाग द्वारा ध्यान दिया जाता हैं और ना वहां मौजूद कर्मचारियों द्वारा

इस ओर देखा जाता है जिससे पानी कि बर्बादी होती हैं एवं पानी के तेज बहाव के कारण वहां कि नालियां और रोड पूरी तरह से जर्ड़र हो गयी हैं और कॉलोनी परिसर के लोगों के लिए यह दर्शानीय स्थल से कम नहीं हैं लोग पहाड़ से गिरने वाले पानी को झरने के रूप में देखने लगे हैं और सेल्फी लेने से भी नहीं चूकते हैं।

इनका कहना है

ईटो से भी नालियां बनायी जाती हैं, जो गलत नहीं हैं।लेकिन पानी कि टंकियों से इस तरह पानी व्यर्थ बहना पूर्णतः गलत हैं आपके अड़बार के माध्यम से जानकारी लगी हैं इसे हम तुरंत दिखवाते हैं।

महेंद्र खरे
ई ई हाउसिंग बोर्ड

गोहरापदर के भाजपाइयों ने 2 घंटे रोका एनएच 130 सी, अपने नेताओं की निर्मम हत्या पर जताया आक्रोश

संवाददाता हेमचंद नागेश

गोहरापदर। भाजपा मंडल गोहरापदर द्वारा प्रदेश संगठन के आव्हान पर प्रदेश व्यापी चक्काजाम के तहत पूर्व संसदीय सचिव गोवर्धन सिंह माँझी एवं मंडल अध्यक्ष गुरुनारायण तिवारी के नेतृत्व में क्षेत्र के ध्रुवागुडी एनएच 130 सी में भाजपा नेताओ की टार्गेट किलिंग एवं प्रदेश की लचर क़ानून व्यवस्था के विषयों की लेकर सैकड़ों भाजपा कार्यकताओ के साथ विरोध जताते हुए चक्काजाम किया गया.इस दौरान सड़क के दोनो ओर वाहनो की लम्बी क़तार थीं।भाजपा के चारों दिवंगत नेताओ स्व.सागर अलामी,स्व.बुधराम करटाम,स्व.नीलकंठ कक्केम,स्व.सागर साहू को श्रद्धाजंलि दीं गई। पूर्व संसदीय सचिव गोवर्धन सिंह माँझी ने संबोधित करते हुए कहा कि जिस तरीक़े से बस्तर के वनांचल क्षेत्रों में भाजपा के कर्तव्यनिष्ठ कार्यकर्ताओं को टार्गेट कर के मौत के घाट उतारा जा रहा है यह दुर्भाग्यपूर्ण हैं.वर्तमान में चार कार्यकर्ताओं की हत्या के पूर्व दंतेवाड़ा के विधायक भीमा मंडावी की भी हत्या की थीं।प्रदेश सरकार के निकम्मे औरअसंवेदनशील रवैए से राज्य के अंदर अराजकता का माहौल बन गया.प्रदेश की क़ानून व्यवस्था इतनी लचर हैं की लूट,डकैती ने हदें पार कर दी हैं. आए दिनों चाकुबाज़ी की खबरें अब आम बात होने लगी हैं.सरकार सिर्फ़ अपने प्रचार में लगी हैं.जनहित के मुद्दे से मुख्यमंत्री का कोई सरोकार नहीं है.अगर कॉग्रेस की भूपेश सरकार अगर जल्द से जल्द संवेदनशील नहीं होती तो जनता अपने हितों की रक्षा के लिए तख्तापलटने को तैयार खड़ी हैं। भाजपा ज़िला महामंत्री पुनीतराम सिन्हा,भाजयुमो ज़िलाध्यक्ष योगीराज माखन कश्यप,भाजपा किसान मोर्चा ज़िला उपाध्यक्ष निर्भयसिंह ठाकुर ने भी कार्यकताओ को सम्बोधित किया। चक्काजाम कार्यक्रम में प्रमुख रूप से मंडल अध्यक्ष गुरुनारायण तिवारी, महामंत्री तानसिंह मांझी,सहकारिता प्रकोष्ठ जिला संयोजक संजय दुबे,सांसद प्रतिनिधि खगेश्वर नायक,जयकुमार अवस्थी, लम्बोदर साहू,राजेन्द्र यादव, डोमारसिंह कश्यप, दुर्गाप्रसाद मिश्रा,शलाबुद्दीन शेख,कु.विनिता यादव, चंद्रप्रकाश साहू,कीर्तनराम यादव,रुपसिंह मरकाम,दीपक सागर,कृष्णाप्रसाद गुप्ता, टेलुराम कश्यप,ओंकार पर्वते,धनीराम सिन्हा,बेनुराम नागेश,बशंत नागेश,मधुराम यादव,गयाराम मांझी,गजेन्द्रनारायण तिवारी, वरुण नागेश,गयाराम नागेश,रुपचंद नेताम सहित कार्यकर्ता गण उपस्थित थे।

विश्व हिन्दू परिषद बजरंग दल के पदाधिकारियों द्वारा श्री जागेश्वर धाम कांवड़ लेकर जाने वाले श्रद्धालुओं का किया गया स्वागत

रीतेश अवस्थी, पुष्पांजली टुडे

दमोह। प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी जागेश्वर धाम महादेव के दर्शन करने के लिए मां नर्मदा का जल भरकर श्रद्धालु पैदल यात्रा में बढ़ चढ़कर हिस्सा ले रहे हैं जिनका विश्व हिंदू परिषद बजरंग दल के पदाधिकारियों ने तीन गुल्ली चौराहे पर पुष्प माला पहनाकर स्वागत किया एवं सभी श्रद्धालुओं को चाय, नाश्ता कराकर बांदकपुर धाम जागेश्वर नाथ के लिए रवाना किया। विश्व हिंदू परिषद बजरंग दल के पदाधिकारी हर वर्ष यह आयोजन करते है। पैदल चलने वाले कांवडियों का स्वागत करने वाले सेवाकारों में जिला सेवा प्रमुख अजय मिश्रा, बजरंगदल जिला संयोजक शम्भू विश्वकर्मा, नगर अध्यक्ष पं राम मिश्रा,राम रैकवार सहित बड़ी संख्या में पदाधिकारियों की उपस्थिति रही।

थाना खनियाधाना पुलिस की अवैध शराव के खिलाफ कार्यवाही

पुलिस थाना खनियाधाना द्वारा 80 लीटर हाथ भट्टी की अवैध शराव जप्त की, 600 लीटर लहान एवं शराब बनाने की सामाग्री को नष्ट कर आरोपी के खिलाफ आबकारी एक्ट में कार्यवाही की

जगदीश पाल रिपोर्टर खनियाधाना

वरिष्ट पुलिस अधीक्षक शिवपुरी श्री राजेश सिंह चंदेल द्वारा अवैध शराव की विक्री के विरूध्द कार्यवाही करने हेतु लगातार आदेशित किया जा रहा है । उक्त आदेश के पालन मे अति. पुलिस अधीक्षक शिवपुरी श्री प्रवीण कुमार भूरिया के निर्देशन में एस.डी.ओ.पी पिछोर श्री प्रशान्त शर्मा के मार्गदर्शन में दिनांक 16.02.2023 की रात्रि को थाना खनियाधाना पुलिस को मुखविर द्वारा सूचना प्राप्त हुई कि ग्राम कफार मे जसरथ लोधी अपने कुआ पर अवैध रुप से शराव उतार रहा है। उक्त सूचना पर से दविश दी गई तो आरोपी जसरथ पुत्र रघुनाथ सिह लोधी उम्र 45 साल निवासी ग्राम कफार थाना खनियाधाना के कब्जे दो प्लास्टिक की कैनो मे 80 लीटर हाथ भट्टी की बनी कच्ची शराब कीमती 24000 रुपये की बरामद की गई व मौके पर तीन प्लास्टिक के ड्रमो मे कुल 600 लीटर गुड़ व महुआ का लहान कीमती 60,000 रुपये का

भरा हुआ था लहान को मौके पर ही नष्ट किया गया व 80 लीटर शराव व तीन खाली प्लास्टिक के ड्रमो को विधिवत जप्त किया गया उक्त आरोपी के विरूध्द धारा 34(2) आबकारी एक्ट का कायम कर विवेचना मे लिया गया आरोपी से अन्य आरोपियो के सम्बंध मे पूछताछ की जा रही है ।

बरामद माल – दो कट्टियो मे 80 लीटर देशी हाथ भट्टी की बनी कच्ची शराव व तीन ड्रम करीव 200 - 200 लीटर कुल 600 लीटर लहान भरे हुये मिले ।

नोटः– 600 लीटर लहान जिसे मौके पर ही नष्ट कर दिया गया । तीन प्लास्टिक के खाली ड्रम व 80 लीटर हाथ भट्टी की बनी कच्ची शराव जिसकी कुल कीमत 84,000 रुपये का शराब का सामान जप्त किया गया ।

इनकी रही भूमिका - उक्त कार्यवाही मे निरी. सुरेश शर्मा, सउनि सुकल सिह मरावी मय आर. 1064 बलराम आर. 363 जयवीर, आर.857 धर्मेन्द्र आर. 621 बनवारी भिलाला, आर. 644 देवेन्द्र गुर्जर की महत्वपूर्ण भूमिका रही ।

भ्रष्टाचार की बली चड़ी मूंगझर पंचायत 16 लाख कि हो सकती है रिकवरी

संवाददाता हेमचंद नागेश

शिकायत के बाद मूंगझर पंचायत कि खुली पोल सरपंच ने बड़ा घोटाला को दिया अंजाम हो सकती है लाखो रूपये की रिकवरी.चेक डेम निर्माण के द्वारा किया लाखों रुपयों का घपला। कौशल के खेत के पास चेक डेम निमार्ण का तकनीकी स्वीकृति क्रमांक 114248 एवं विभीषण कश्यप के खेत के पास चेक डेम निर्माण का तकनीकी स्वीकृति क्रमांक 114250 है दोनों कार्यो का तकनीकी स्वीकृति क्रमांक अलग अलग है। ग्राम पंचायत प्रस्ताव मे श्री राहुल कश्यप श्री मोनूराम पाड़े व सहदेव नेताम ,पंचो का नाम दर्ज है किंतु उपस्थित पंजी के निरिक्षण मे उक्त तीनों पंचो का हस्ताक्षर नही होना पाया गया।तात्कालीन सचिव के द्वारा हड़ताल पर रहने से उसके द्वारा किसी प्रकार का ग्राम पंचायत बैठक

नहीं लिया गया है।कौशल के खेत के पास चेक डेम निर्माण एवं विभीषण कश्यप के खेत के पास चेक डेम निर्माण कार्य स्वीकृति स्थल पर ना कर अन्य स्थल पर चेक डेम निर्माण किया गया है, निर्माण एजेंसी के द्वारा स्थल परिवर्तन के सबंध उच्च कार्यालय से किसी भी प्रकार की अनुमति नही लिया गया जो कि घोर लापरवाही व अनियमितता के श्रेणी में आता है। इस तरह की लापरवाही और जनता को गुमराह करने वाले सरपंचो पर कड़ी से कड़ी कार्रवाही होनी चाहिए ताकि शासन के के द्वारा प्राप्त राशि का दुरुपयोग ना कर सके। जनपद पंचायत देवभोग के उदासीनता के कारणों से ही इस प्रकार के भ्रष्टाचार को अंजाम दिया जा रहा है।

सुप्रीम कोर्ट की निगरानी, सदस्यों की गोपनीयता, केंद्र की शर्त?

सनत कुमार जैन

केंद्र सरकार हिंडन बर्ग अडानी प्रकरण में सुप्रीम कोर्ट की निगरानी में जांच समिति बनाने पर सहमत हो गई है। सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई के दौरान सालिस्टर जनरल तुषार मेहता ने कहा, सरकार को निवेशकों की सुरक्षा निश्चित करने के लिए समिति बनाने में कोई आपत्ति नहीं है। उन्होंने सरकार की ओर से यह भी कह दिया, कि वह समिति के विशेषज्ञों के नाम का सुझाव सील बंद लिफाफे में कोर्ट को प्रस्तुत कर देंगे। सील बंद लिफाफे की गोपनीयता का अनुरोध भी सरकार की ओर से, उन्होंने सुप्रीम कोर्ट में किया। सरकार की आशंका से सुप्रीम कोर्ट को अवगत कराया की कमेटी के सदस्यों के नाम जाहिर हो जाने से निवेशकों को नुकसान हो सकता है। अडानी समूह के शेयरों को कृत्रिम तरीके से गिराने में उनका उपयोग हो सकता है। सुप्रीम कोर्ट ने 17 फरवरी को मामले की सुनवाई करने और सरकार द्वारा 17 फरवरी को सीलबंद लिफाफे में नाम प्रस्तुत करने की सहमति सुप्रीम कोर्ट में है इससे स्पष्ट है कि अब आगे चलकर यह मामला सुप्रीम कोर्ट की निगरानी में निवेशकों के हितों को सुरक्षित किए जाने की दिशा में नियम कानून बना सकेगा। अडानी समूह की काली छाया शेयर बाजार पर पिछ्ले 2 सप्ताह से केंद्र सरकार अडानी समूह का बचाव करते हुए नजर आ रही है। लोकसभा-राज्यसभा में सरकार विपक्ष की जेपीसी की मांग को स्वीकार नहीं कर रही है। ना ही इस मामले में चर्चा कराने के लिए तैयार हुई। इस बीच अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कई देशों में अडानी समूह के लेनदेनपर रोक लगाने, रैंकिंग एजेंसियों द्वारा रैंकिंग घटाने, अंतरराष्ट्रीय निवेशकों और अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं द्वारा आंतरिक जांच शुरू करने, विदेशी निवेशकों द्वारा पैसा निकाला जा रहा है। देश के प्रमोटर भी अडानी समूह की कंपनियों के शेयर के गिरते दामों के बाद चुप्पी साध लेने से शेयर बाजार में अडानी समूह की काली छाया स्पष्ट रूप से देखी जा रही है। अडानी समूह के 46 लाख निवेशक अपने शेयर बेचने में लग गए हैं। शेयर बाजार में 1 करोड़ 20 लाख एक्टिव शेयर निवेशक हैं। वह भी घबराहट में अडानी समूह की कंपनियों के शेयर बेंच रहे हैं। म्यूचल फंड, एलआईसी, स्टेट बैंक ऑफ इंडिया का पैसा अडानी समूह की कंपनियों में लगा हुआ है। भारतीय स्टेट बैंक आरे राष्ट्रीयकृत बैंकों ने अडानी समूह की कंपनियों के शेयरों में बाजार मूल्य पर कर्ज दिया है। शेयर बैंकों के पास बंधक हैं। 50 फीसदी से ज्यादा शेयर के मूल्य गिर जाने से भारतीय बैंक, जीवन बीमा निगम, म्युचल फंड जैसी वित्तीय संस्थाओं की हालत भी अडानी समूह की कंपनियों जैसी हो सकती है। समय-समय पर जो निवेशक अडानी की कंपनियों में निवेश करते थे। अब वह भी हाथ बांधकर बैठ गए हैं। ऐसी स्थिति में जब विदेशी निवेशक भारतीय शेयर बाजार में निवेश नहीं कर रहे हैं। भारतीय शेयर बाजार को लेकर विश्व स्तर पर आशंका का वातावरण बन गया है। भारत सरकार और सुप्रीम कोर्ट ने शेयर बाजार में निवेश को लेकर विश्वास जागृत नहीं किया तो, हर्षद मेहता कांड

क्यों डरें महर्षि वेलेंटाइन से ?

डॉ वेद प्रताप वैदिक

(भारत सरकार के पशु-कल्याण बोर्ड ने पहले घोषणा की कि 'वेलेंटाइन डे' को 'गाय को गले लगाओ दिवस' के तौर पर मनाया जाए। जब उसकी इस घोषणा की जबर्दस्त मजाक उड़ी तो उसने इसे वापस ले लिया। 'वेलेंटाइन डे' पर लिखा गया, देश के प्रसिद्ध विचारक डॉ. वैदिक का यह ऐतिहासिक लेख पाठकों की सेवा में प्रस्तुत है।) सेंट वेलेन्टाइन डे का विरोध अगर इसलिए किया जाता है कि वह प्रेम-दिवस है तो इससे बढ़कर अभारतीयता क्या हो सकती है? प्रेम का, यौन का, काम का जो मुक़ाम भारत में है, हिन्दू धर्म में है, हमारी परम्परा में है, वह दुनिया में कहीं नहीं है। धर्म शास्त्रों में जो पुरुषार्थ-चतुष्टय बताया गया है--धर्म, अर्थ, काम, मोक्ष-- उसमें काम का महत्व स्वयंसिद्ध है। काम ही सृष्टि का मूल है। अगर काम न हो तो सृष्टि कैसे होगी? काम के बिना धर्म का पालन नहीं हो सकता। इसीलिए काम पर रचे गए ग्रन्थ को कामशास्त्र कहा गया? शास्त्र किसे कहा जाता है? क्या किसी अश्लील ग्रंथ को कोई शास्त्र कहेगा? शास्त्रकार भी कौन है? महर्षि है! महर्षि वात्स्यायन! वैसे ही जैसे कि महर्षि वेलेन्टाइन जो पैदा हुए, तीसरी सदी में 7 वे भारत में नहीं, इटली में पैदा हुए।

वात्स्यायन को किसी सम्राट से टक्कर लेनी पड़ी या नहीं, कुछ पता नहीं लेकिन कहा जाता है कि तीसरी सदी के रोमन सम्राट क्लॉडियस द्वितीय और वेलेन्टाइन के बीच तलवारें खिंच गई थीं। क्लॉडियस ने विवाह वर्जित कर दिए थे। उसे नौजवान फ़ौजियों की जरूरत थी। कुँवारे रणबाँकुरों की जरूरत थी। सम्राट के चंगुल से निकल भागनेवाले युवक और युवतियाँ, जिस ईसाई सन्त की शरण में जाते थे, उसका नाम ही वेलेन्टाइन है। वेलेन्टाइन उनका विवाह करवा देता था, उन्हें प्रेम करने की सीख देता था और जो सम्राट की कारागार में पड़े होते थे, उन्हें छुड़वाने की गुपचुप कोशिश करता था। कहते हैं कि इस प्रेम के पुजारी सन्त को सम्राट क्लॉडियस ने आखिरकार मौत के घाट उतार दिया। किंवदन्ती यह भी है कि मौत के घाट उतरने के पहले वेलेन्टाइन डे प्रेम की नदी में स्नान किया। वे क्लॉडियस की जेल में रहे और जेल से ही उन्होंने जेलर की बेटी को अपना प्रेम-सन्देसा पढ़ाया- कार्ड के जरिए, जिसके अन्त में लिखा हुआ था तुम्हारे वेलेन्टाइन की ओर से। यह वह पंक्ति है, जो यूरोप के प्रेमी-प्रेमिका अब 1700 साल बाद भी एक-दूसरे को लिखना पसंद करते हैं !ऐसे सन्त वेलेन्टाइन से भारतीयता का भला क्या विरोध हो सकता है? वेलेन्टाइन नाम का कोई सन्त सचमुच हुआ या नहीं, इस पर यूरोपीय इतिहासकारों में मतभेद है। अगर यह मान भी लें कि वेलेन्टाइन सिर्फ कपोल-कल्पना है तो भी इसमें त्याज्य क्या है? वेलेन्टाइन का दिन आखिर कब मनाया जाता है? फरवरी में, 14 तारीख को! फरवरी तक, मध्य फरवरी तक प्रकृति में, पुरूष में, नारी में, पशु-पक्षी में चराचर जगत में क्या कोई परिवर्तन नहीं होता? आया वसन्त, जाड़ा उड़न्त! वसन्त के परिवर्तनों का जैसा कालिदास ने ऋतुसंहार में, श्रीहर्ष ने रत्नावली में, भास ने स्वप्नवासवदत्तम् में और विशाखदत्त ने मुद्राराक्षस में अंकन किया है, क्या किसी पश्चिमी नाटककार या कवि ने किया है? सौन्दर्य का, प्रेम का, श्रृंगार का, रति का, मौसम की मजबूरियों का इतना सूक्ष्म चित्रण इतना गहन और स्पष्ट है कि उसे यहाँ लिखने की बजाय वहाँ पढ़ने की सलाह दी जा रही है। प्रेम के इस व्यापार में हजार वेलेंटाइन को पछाड़ने के लिए एक कालिदास ही काफी है। अगर प्रेम की पूजा के लिए वेलेन्टाइन की भर्त्सना करेंगे तो कालिदास का क्या करेंगे? श्रीहर्ष का क्या करेंगे? बाणभट्ट

का क्या करेंगे? संस्कृत के इन महान कवियों के लिए तो बाक़ायदा कोई बूचड़खाना ही खोलना पड़ेगा। खजुराहो और कोणार्क के मंदिरों को ढहाने के लिए तो गज़नियों और गोरियों को बुलाना पड़ेगा।वेलेन्टाइन डे के पीछे लट्ठ लेकर पड़े हमारे नौजवानों को शायद पता नहीं कि भारत में मदनोत्सव, वसन्तोत्सव और कौमुदी महोत्सव की शानदार परम्परा रही हैं। इन उत्सवों के आगे वेलेन्टाइन डे पानी भरता नज़र आता है। यदि मदनोत्सवों के सम्भाषणों की तुलना वेलेन्टाइन डे कार्डों से की जाए तो लगेगा कि किसी सर्चलाइट के आगे लालटेन रख दी गई है, शेर के आगे बकरी खड़ी कर दी गई है और मन भर को कन भर से तौला जा रहा है कौमुदी महोत्सवों में युवक और युवतियाँ बेजान कार्डों का लेन-देन नहीं करते, प्रमत्त होकर वन-विहार करते हैं, गाते-बजाते हैं, रंगरलियाँ करते हैं, गुलाल-अबीर उड़ाते हैं, एक-दूसरे को रंगों से सरोबार करते हैं और उनके साथ चराचर जगत भी मदमस्त होकर झूमता है। मस्ती का वह संगीत पेड़-पौधों, लता-गुल्मों, पशु-पक्षियों, नदी-झरनों--प्रकृति के चप्पे-चप्पे में फूट पड़ता है। सम्पूर्ण सृष्टि प्रेम के स्पर्श के लिए आतुर दिखाई पड़ती है। सुन्दरियों के पदाघात से अशोक के वृक्ष खिल उठते हैं। सृष्टि अपना मुक्ति-पर्व मनाती है। इस मुक्ति से मनुष्य क्यों वंचित रहे? मुक्ति-पर्व की पराकाष्ठा होली में होती है सारे बन्धन टूटते हैं। मान-मर्यादा ताक पर चली जाती है। चेतन में अचेतन और अचेतन में चेतन का मुक्त-प्रवाह होता है। राधा कृष्ण और कृष्ण राधामय हो जाते हैं। सम्पूर्ण अस्तित्व दोलायमान हो जाता है, रस में भीग जाता है, प्रेम में डूब जाता है। पद्माकर ने क्या खूब कहा है -बीथिन में, ब्रज में, नवेलिन में, बेलिन में। बनन में, बागन में बगरौ बसंत है। ब्रज की गोरी, कन्हैया की जैसी दुर्गति करती है, क्या वेलेन्टाइन के प्रेमी उतनी दूर तक जा सकते हैं? अगर वे जाना चाहें तो जरूर जाएँ लेकिन जाएँगे कैसे? काठ के पाँवों पर आखिर वे कितनी देर नाच पाएँगे? वेलेन्टाइन के भारतीय प्रेमी वह ऊर्जा कहाँ से लाएँगे, जो अपनी ज़मीन से जुड़ने पर पैदा होती है?काम का भारतीय अट्टहास यूरोप को मूर्छित कर देने के लिए काफी है। अगर वेलेन्टाइन के यूरोपीय समाज में आज कोई होली उतार दे तो वहाँ एक बड़ा सामाजिक भूकम्प हो जाएगा। ऐसे अधमरे-से वेलेन्टाइन को भारत का जो भद्रलोक अपनी छाती से चिपकाए रखना चाहता है, जिसकी जड़ें उखड़ चुकी हैं। उसके रस के स्रोत सूख चुके हैं। उसे अपनी परम्परा का पता नहीं। वह नकल पर जिन्दा है। उसकी अपनी कोई भाषा नहीं, साहित्य नहीं, संस्कृति नहीं। वह अंधेरे में राह टटोल रहा हैं। अपने भोजन, भजन, भेषज, भूषा और भाषा- हर क्षेत्र में पश्चिम की नकल को ही अकल मानता है। इसीलिए शुभ्रा, धवला प्रेम दिवानी मीरा उसकी नज़र से ओझल हो जाती है और किंवदन्तियों के कुहरे में लिपटे हुए वेलेन्टाइन उसके कण्ठहार बन जाते हैं। मीरा और राधा के देश का आदमी अगर वेलेन्टाइन की खोज में इटली जाता है तो उसे क्या कहा जाएगा? वाटिका में बैठा आदमी कागज के फूल सूंघ रहा हो तो उसे क्या कहा जाएगा?

उत्तम शरण है धर्म

धर्म के बारे में भिन्न-भिन्न अवधारणाएं हैं। कुछ जीवन के लिए धर्म की अनिवार्यता को स्वीकार करते हैं। कुछ लोगों का अभिमत है कि धर्म ढकोसला है। वह आदमी को पंगु बनाता है और रूढ़ धारणाओं के घेरे में बंदी बना लेता है। शायद इन्हीं अवधारणाओं के आधार पर किसी ने धर्म को अमृत बताया और किसी ने अफीम की गोली। ये दो विरोधी तत्व हैं। इन दोनों ही तथ्यों में सत्यांश हो सकता है, यह अनेकांतवादी चिंतन का फलित है। धर्म की अनिवार्यता स्वीकार करने वालों के लिए धर्म है अंधकार से प्रकाश की यात्रा। आलोक आदमी के भीतर है। उसे पाने के लिए इधर-उधर भटकने की जरूरत नहीं है। आलोक तक वही पहुंच सकता है, जो अंतमरुखी होता है। अंतमरुखता धर्म है और बहिर्मुखता अधर्म है। अंतमरुखता प्रकाश है और बहिर्मुखता अंधकार है। अंतर्मुखता धर्म है और बहिर्मुखता अधर्म है। अंतर्मुखता आचार है और बहिमरुखता अतिचार है। जो व्यक्ति जितना भीतर झांकता है, उतना ही धर्म के निकट होता है। धर्म को मानने वाले वे प्रबुद्ध लोग हैं जिन्होंने पूजा और उपासना को ही धर्म मान लिया। मंदिर, मस्जिद, गुरुद्वारा आदि धर्म-स्थानों में जाने वाले व्यक्तियों के हर आचरण को धर्म समझ लिया। धार्मिक क्रियाकांडों तक जिनकी पहुंच सीमित हो गई और धार्मिकों की दोहरी जीवनपद्धति को देखकर जो उलझ गए।

ड्रीम बजट से मतदाताओं को साधेंगे गहलोत

रमेश सर्राफ धमोरा

राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने चुनावी साल में अपना ड्रीम बजट विधानसभा में पेश कर दिया है। गहलोत सरकार के इस कार्यकाल का यह अंतिम बजट है। इसी वर्ष के अंत में राजस्थान विधानसभा के चुनाव होने हैं। ऐसे में बजट का लोक लुभावना होना स्वाभाविक ही है। अपने बजट में गहलोत ने बजट को लोक लुभावना बनाने में कोई भी कसर नहीं छोड़ी है। मतदाताओं को लुभाने के लिए गहलोत ने जहां बजट में राहतों का पिटारा खोला है वही आमजन के लिए कई नई योजनाओं की घोषणा भी की है। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत का पूरा प्रयास है कि राजस्थान में हर बार सरकार बदलने के मिथक को तोड़ा जाए। इसी को ध्यान में रखकर गहलोत ने प्रदेश के आम मतदाताओं को बजट के माध्यम से लुभाने में कोई कसर नहीं छोड़ी है। बजट आने से पहले ही मुख्यमंत्री गहलोत ने घोषणा की थी कि उनका इस बार के बजट का पूरा फोकस युवा व महिलाओं पर होगा। जो बजट में देखने को मिल रहा है। बजट में गहलोत ने समाज के किसी भी तबके को राहत देने से वंचित नहीं रखा है।मुख्यमंत्री के रूप में अशोक गहलोत तीसरी बार अपने 15 साल का कार्यकाल पूरा करने जा रहे हैं। वहीं वित्त मंत्री के रूप में उन्होंने दसवीं बार राजस्थान का बजट पेश किया है। इस बार मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने लगातार 3 घंटे 20 मिनट तक बजट भाषण देकर प्रदेश में सबसे लंबा भाषण देने का रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया है। इस बजट में उन्होंने राजस्थान सरकार के सभी

कर्मचारियों को पुरानी पेंशन योजना में शामिल करने की घोषणा कर कर्मचारियों को एक बड़ा तोहफा दिया है। पिछली बार के बजट में पुरानी पेंशन योजना की घोषणा की गई थी। मगर उसमें राज्य सरकार के विभिन्न बोर्डों, निगमों, आयोग, विश्वविधालयों सहित अन्य संस्थानों में कार्यरत करीबन एक लाख सरकारी कर्मचारी वंचित रह गए थे। उन सभी को भी इस बार पुरानी पेंशन योजना में शामिल करने से राजस्थान सरकार के सभी कर्मचारी पुरानी पेंशन योजना के दायरे में आ गए हैं। कर्मचारियों की लंबे समय से यह मांग थी जिसे मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने पूरा कर कर्मचारियों को पूरी तरह है अपने साथ जोड़ लिया है। जिसका लाभ उन्हें आने वाले विधानसभा चुनाव में मिलते दिख रहा है। दो साल पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने राजस्थान में मुख्यमंत्री चिरंजीवी स्वास्थ्य बीमा योजना लांच की थी। जिसमें प्रदेश के सभी लोगों को कैशलेस उपचार की सुविधा देने का प्रावधान किया गया था। गहलोत ने उसी योजना को इस बार बढ़ाकर प्रदेश के हर परिवार को 25 लाख रुपए तक निशुल्क उपचार देने की घोषणा की है। इस योजना में शामिल परिवार को दस लाख रुपए तक का दुर्घटना बीमा का लाभ भी मिलेगा। यह पूरे देश में अपने आप में एक अनूठी योजना है। जिसमें प्रदेश के सभी बीपीएल, अन्नपूर्णा योजना, संविदा कर्मी, नरेगा मजदूर, लघु कृषक सहित काफी परिवार निशुल्क शामिल होते हैं। जबकि 850 रूपये का वार्षिक शुल्क देकर अन्य सभी वंचित परिवार भी इस योजना में शामिल हो सकते हैं। ऐसी योजना देश के अन्य किसी प्रांत में नहीं चल रही है। इस योजना में अब तक लाखों लोग निशुल्क उपचार करवा चुके है।

मुख्यमंत्री गहलोत ने राजस्थान की सीमा में सरकारी रोडवेज की बसों में महिलाओं को किराये में 50 प्रतिशत छूट देने की भी घोषणा की है। प्रदेश में 8 हजार आंगनबाड़ी और 2000 मिनी आंगनबाड़ी केंद्र खुलेंगे। कक्षा 1 से 8 तक के स्कूली बच्चों की तर्ज पर आंगनबाड़ी केंद्रों के बच्चों को भी दो सेट यूनिफार्म दिये जायेगें। पांच लाख नए परिवारों को महिला स्वयं सहायता समूहों से जोड़ा जाएगा। स्कूली बच्चों को अब मिड डे मील में हर दिन दूध मिलेगा।

चुनाव से पहले राज्यपालों के फेरबदल

कुमार कृष्णन

चुनावी साल में केंद्र सरकार ने बड़ा फेरबदल करते हुए महाराष्ट्र समेत 12 राज्यों और एक केंद्र शासित प्रदेश में राज्यपालों को बदल दिया है। नगालैंड में जल्द ही चुनाव होने हैं, जहां ला. गणेशन को राज्यपाल बनाया गया है, श्री गणेशन अब तक मणिपुर के राज्यपाल थे। जबकि छत्तीसगढ़ की राज्यपाल अनुसुया उइके को मणिपुर में राज्यपाल बनाकर भेजा गया है। सुश्री उइके और छत्तीसगढ़ की भूपेश सरकार के बीच नए आरक्षण विधेयक को लेकर विवाद चल रहा था।

छत्तीसगढ़ में आरक्षण के मुद्दे को लेकर बघेल सरकार और राज्यपाल अनुसुइया उइके के बीच कई बार बयानबाजी हो चुकी है। छत्तीसगढ़ के भूपेश सरकार ने विधानसभा का विशेष सत्र बुलाकर आरक्षण विधेयक बिल पास कर दिया है और इस बिल पर हस्ताक्षर करने के लिए राज्यपाल अनुसुइया उइके के पास भेजा था। लेकिन अब तक इस बिल पर राज्यपाल अनुसुइया उइके ने हस्ताक्षर नहीं किया है। जिसको लेकर कई बार मुख्य भूपेश बघेल राज्यपाल पर हमला बोल चुके हैं।

वहीं राज्यपाल अनुसुइया उइके ने आरक्षण मुद्दे पर एक बयान देते हुए कहा था कि मार्च तक रुकिए जिस पर सीएम भूपेश बघेल ने पलटवार करते हुए कहा था कि मार्च में कोई मुहूर्त है क्या. ऐसे में अभी छत्तीसगढ़ में आरक्षण का मुद्दा ठंडा नहीं हुआ है।

छत्तीसगढ़ विधानसभा में दिसंबर में आरक्षण संशोधन विधेयकों को पारित कर दिया गया, लेकिन राज्यपाल उइके ने उन पर हस्ताक्षर नहीं किए। पिछले साल दिसंबर से लेकर अब तक इस विवाद का कोई समाधान नहीं निकला है और अब राज्यपाल ही बदल दिए गए हैं। अब नए राज्यपाल विश्व भूषण हरिचंदन इस मामले पर क्या रुख अख्तियार करते हैं,ये देखना होगा। श्री हरिचंदन अब तक आंध्रप्रदेश के राज्यपाल थे।

महाराष्ट्र में भी राज्य सरकार और राज्यपाल के बीच का टकराव काफी वक्त तक चर्चा में रहा, खासकर उद्धव ठाकरे के कार्यकाल में। महाराष्ट्र के राज्यपाल रहे भगत सिंह कोश्यारी केवल 3 साल महाराष्ट्र के राज्यपाल रहे, लेकिन इन तीन सालों में कई विवादों में वे घिरे। 2019 में महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के परिणाम आने के बाद श्री कोश्यारी ने 23 नवंबर, 2019 को तड़के देवेंद्र फडणवीस और अजीत पवार को मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्री पद की शपथ जिस तरह से दिलाई थी, उससे बड़ा विवाद खड़ा हो गया था।

हालांकि ये सरकार टिक ही नहीं पाई। अजीत पवार ने शरद पवार की बात मान कर भाजपा का साथ छोड़ा, इसके बाद शिवसेना, एनसीपी और कांग्रेस के महाविकास अघाड़ी गठबंधन की सरकार बनी, जिसमें उद्धव ठाकरे मुख्यमंत्री बने। लेकिन श्री ठाकरे विधानसभा के किसी सदन के सदस्य नहीं थे, और उन्हें उच्च सदन का सदस्य नियुक्त करने में भगत सिंह कोश्यारी ने काफी वक्त लिया था। जिस पर कई सवाल उठे थे। इसके बाद श्री कोश्यारी और राज्य सरकार के बीच कई मामलों को लेकर टकराव चलता रहा। शिवसेना ने उन्हें बार-बार भाजपा का एजेंट बताया। लेकिन सबसे बड़ा विवाद तब खड़ा हुआ, जब शिवाजी महाराज को पुराने समय का प्रतीक श्री कोश्यारी ने बताया। इसके बाद महाराष्ट्र के कई राजनैतिक दलों ने उन्हें निशाने पर लिया। श्री कोश्यारी को बार-बार अपनी सफाई देनी पड़ी। भाजपा भी रक्षात्मक मुद्रा में आ गई। और बात बढ़ते-बढ़ते श्री कोश्यारी के इस्तीफे की मांग तक जा पहुंची। कुछ वक्त पूर्व श्री कोश्यारी ने खुद ही इस्तीफे की इच्छा जतलाई थी और अब आखिरकार वे पद से मुक्त हो ही गए। अब उनकी जगह झारखंड के राज्यपाल रहे रमेश बैस ने महाराष्ट्र के राज्यपाल का पद संभाला है। श्री बैस किस तरह शिंदे सरकार के साथ-साथ महाविकास अघाड़ी के घटक दलों को संभालते हैं और विवादों पर विराम लगाते हैं, ये देखना दिलचस्प होगा।

झारखंड में दसवें राज्यपाल के तौर पर बैस का करीब एक साल आठ महीने का कार्यकाल राजनीतिक विवादों के लिए चर्चित रहा।तकरीबन एक दर्जन से भी ज्यादा मौकों पर राज्यपाल रमेश बैस और राज्य की मौजूदा हेमंत सोरेन सरकार के बीच विवाद, टकराव और परस्पर असहमति के हालात बने।

एक तरफ जहां राज्यपाल ने झारखंड में ट्राइबल एडवाइजरी कमेटी के गठन के मुद्दे पर राज्य सरकार द्वारा उनके अधिकारों के अतिक्रमण की शिकायत केंद्र तक पहुंचाई, तो दूसरी तरफ मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन और राज्य के सत्तारूढ़ गठबंधन ने उनपर लोकतांत्रिक तरीके से चुनी हुई सरकार को अस्थिर करने और राज्य में राजनीतिक अनिश्चितता का माहौल पैदा करने के आरोप लगाए।

राज्यपाल रमेश बैस के किसी वक्तव्य, बयान या फैसले से ज्यादा एक महत्वपूर्ण मसले पर उनकी चुप्पी और अनिर्णय ने राज्य की हेमंत सोरेन सरकार के लिए सबसे ज्यादा मुश्किलें खड़ी कीं।

यह मसला मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के नाम पर पत्थर खदान की लीज आवंटन पर खड़ा हुए विवाद से जुड़ा है। सीएम रहते हुए खदान की लीज लेने पर इसे ऑफिस ऑफ प्रॉफिट का मामला बताते हुए हेमंत सोरेन की विधानसभा सदस्यता रद्द करने की मांग को लेकर बीते साल फरवरी में भाजपा राज्यपाल रमेश बैस के पास पहुंची थी। राज्यपाल ने भाजपा की इस शिकायत पर केंद्रीय चुनाव आयोग से मंतव्य मांगा। इस पर आयोग ने शिकायतकर्ता भाजपा और हेमंत सोरेन को नोटिस जारी कर इस मामले में उनसे जवाब मांगा। दोनों के पक्ष सुनने के बाद चुनाव आयोग ने बीते साल 25 अगस्त को राजभवन को सीलबंद लिफाफे में अपना मंतव्य भेज दिया था।

अनऑफिशियली ऐसी खबरें तैरती रहीं कि चुनाव आयोग ने हेमंत सोरेन को दोषी मानते हुए उनकी विधानसभा सदस्यता रद्द करने की सिफारिश की है और इस वजह से उनकी मुख्यमंत्री की कुर्सी जानी तय है।

राज्यपाल रमेश बैस ने चुनाव आयोग से आए सीलबंद लिफाफे पर चुप्पी साधे रखी और इससे राज्य में सियासी सस्पेंस और भ्रम की ऐसी स्थिति बनी कि सत्तारूढ़ गठबंधन को मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के प्रति एकजुटता जताने के लिए डिनर डिप्लोमेसी और रिजॉर्ट प्रवास तक के उपक्रमों से गुजरना पड़ा।चुनाव आयोग की चिट्ठी के अनुसार राज्यपाल की ओर से किसी संभावित प्रतिकूल फैसले की आशंका के चलते हेमंत सोरेन सरकार को विधानसभा का विशेष सत्र बुलाकर विश्वास मत का प्रस्ताव तक पारित करने की मशक्कत करनी पड़ी। इतने सब के बावजूद राज्यपाल रमेश बैस ने चिट्ठी का रहस्य नहीं खोला।बीते एक साल आठ महीने में एक दर्जन से भी ज्यादा मौके आए, जब राज्यपाल रमेश बैस ने सरकार के निर्णयों से लेकर सरकार की ओर से विधानसभा में पारित किए गए विधेयकों पर सवाल उठाये हैं। बीते साल फरवरी महीने में उन्होंने राज्य में ट्राइबल एडवाइजरी काउंसिल (टीएसी) के गठन को लेकर राज्य सरकार द्वारा बनायी गयी नियमावली पर कई सवाल उठाये थे। उन्होंने इस नियमावली को संवैधानिक प्रावधानों के विपरीत और राज्यपाल के अधिकारों का अतिक्रमण बताते हुए केंद्र के पास शिकायत की थी। उन्होंने टीएसी की नियमावली और इसके गठन से संबिधत फाइल राज्य सरकार को वापस करते हुए इसमें बदलाव करने को कहा था। इस मसले पर राजभवन और सरकार का गतिरोध आज तक दूर नहीं हुआ। इसके अलावा राज्यपाल रमेश बैस ने झारखंड विधानसभा में सरकार द्वारा पारित विधेयकों को विभिन्न वजहों से सरकार को लौटाने के मामले में भी रिकॉर्ड बनाया। उन्होंने विधानसभा में पारित एंटी मॉब लिंचिंग बिल, कृषि मंडी बिल सहित नौ बिल अलग-अलग वजहों से लौटाए।

रमेश बैस ने पिछले साल मई में रांची में हुई सांप्रदायिक हिंसा, जेपीएससी के रिजल्ट से जुड़े विवादों और कानून-व्यवस्था में गिरावट जैसे प्रकरणों पर भी हस्तक्षेप किया था। अलग-अलग विभागों की समीक्षा बैठकों और सार्वजनिक कार्यक्रमों में भी उन्होंने राज्य सरकार के विजन से लेकर उसके निर्णयों पर सवाल उठाए थे।नए राज्यपालों में एक और नाम पर चर्चा हो रही है, वो हैं जस्टिस एस अब्दुल नजीर। सुप्रीम कोर्ट के पूर्व जज जस्टिस एस अब्दुल नजीर को आंध्र प्रदेश का राज्यपाल बनाया गया है। दिलचस्प बात ये है कि जस्टिस नजीर पिछले महीने की 4 तारीख को सेवानिवृत्त हुए हैं और इसके एक महीने बाद ही उन्हें राज्यपाल नियुक्त किया गया है। रामजन्मभूमि, नोटबंदी, तीन तलाक जैसे चर्चित मामलों की सुनवाई में जस्टिस नजीर शामिल रहे हैं। राम जन्मभूमि और बाबरी मस्जिद के मुकदमे के दौरान वे सुनवाई करने वाली 5 जजों की बेंच में शामिल थे। वह पीठ के एकमात्र मुस्लिम न्यायाधीश थे। उनके अलावा तत्कालीन सीजेआई जस्टिस रंजन गोगोई, जस्टिस शरद अरविंद बोबड़े, जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़, जो अभी सीजेआई हैं, और जस्टिस अशोक भूषण बेंच में शामिल थे। बेंच ने नवंबर 2019 में विवादित भूमि पर हिंदू पक्ष के दावे को मान्यता दी थी। जस्टिस नजीर ने भी राम जन्मभूमि के पक्ष में फैसला सुनाया था। इसके अलावा सेवानिवृत्ति से ठीक पहले जस्टिस नजीर ने मोदी सरकार के नोटबंदी के फैसले को सही ठहराया था। नोटबंदी पर सुनवाई भी पांच जजों की संविधान पीठ ने की थी।

आत्म शासक

सभी विद्याओं का जो स्वामी,
बचपन से बनता सुपथगामी,
ज्ञानपूर्वक रखता अपनी बात,
उत्तम गुण का कराता आत्मसात,
चरित्र सदा उसका प्रभावशाली,
बढ़ाकर पराक्रम बना बलशाली,
नकारात्मक सोच का होता नाशक,
संयमी ही होता है आत्म शासक।

करके प्रयत्न मन चाहा फल पाता,
दीन दुखियों को हर सुख दिलाता,
महात्माओं के करके ग्रहण गुण,
संसार को देता आनंद चुन- चुन,
मानो जल से खेत सींचे किसान,
करता परोपकार से सबको हैरान,
होता है उच्च कोटि का पाठक,
संयमी ही होता है आत्म शासक।

जिसका बहकने से मन रुक जाए,
जो बुराई भगा अच्छाई लाए,
हर कोई उसका संग है चाहता,
हर उम्र का साथ है पाता,
सबकी जुबां पर उसका ही नाम,
सुकर्म करने को बढ़ते हैं पांव,
नहीं किसी बात में बुनावट,
संयमी ही होता है आत्म शासक।

हर जीव का है वह रखवाला,
हताश निराश का है प्रतिपाला,
ज्योति जले मन में अखंड,
रखे ज्ञान पूरे ब्रह्मांड,
हर बगिया का खिलता फूल,
नहीं परवाह चाहे पास है शूल,
दुश्मनों का बन जाता विनाशक,
संयमी ही होता है आत्म शासक।

डॉ विनोद कुमार शर्मा, चंडीगढ़

रेलवे फाटक पर नियमों का उल्लंघन कर रहे वाहन चालक

सामने आ रही ट्रेन को देखकर भी बंद फाटक पर नहीं रुकते वाहन चालक

मुंगावली – संवाददाता जितेंद्र राय की रिपोर्ट। शहर के नेशनल हाईवे एवं रेलवे स्टेशन जे पास स्थित रेलवे समपार फाटक पर बाइक चालक एक तरफ जहां रेलवे सुरक्षा नियमों का उल्लंघन कर रहे हैं, वहीं अपनी जान भी खतरे में डालकर फाटक बंद होने के बाद भी बैरियर के नीचे और बगल से गुजरते हैं। एक दूसरे से आगे निकलने की होड़ में कई बार दुर्घटना कर बैठते हैं। क्योकि यह फाटक 24 घंटे में कई बार बंद होता है। जिससे वाहनों की लम्बी कतार लग जाती है।

जल्दी में निकलते हैं बैरियर के नीचे और बगल से– जब भी ट्रेन आने के समय फाटक बंद होता है उस दौरान दुपहिया वाहन चालक बैरियर के नीचे से निकलते रहते हैं। या बैरियर के अलावा फाटक की रेलिंग के बगल से कच्चे रास्ते से भी निकलते रहते हैं। कई वाहन चालक तो सामने से आ रही ट्रेन को देखकर भी रुकते नहीं है। इन दोनों रोड पर दिनभर वाहनों का आवागमन जारी रहता है। उसी में फाटक दिनभर में ट्रेन आने के समय कई मर्तबा बंद किया जाता है। उधर फाटक पर ड्यूटी देने वाले रेलवे कर्मचारी का कहना था कि फाटक बंद के दौरान निकलने वाले वाहन चालकों को ठहरने के लिए कहा जाता है , लेकिन लोग सुनते ही नहीं है।

छह माह की सजा व जुर्माने का प्रावधान–रेलवे फाटक बंद रहने के दौरान इससे निकलना कानूनी अपराध है। उल्लंघन करने पर छह माह की सजा और एक हजार रुपए तक जुर्माना होता है। यह बात अलग है कि यहां बंद फाटक के दौरान कई वाहन चालक समपार फाटक के बैरियर के नीचे व बगल से निकलते रहते हैं, लेकिन अभी तक रेलवे पुलिस द्वारा एक भी व्यक्ति को पकड़ा नहीं है और न कोई केस बनाया गया है। जिससे निकलने बाले दोपहिया वाहन चालक नियमो की धज्जियां उड़ाते हुए वैखोफ बंद फाटक को पार करते रहते है।

सूर्या रोशनी लिमिटेड क्रिकेट खेलकूद प्रतियोगिता

पुष्पांजली टूडे मालनपुर संवाददाता
पहलवान सिंह राजावत

मालनपुर औद्योगिक क्षेत्र स्थित प्रतिवर्ष सूर्या रोशनी स्टील पाइप डिविजन में प्रतिवर्ष खेलकूद प्रतियोगिता का आयोजन किया जाता है जिसमें अनेकों प्रकार के खेल खिलाए जाते हैं जैसे कि खो-खो वॉलीबॉल 100, मीटर 200, मीटर दौड़ 400, मीटर दौड़, गोला फेंक, टाईलैग रैस, बैडमिंटन, कैरम, रस्साकशी, एवं क्रिकेट खेला जाता है जिसमें आज क्रिकेट का जबरदस्त मैच टैक्निकल एवं कमृशियल से टीम के बीच खेला गया जिसमें कमर्शियल टीम ने पहले बैटिंग करते हुए 115 रनों का विशाल लक्ष्य दया जिसके जवाब में टैक्निकल टीम ने निर्धारित ओवरों से पहले हासिल कर लिया शानदार विजय प्राप्त की जिसमें टीम के कप्तान अमरदीप तोमर ने शानदार बल्लेबाजी करते हुए मैच जीताया मात्र 12 गेदों में 32 रन बनाकर नॉटआउट विजय पारी खेली कार्यक्रम में उपस्थित रहे पाइप डिवीजन के यूनिट हेड मान सिंह शेखावत प्रोडक्शन हेड ललित कुमार एवं वरिष्ठ पत्रकार मालनपुर भूषण सिंह कुशवाह अभी कंपनी के 1 दर्जन से अधिक अधिकारी ने मैंच का आनंद लिया।

झरगांव तेतलपारा में महा शिवरात्रि के पावन पर्व में निकली गई भव्य कलश यात्रा

संवाददाता हेमचंद नागेश

गरियाबंद जिला मैनपुर विकासखंड अंतर्गत ग्राम पंचायत झरगांव के आश्रित पारा तेतलपारा में तीन दिवसीय महा शिवरात्रि महायज्ञ का शुभारंभ शुक्रवार को कलश यात्रा का किया गया। कलश शोभायात्रा गांव में स्थित शिव मंदिर के पास से निकलकर 1 किलोमीटर चलकर विश्वशांति शक्तिपीठ स्थान खजुर तालाब तक पहुंची जहां से खजुर तालाब से वैदिक मंत्रोच्चार कर कलश में जल भरा गया। संकीर्तन मंडली के साथ निकाली गई शोभायात्रा में 108 कन्याओं ने हिस्सा लिया वैदिक मंत्रोच्चारण के साथ कलश में अभिमंत्रित जल भरने की रस्म पूरी की गई। शोभायात्रा में सैकड़ों की संख्या में श्रद्धालुओं शामिल होकर शोभा यात्रा को भव्यता प्रदान की हर हर महादेव की गुंज से क्षेत्र का माहौल आध्यात्मिक बना रहा। इस कार्यक्रम के मुख्य कार्यकर्ता श्री सत्यवान सिंग श्रीमति कल्पलता सिंग रही आचार्य श्री गदाधर शर्मा जी मंत्रोच्चारण किया

गया इस कार्यक्रम के कार्यकर्ता एवं सदस्य संचालक श्री हेम सिंह ध्रुवा, श्री राम राजेंद्र सिंह अध्यक्ष श्री लक्ष्मीकांत नायक, उपाध्यक्ष श्री महेंद्र नागेश, सचिव श्री अनूप पटेल, सह सचिव श्री महावीर पटेल, दल स्वागत श्रीमती संजुक्ता ध्रुव, जमुना ध्रुव, लक्ष्मी पटेल, तिलैबाई पटेल, उषा नायक, डीकांति ध्रुवा, हेम कांति यादव, प्रमिला नागेश, कुंती चक्रधारी, नीरोबाई नागेश, शखिरमती नायक, सविता ध्रुव, नेपुरो चक्रधारी, एवं महिला प्रमुख कार्यकारिणी सदस्य श्री हरलाल नायक, चंचल सिंह, नरसिंह नागेश, वेद नारायण सिंह वेद नारायण सिंह, अनंतराम नागेश, महेंद्र प्रताप, बलवीर ध्रुवा, लक्ष्मण नायक, भंडार रक्षक श्री मैनु राम पटेल, डींगर चक्रधारी, करण पटेल, दुखु राम मांझी, भूषण ध्रुवा, रविचंद्र नागेश, भजन यादव, कुलेश्वर चक्रधारी एवं समस्त मां ठाकुरानी नवयुवक समिति के सभी नवयुवक साथी की उपस्थिति से इस कार्यक्रम को सफल बनाया गया।

अम्बाह पुलिस ने दो साल से फरार 10,000/- रूपये का ईनामी आरोपी मय कट्टे के गिरफ्तार...

केशब पंडित जी पत्रकार अम्बाह

अम्बाह। पुलिस अधीक्षक आशुतोष बागरी व अति. पुलिस अधीक्षक रायसिंह नरवरिया के निर्देशन में एवं एसडीओपी अम्बाह परिमाल सिंह मैहरा के मार्गदर्शन में फरार ईनामी की गिरफ्तारी अभियान के तहत् आज दिनांक 16.02.2023 को अम्बाह पुलिस के द्वारा दौराने कस्बा भ्रमण के मुखबिर द्वारा सूचना मिली की थाना दिमनी के अप.क्र.158/21 धारा 307,341,386,294, 506, 195ए,327,34 ताहि में 02 साल से फरार चल रहा आरोपी लोडेड कट्टा लिया वारदात की नियत से खड़ा हैं थाना अम्बाह पुलिस द्वारा मुखबिर की सूचना की तस्दीक हेतु मुखविर के बताये हुलिया व स्थान पर पहुंचकर आरोपी को घेराबंदी कर पकड़ा। आरोपी के कब्जे से एक 315 बोर का अवैध कट्टा मय जिन्दा राउण्ड के विधिवत् जप्त कर आरोपी को गिरफ्तार किया। थाना अम्बाह पर अपराध क्रमांक 119/23 धारा 25/27 आयुद्ध अधि. के अंतर्गत अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया है । सराहनीय भूमिका थाना अम्बाह के नवागत थाना प्रभारी विनय यादव, उनि पंकज यादव, उनि जितेन्द्र शर्मा, आर. 1049 नरेन्द्र मौर्य, आर. सीताराम, 656 सुभाष यादव, आर. नारायण, आर. चालक मनीष की सरहानीय भूमिका रही।

कन्नड़ फिल्म अभिनेता दर्शन ने अपना 46 वा.जन्मदिन मनाया

पुष्पाजंली टुडे

बैंगलोर। कन्नड़ फ़िल्म अभिनेता चैलेंजिंग स्टार दर्शन ने अपना 46 वा.जन्मदिन राजराजेश्वरी नगर में स्थित अपने आवास पर मनाया ।दर्शन को जन्मदिन की बधाई के लिए उनके आवास के बाहर बड़ी संख्या प्रशंसक बाहर जमा हुए ।दर्शन ने अपना जन्मदिन बिना केक काटकर सादगी के साथ मनाया ।उनकी आगामी आने वाली कटिरा फिल्म का ट्रेलर रिलीज कर बाद जन्मदिन मनाया हाल में ।उनकी रिलिज हुई फिल्म क्रांति लोगो का अच्छा संदेश दिया ।इस अवसर पर अभिषेक अंबरीश, समाजसेवी महेंद्र सिंह राजपुरोहित के कालापा तरूण किशोर ,सुधिर ,विनोद ,प्रभाकर ,चिक्काणा, धर्मकिर्तराज ,चंदु ,संतोष ,प्रदीप, सुरेश, लोकेश, सी. के .महेश , पुटाबुड्डी ,नागेश, रामु, गोविंदा, राजू। अखिल कर्नाटक दर्शन हैकिंग लैंप फैन क्लब मैसूर जिला के प्रदेश नागराजु, शिवकुमार, रेणुका स्वामी ,श्रीनिवास, राजेश सहित बडी संख्या उनके प्रशंसक मौजूद थे।

छात्रा ने लिखा- करन से शादी करा दो, एक भक्त ने लिखा- आप ही उसे इशारा कर दो...

ग्वालियर। ग्वालियर के अचलेश्वर महादेव मंदिर की दानपेटी गुरुवार को खोली गई। इसमें रुपयों, गहनों के साथ अर्जी लिखी चिट्ठियां भी निकलीं। किसी ने प्यार मांगा तो किसी ने जॉब। एक छात्रा ने चिट्ठी में लिखा- प्लीज भगवान जी, मेरा त्रष्ठ में सिलेक्शन हो जाए और करन से मेरी शादी हो जाए। एक भक्त ने लिखा- मैं उससे कह नहीं सकता, आप ही उसे इशारा कर दो। एक भक्त ने अपने लिए जॉब मांगी। अचलेश्वर सार्वजनिक न्यास की देखरेख में संचालित अचलनाथ महादेव मंदिर की दानपेटियों में 15 लाख 50 हजार 270 रुपए नकद मिले। इससे पहले 12-13 नवंबर को सभी दान पेटियां खुली थीं। तब करीब साढ़े 6 लाख रुपए दान स्वरूप मिले थे। इस तरह महज 92 दिन में श्रद्धालुओं ने अचलनाथ पर साढ़े पंद्रह लाख रुपए से अधिक की राशि दान स्वरूप समर्पित की है। दान पेटी में बच्चों के खेलने वाले नोट भी आए। 12 दान पेटियों में 15 लाख 50 हजार 270 रुपए कैश के साथ आभूषण भी मिले। इतना ही नहीं, 500-500 के 4 चिल्ड्रन बैंक के नोट (बच्चों के खेलने वाले नोट) भी मिले हैं। चांदी के नाग-नागिन भी मिले। 12 दान पेटियों में 15 लाख 50 हजार 270 रुपए कैश के साथ आभूषण भी मिले। इतना ही नहीं, 500-500 के 4 चिल्ड्रन बैंक के नोट (बच्चों के खेलने वाले नोट) भी मिले हैं। चांदी के नाग-नागिन भी मिले। अचलेश्वर मंदिर की सभी 12 दान पेटियां तहसीलदार शुभ्रता त्रिपाठी और अन्य लोगोंड़ की मौजूदगी में दूसरे दिन बुधवार को खोली गईं। पहले दिन दानपेटी से 11 लाख 60 हजार 600 रुपए मिले थे। इसी तरह दूसरे दिन बुधवार को 3 लाख 89 हजार 670 रुपए मिले हैं। इनमें 500 रुपए के तीन नोट, 200 रुपए का एक नोट,100 रुपए के 13 नोट, 50 रुपए के 79 नोट, 20 रुपए के 4233 नोट, 10 रुपए के 14657 नोट और 5 रुपए के 546 नोट मिले हैं। 20 लाख 10 हजार 521 रुपए रेजगारी सिक्कों से मिली है, जिसमें सबसे ज्यादा 12 हजार सिक्के 5-5 रुपए के थे। प्लीज भगवान जी, मेरा त्रष्ठ में सिलेक्शन हो जाए और करन से मेरी शादी हो जाए। सब मान जाएं। मेरे मम्मी-पापा खुश रहें। मेरी बहन अवंति की अच्छे घर में शादी हो जाए। मैं अच्छे से पड़ाई करूं। प्लीज भगवान जी, जो कुछ भी गलत सोचती हूं, उसके लिए माफ करना। मैं कुछ भी गलत न सोचूं, इसके लिए हेल्प करना। मेरा मन पढ़ाई में लगे और कोई गलत विचार मन में न आए। प्लीज भगवान जी, मेरे परिवार और मेरे करन के परिवार और देश की रक्षा करना। महादेव, हमें आप पर बहुत भरोसा है। इसीलिए सब कर रहे हैं। हमें जो चाहिए, वो दे देना प्लीज...। आप पर भरोसा है, इसीलिए हम कुछ भी कह रहे। आप ही उसे इशारा दे दो कुछ महादेव...। हमें सबके बारे में सोचना है।

बेंगलुरू एयरपोर्ट पर धर्मगुरू दीवान माधवसिंह का हुआ भव्य स्वागत

पुष्पाजंली टुडे

बेंगलुरू। सीरवी समाज के धर्मगुरू दीवान माधवसिंह का आगमन शुक्रवार दोपहर बेंगलुरु एयरपोर्ट पर हुआ।उनके आगमन पर सीरवी समाज के क्षेत्रीय बडेर के गणमान्य पदाधिकारी पधारे तथा धर्मगुरू दीवान साहब को पुष्पगुच्छ एंव माल्यार्पण द्वारा स्वागत किया गया ।इस अवसर मारवाड़ से पधारे हुए पंच गण ने धर्मगुरु दीवान साहब का भव्य स्वागत किया परगना समिति के अध्यक्ष धनाराम लालावत ,चुन्नीलाल चोयल, मांगीलाल बर्फा, पेमाराम भंवर लाल पंवार मारथली बढेर के अध्यक्ष कालूराम, सचिव वालराम एवम के.आर. पुरम बडेर के सदस्य सुरेश सीरवी ,बिलाड़ा से कल्याण सीरवी सहित समाज के गणमान्य पदाधिकारी मौजूद थे। कल्याणसिंह सीरवी ने बताया की दीवान साहब 22 फरवरी को होसूर में नवनिर्मित बडेर की प्राण प्रतिष्ठा में शामिल होंगे।

मंशापूर्ण हनुमान मंदिर लेबर चौक पिंटू पार्क पर संगीत में श्रीमद् श्री राम कथा का आयोजन किया जा रहा है

दैनिक पुष्पांजली टूडे

ग्वालियर। जिसमें आज कलश यात्रा निकालकर प्रथम दिन की कथा में गणेश पूजन एवं श्री कृष्ण और राम के स्वरूप समान इसका वर्णन कथा वाचक व्यास स्वामी श्री रामेश्वरनंद जी महाराज श्री धाम वृंदावन के मुखारविंद से भक्तों ने श्रवण संगीत मह श्रीमद् राम कथा के पारीक्षित श्री हनुमान जी महाराज को ही बनाया गया है कथा के मुख्य यजमान श्रीमती सावित्री चौहान मंदिर के पुजारी संजय तिवारी संरक्षक राजेंद्र दास महाराज एवं समस्त मित्रों के सहयोग से यह संगीत में कथा आज से 26 फरवरी 2023 तक प्रतिदिन श्रीराम के जीवन की कथा सुनाएंगे जिसमें राम ने जो किया है वह करना चाहिए कृष्ण ने जो कहा है वह करना चाहिए इसको करने से मनुष्य का जीवन धन्य हो जाता है।

न्यूज़ ट्रैक....

पाक के लिए अच्छे कप्तान साबित हो सकते हैं शादाब : हसन

लाहौर । पाकिस्तान क्रिकेट टीम के तेज गेंदबाज हसन अली ने कहा है कि ऑलराउंडर शादाब खान को टीम का नया कप्तान बनाया जाना चाहिये। सोशल मीडिया पर सामने आए एक वीडियो में हसन अली ने बाबर आजम की कप्तानी पर सवाल उठाये हैं। हाल में जिस प्रकार टीम को अपनी ही घरेलू धरती पर इंग्लैंड और न्यूजीलैंड के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा है। उससे टीम में आजम के खिलाफ माहौल बनने लगा है। कई दिग्गजों ने भी कहा है कि आजम की जगह पर किसी और को कप्तान बनाया जाना चाहिये। हसन ने कहा कि शादाब ने पीएसएल में अपनी नेतृत्व क्षमता साबित की है। इस टूर्नामेंट से अंदाजा होता है कि अगर उसे टीम की कप्तानी दी गयी तो वह टीम को आगे ले जाएगा। साथ ही कहा कि उसे चुनौतियां पसंद है। जिससे कप्तान के तौर पर उसके सफल होने की अधिक संभावनाएं हैं। शादाब को हालांकि कम अनुभव है और उसने अब तक केवल 6 टेस्ट मैच ही खेले हैं। जिसमें उसके नाम 300 रन है। गेंदबाजी में उसने 14 विकेट लिए हैं। वहीं एकदिवसीय में शादाब ने 70 विकेट लिए हैं।

ई-फॉर्मूला रेस में सचिन ने की सबसे तेज़ कार बतिस्ता की सवारी

मुम्बई । हाल में हैदराबाद में हुई ई-फॉर्मूला कार रेस में महान क्रिकेटर सचिन तेंदुलकर भी शामिल हुए थे। इस दौरान सचिन ने विश्व की सबसे तेज इलेक्ट्रिक कार पिनिनफेरिना बतिस्ता की सवारी भी की। सचिन ने अपने ट्विटर अकाउंट पर इसकी कुछ तस्वीरें भी साझा की हैं। इसके बाद से ही सोशल मीडिया पर इस रेसिंग कार के प्रदर्शन की जमकर प्रशंसा हो रही है। सचिन को लग्जरी व रेसिंग कार्स का काफी शौंक है। सचिन ने ट्विटर पर लिखा है कि पिनिनफेरिना बतिस्ता के पास क्या ईवीएस भविष्य हैं। यह बहुत तेज थी, हमने समय को चुनौती दी और भविष्य में उतरे, यह एक अद्भुत उपलब्धि है। भारतीय कंपनियों की अत्याधुनिक, विश्व स्तरीय ऑटोमोबाइल तकनीक देखकर खुशी हुई। वहीं आनंद महिंद्रा ने सचिन के इस ट्वीट का जवाब देते हुए लिखा, आपने ने हमें बतिस्ता के लिए एक शानदार टैगलाइन दी है। आज आपको हमारे बीच पाकर कितनी खुशी हुई है बताया नहीं जा सकता।'गौरतलब है कि इस कार्यक्रम में सचिन के अलावा शिखर धवन और युजवेंद्र चहल समेत कई अन्य भारतीय क्रिकेटर भी शामिल हुए थे।

भोपाल के दामोदर प्रसाद आर्य महिला टी-20 विश्व कप में कमेन्ट्री करेंगे

भोपाल/इन्दौर । भोपाल के दामोदर प्रसाद आर्य आईसीसी महिला टी-20 विश्वकप क्रिकेट प्रतियोगिता में भारत और वेस्टइंडीज के मध्य खेले जाने वाले मुकाबले का आकाशवाणी (ऑल इंडिया रेडियो) से कमेन्ट्री करेंगे। यह मैच बुधवार 15 फरवरी को सहारा पार्क. न्यूलैंड्स, केप टाउन में खेला जायेगा। आईसीसी महिला टी 20 विश्वकप, दक्षिण अफ्रीका में खेला जा रहा है। उल्लेखनीय है कि भोपाल में नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग के संचनालय में कार्यरत दामोदर प्रसाद आर्य ने हाल ही में ओशिा में सम्पन्न विश्वकप हॉकी प्रतियोगिता में कमेंट्री की है। वे विगत तीन दशक से रेडियो और टीवी पर ओलिंपिक, एशियाई खेल, कॉमनवेल्थ गेम्स, दक्षिण एशियाई खेल जैसे प्रतिष्ठित विश्व स्तरीय खेल आयोजनों में कमेंट्री कर चुके हैं।

महिला क्रिकेटर्स की बदल दी जिंदगी

महिला प्रीमियर लीग: नीलामी में खिलाड़ियों पर रुपयों की हुई बरसात, कुल 87 खिलाड़ी सोल्ड

नई दिल्ली । महिला प्रीमियर लीग यानी डब्ल्यूपीएल के पहले सीजन के लिए मुंबई में ऑक्शन का आयोजन किया गया जियो वर्ल्ड कन्वेंशन सेंटर में होने वाली नीलामी में खिलाड़ियों पर रुपयों पर बरसात हुई। कुल 87 खिलाड़ी सोल्ड हुए, जिसमें 30 विदेशी प्लेयर्स भी थीं। टीम इंडिया की स्टार बल्लेबाज स्मृति मंधाना ऑक्शन की सबसे महंगी प्लेयर रहीं। स्मृति को रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने 3.40 करोड़ रुपये की सफल बोली लगाकर अपनी टीम में शामिल किया। डब्ल्यूपीएल ने महिला खिलाड़ियों को ऐसा मंच दिया है, जहां वे अपनी प्रतिभा को विश्व पटल पर रखने जा रही हैं। साथ ही डब्ल्यूपीएल उन खिलाड़ियों की जिंदगी को नई उड़ान देने जा रहा है, जिन खिलाड़ियों पर ऑक्शन में पैसे की बरसात हुई हैं, उनमें कुछ प्लेयर ऐसे भी हैं जिनकी आर्थिक स्थिति ठीक नहीं थी और अब ऑक्शन ने उन्हें एक नया प्लेटफॉर्म दिया है। खिलाड़ी अब ऑक्शन के पैसों से अपना सपना पूरा करना चाहती है। किसी की ख्वाहिश अपने लिए घर खरीदने की है, तो कोई इन ऑक्शन के पैसों से कर्ज चुकता करेंगी।

उदाहरण के लिए टीम इंडिया की विकेटकीपर बल्लेबाज ऋचा घोष को भारी कीमत मिली और उन्हें रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने 1.90 करोड़ रुपये की कीमत में टीम में शामिल किया। अब ऋचा घोष इन पैसों से अपने माता-पिता के लिए फ्लैट खरीदना चाहती हैं। ऋचा घोष ने कहा कि मेरे माता-पिता का सपना था कि मैं भारत के लिए खेलूं। मैं अपनी टीम की कप्तानी करना चाहती हूं और भारत के लिए बड़ी ट्रॉफी जीतना चाहती हूं। मैं कोलकाता में एक फ्लैट खरीदना चाहती हूं। मैं चाहता हूं कि मेरी मां और पिता वहीं बस जाएं और अपने जीवन का आनंद लें।

भारतीय टीम की स्पिनर राधा यादव को भी ऑक्शन में यूपी वॉरियर्स ने 40 लाख रुपये की कीमत चुकाकर अपनी टीम में शामिल किया है। राधा यादव का भी सपना एक घर खरीदना है जहां उनकी फैमिली अच्छे से रह पाए। अब राधा यादव का यह सपना जरूर पूरा होने के करीब है। इसी तरह बाकी खिलाड़ियों की अपनी-अपनी ख्वाहिश है।

डब्ल्यूपीएल आने वाले सालों में महिला क्रिकेट में नई क्रांति ला सकता है। फिलहाल आईपीएल से इसकी तुलना नहीं की जा सकती है। जैसे-जैसे इस टूर्नामेंट की लोकप्रियता बढ़ेगी, इसकी ब्रांड वैल्यू में भी इजाफा होगा. क्या पाता दस साल बाद कोई नई महिला क्रिकेटर को ऑक्शन में सैम कुरेन की तरह करोड़ों रुपये हासिल हों। उदाहरण के लिए साल 2012 के आईपीएल नीलामी में रवींद्र जडेजा को 12.8 करोड़ रुपये मिले, वहीं आरसीबी ने युवराज सिंह को 14 करोड़ रुपये में खरीदा. फिर बाद में दिल्ली डेयरडेविल्स ने उन्हें 16 करोड़ रुपये की रिकॉर्ड कीमत दी थी। देखा जाए तो आईपीएल में खिलाड़ियों की सैलरी साल दर साल बढ़ती जा रही है। ठीक इसी तरह से डब्ल्यू में भी आने वाले सालों में ऐसा ट्रेंड चलने की संभावना है।

मुख्य चयनकर्ता चेतन शर्मा की कर्सी खतरे में पड़ी , जय शाह करेंगे फैसला

टीम की बातें सार्वजनिक करने के आरोप

मुम्बई । भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के मुख्य चयनकर्ता चेतन शर्मा की कर्सी खतरे में पड़ गयी है। चेतन शर्मा पर आरोप है कि वह टीम की अंदर की बातों को भी बातचीत के दौरान सर्वजनिक कर देते हैं। माना जा रहा है कि इस मामले में अब बोर्ड सचिव जय शाह ही उनको लेकर कोई फैसला करेंगे हालांकि जिस प्रकार का माहौल है उसमें उनके पद पर बने रहने की संभावना कम ही है क्योंकि कप्तान सहित अन्य खिलाड़ी इस प्रकार के मुख्य चयनकर्ता को नहीं चाहेंगे जो बातों को सार्वजनिक करें। हाल में चेतन ने एक एक चैनल से बातचीन के दौरान कहा कि कप्तान रोहित शर्मा उनसे फोन पर काफी बात करते रहते हैं। इसके अलावा ऑलराउंडर हार्दिक पंड्या, उमेश यादव , दीपक हुड्डा सहित कई खिलाड़ी उनसे मिलने आते रहते हैं। इसके साथ ही उन्होंने पूर्व कप्तान विराट कोहली और तेज जसप्रीत बुमराह जैसे खिलाड़ियों पर गंभीर आरोप लगाये हैं। उन्होंने बातचीत के दौरान मुख्य कोच राहुल द्रविड़ और विराट कोहली के साथ हुई बातों को भी सामने रखा। चेतन ने कहा कि कई खिलाड़ी पूरी तरह से फिट नहीं होने के बाद भी प्रतिस्पर्धी क्रिकेट में जल्द वापसी के लिए इंजेक्शन लेते हैं। जिससे टीम को नुकसान होता है। भारत के इस पूर्व तेज गेंदबाज ने यह भी कहा कि ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टी20 सीरीज के लिए बुमराह की वापसी को लेकर वह टीम प्रबंधन से सहमत नहीं थे। उन्होंने यह भी कहा कि पूर्व कप्तान विराट कोहली और बीसीसीआई के पूर्व अध्यक्ष सौरव गांगुली के बीच भी मतभेद थे। अब कहा जा रहा है कि बीसीसीआई ने इस मामले को बेहद गंभीरता से लिया है क्योंकि यह चयन समिति के प्रमुख से जुड़ा है। वैसे भी राष्ट्रीय चयनकर्ता अनुबंध से जुड़े होते हैं और उन्हें मीडिया से बात करने की अनुमति नहीं होती है , ऐसे में चयन समिति के अध्यक्ष से उम्मीद की जाती है कि वे पद की गरिमा को बनाये रखे।

इंग्लैंड के खिलाफ पहले टेस्ट के लिए न्यूजीलैंड ने डफी और स्कॉट को शामिल किया

वेलिंगटन । न्यूजीलैंड टीम को इंग्लैंड के खिलाफ सीरीज से पहले ही करारा झटक लगा है। मेजबान टीम के अनुभवी तेज गेंदबाज ऑलराउंडर काइल जैमीसन चोटिल होने के कारण जहां सीरीज से बाहर हो गये हैं। वहीं एक अन्य क्रिकेटर मैट हेनरी भी गुरुवार से शुरु हो रहे पहले क्रिकेट टेस्ट मैच से बाहर हो गये हैं। हेनरी ने अपने पहले बच्चे के जन्म को देखते हुए टीम से नाम वापस ले लिया है। ऐसे में अब अनकैप्ड (गैर अनुभवी) जैकब डफी और स्कॉट कुगलेइजन को कीवी टीम में जगह मिली है। ये दोनो ही पहले टेस्ट से अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में पदार्पण करेंगे। दो प्रमुख खिलाड़ियों के बाहर होने से कीवी टीम के लिए पहला टेस्ट और भी कठिन हो गया है। न्यूजीलैंड के कोच गैरी स्टीड ने कहा, जैमीसन के लिए बाहर होना बहुत ही निराशाजनक है, क्योंकि उसने अपने को टीम में वापस लाने के लिए काफी प्रयास किया था। उन्होंने कहा कि अब दो युवा खिलाड़ियों को टीम में जगह मिली है। इससे उनके पास अपने को साबित करने का अवसर है। न्यूजीलैंड टेस्ट टीम = टिम साउदी (कप्तान), माइकल ब्रेसवेल, टॉम ब्लंडेल (विकेटकीपर), डेवोन कॉनवे, जैकब डफी, स्कॉट कुगलेइजन, टॉम लैथम, डेरिल मिशेल, हेनरी निकोल्स, ईश सोढ़ी, ब्लेयर टिकनर, नील वैगनर, केन विलियमसन, विल यंग।

महिला टी20 विश्व कप

आचार संहित उल्लंघन पर श्रीलंकाई क्रिकेटर अनुष्का पर जुर्माना

केप टाउन । श्रीलंकाई महिला क्रिकेटर अनुष्का संजीवनी पर आईसीसी महिला टी20 विश्व कप टूर्नामेंट में आचारसंहित उल्लंघन के लिए जुर्माना लगा है। इस मैच में श्रीलंकाई टीम को सात विकेट से जीत मिली। अनुष्का पर बांग्लादेश के खिलाफ ग्रुप 1 मैच के दौरान आईसीसी आचार संहिता के लेवल 1 के उल्लंघन का आरोप है। इसके लिए उनपर मैच फीस का 15 फीसदी जुर्माना लगाया गया है। इस महिला क्रिकेटर को आचार संहिता के अनुच्छेद 2.5 का उल्लंघन करते पाया गया, जो किसी भी भाषा, क्रिया या हावभाव का उपयोग करने से संबंधित है जिससे बल्लेबाज को भड़काया जा सके।

इसके अलावा श्रीलंकाई क्रिकेटर के अनुशासनात्मक रिकॉर्ड में एक नकारात्मक अंक जोड़ा गया है जिसके लिए 24 महीने की अवधि में यह पहली गलती है। यह मामला बांग्लादेश की पारी के 10वें ओवर का है। तब बांग्लादेश की सोभना मोस्टरी के आउट होने पर अनुष्का जश्न में बंधी मुट्ठियों के साथ बल्लेबाज की ओर आक्रामक रूप से दौड़ी। अनुष्का ने अपराध स्वीकार कर लिया और मैच रेफरी के अमीरात आईसीसी इंटरनेशनल पैनल के जीएस लक्ष्मी द्वारा प्रस्तावित सजा को भी स्वीकार कर लिया। इस कारण उनके खिलाफ कोई औपचारिक सुनवाई नहीं हुई। उनपर मैदानी अंपायर अन्ना हैरिस और सू रेडफर्न, तीसरे अंपायर जैकलीन विलियम्स और चौथे अंपायर किम कॉटन ने आरोप लगाए थे। गौरतलब है कि लेवल 1 के उल्लंघन पर कम से कम आधिकारिक फटकार, खिलाड़ी की मैच फीस का 50 फीसदी जुर्माना और एक या दो नकारात्मक अंक का प्रावधान है।

व्यापार न्यूज

सोने और चांदी की कीमत में उतार-चढ़ाव

नई दिल्ली । सोने और चांदी की कीमतों में बुधवार को उतार-चढ़ाव देखने को मिल रहा है। बुधवार को 22 कैरेट 10 ग्राम सोने का भाव 52,550 रुपए है। बीते दिन 52,650 रुपए था। वहीं 24 कैरेट सोने की कीमत 57,310 रुपए प्रति 10 ग्राम है। बीते दिन 24 कैरेट सोने का भाव 57,380 रुपए था। लखनऊ में 22 कैरेट सोना प्रति 10 ग्राम 52,550 रुपए है। बीते दिन 52,650 भाव था। 24 कैरेट सोने का भाव प्रति 10 ग्राम, 57, 310 जो कल 57,380 रुपए था। लखनऊ में एक किलो चांदी का भाव 70,400, वहीं ये दाम कल 70,000 रुपए प्रति किलो था। जानकारी के लिए बता दें कि उपरोक्त सोने की दरें सांकेतिक हैं और इसमें जीएसटी, टीसीएस और अन्य शुल्क शामिल नहीं हैं। सोने की शुद्धता पहचानने के लिए हॉल मार्क दिए जाते हैं। 24 कैरेट सोने के आभूषण पर 999, 23 कैरेट पर 958, 22 कैरेट पर 916, 21 कैरेट पर 875 और 18 कैरेट पर 750 लिखा होता है। ज्यादातार सोना 22 कैरेट में बिकता है, वहीं कुछ लोग 18 कैरेट का इस्तेमाल भी करते हैं। कैरेट 24 से ज्यादा नहीं होता और जितना ज्यादा कैरेट होगा, सोना उतना ही शुद्ध कहलाता है।

डीमैट खातों की संख्या जनवरी में बढ़ी

मुंबई । पिछले महीने जनवरी में डीमैट खातों की संख्या बढ़कर 11 करोड़ पर पहुंच गई है। सालाना आधार पर यह 31 फीसदी की वृद्धि है। शेयर बाजारों से आकर्षण रिटर्न की वजह से डीमैट खातों की संख्या बढ़ रही है। इसके अलावा जनवरी में नए खुलने वाले खातों की संख्या इससे पिछले चार माह से अधिक रही है। हालांकि यह अब भी 2021-22 के औसत रनरेट 29 लाख से कम है। एक विश्लेषण के अनुसार नए खुलने वाले खातों की संख्या जनवरी में 22 लाख रही। दिसंबर में यह 21 लाख और सितंबर, अक्टूबर और नवंबर में 20-20 लाख रही थी। आंकड़ों के अनुसार जनवरी में डीमैट खातों की संख्या बढ़कर 11 करोड़ हो गई। जनवरी, 2022 में यह आंकड़ा 8.4 फीसदी था। सालाना आधार पर डीमैट खातों की संख्या 31 फीसदी बढ़ी है।

बीईएल का जीएसएल से करार

बेंगलुरु । रक्षा क्षेत्र के सार्वजनिक उपक्रम भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड (बीईएल) ने स्वचालित नौकाओं जैसे अत्याधुनिक नौसैनिक उत्पादों की वैश्विक आपूर्ति में समन्वय के लिए गोवा शिपयार्ड लिमिटेड (जीएसएल) के साथ करार किया है। बेंगलुरु में चल रहे एयरशो एयरो इंडिया 2023 के दौरान बीईएल और जीएसएल के बीच इस आशय के समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए गए। बीईएल ने बुधवार को एक बयान में कहा कि इस एमओयू पर उसके चेयरमैन एवं प्रबंध निदेशक भानु प्रकाश श्रीवास्तव और जीएसएल के चेयरमैन एवं प्रबंध निदेशक ब्रजेश कुमार उपाध्याय ने हस्ताक्षर किए। इस समझौते के तहत नौसेना के लिए कृत्रिम बुद्धिमत्ता मंच पर आधारित रक्षा प्रणालियों एवं समाधानों की वैश्विक आपूर्ति की संभावनाएं तलाशी जाएंगी।

आयकर विभाग ने आईटीआर फॉर्म अधिसूचित किया

नई दिल्ली । आयकर विभाग ने वित्त वर्ष 2022-23 के लिए व्यक्तियों और व्यवसायों हेतु आईटीआर भरने के लिए फॉर्म को अधिसूचित कर दिया है। केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड (सीबीडीटी) ने 10 फरवरी की एक अधिसूचना के माध्यम से आईटीआर फॉर्म 1-6, आईटीआर-वी (प्रमाणीकरण फॉर्म) और आईटीआर पावती प्रपत्र को अधिसूचित किया है। एएमआरजी एंड एसोसिएट्स के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि सीबीडीटी ने निर्धारण वर्ष 2023-24 (2022-23 में हुई आय के लिए) के आयकर रिटर्न फॉर्म को बहुत जल्दी अधिसूचित कर दिया है, जिससे करदाताओं को अपनी आय के रिटर्न तैयार करने में मदद मिलेगी। पिछले साल ऐसे फॉर्म अप्रैल के पहले सप्ताह में अधिसूचित हुए थे। बड़ी संख्या में छोटे और मध्यम करदाताओं के उपयोग वाले आईटीआर-1 और आईटीआर-4 पहले से सरल कर दिए गए हैं।

एसबीआई ने इस साल दूसरी बार बढ़ाई ब्याज दरें

होम लोन, पर्सनल लोन और ऑटो लोन महंगे हो जाएंगे, ईएमआई भी बढ़ेगी

नई दिल्ली (ईएमएस)। देश के सबसे बड़े बैंक भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) ने सभी टेन्योर के लिए मार्जिनल कॉस्ट ऑफ फंड्स बेस्ड लेंडिंग रेट्स (एमसीएलआर) में 0.10 फीसदी का इजाफा किया है। इससे होम लोन और ऑटो लोन समेत सभी तरह के लोन महंगे हो जाएंगे। बैंक ने इस साल दूसरी बार एमसीएलआर में इजाफा किया है। इससे पहले जनवरी में भी बैंक ने एमसीएलआर में 10 बेसिस अंक की बढ़ोतरी की थी। बढ़ी हुई दर 15 फरवरी से लागू हो गई है। आरबीआई ने हाल में छठी बार रेपो रेट में बढ़ोतरी की है। इसके बाद कई बैंकों ने लोन महंगा कर दिया है। बैंकों से लोन लेने पर ब्याज दर निर्धारित करने के लिए अप्रैल 2016 में आरबीआई ने एमसीएलआर की शुरुआत की थी। इसका इस्तेमाल कमर्शियल बैंक लोन का ब्याज दर तय करने के लिए करते हैं। एसबीआई ने ओवरलाइट एमसीएलआर रेट को 7.85 फीसदी से बढ़ाकर 7.95 फीसदी कर दिया है। इसी तरह एक महीने के टेन्योर के लिए इसे 8.10 फीसदी कर दिया गया है। इससे पहले यह 8.00 फीसदी था। तीन महीने का एमसीएलआर भी अब 8.10 फीसदी कर दिया गया है जबकि छह महीने के टेन्योर के लिए यह रेट अब 8.30 फीसदी से बढ़कर 8.40 फीसदी पहुंच गया है। एक साल की मैच्योरिटी के लिए नया रेट 8.50 फीसदी कर दिया गया है। इसी तरह दो साल लिए इसे 8.60 फीसदी और तीन साल के लिए 8.70 फीसदी कर दिया गया है। एमसीएलआर में बढ़ोतरी से होम लोन, पर्सनल लोन और ऑटो लोन महंगे हो जाएंगे। साथ ही इससे आपकी किस्त (ईएमआई) पर भी सीधा असर पड़ेगा। आरबीआई ने 2016 में एमसीएलआर सिस्टम को पेश किया था। यह किसी वित्तीय संस्थान के लिए एक इंटरनल बेंचमार्क है। एमसीएलआर प्रोसेस में लोन के लिए न्यूनतम ब्याज दर तय की जाती है। एमसीएलआर एक न्यूनतम ब्याज दर है, जिस पर बैंक लोन दे सकता है।

सेंसेक्स फिर 60 हजार से नीचे, निफ्टी 17,862 पर

मुंबई । भारतीय शेयर बाजार ने पिछले कारोबारी सत्र में मिली बढ़त बुधवार के शुरुआती दौर में ही गंवा दी। वैश्विक बाजार के दबाव में घरेलू निवेशकों ने भी बुधवार सुबह जमकर बिकवाली की और लगातार मुनाफावसूली से गिरावट दिखने लगी। शुरुआती कारोबार में ऑटो सेक्टर में तेजी दिखी है तो एफएमसीजी में कमजोरी नजर आ रही है। सेंसेक्स सुबह 42 अंकों के नुकसान के साथ 60,990 पर खुला और कारोबार शुरू किया जबकि निफ्टी 33 अंक गिरकर 17,897 पर खुला और कारोबार शुरू किया। निवेशकों का सेंटिमेंट शुरुआत से ही निगेटिव दिख रहा था और उनका पूरा जोर मुनाफावसूली पर दिखा। लगातार बिकवाली की वजह से सेंसेक्स 258 अंक टूटकर 60,774 पर कारोबार करने लगा, जबकि निफ्टी 68 अंक गिरकर 17,862 पर आ गया है। पिछले कारोबारी दिन मंगलवार को सेंसेक्स 600.42 अंक की तेजी के साथ 61,032.26 अंक पर बंद हुआ। एनएसई निफ्टी में भी अच्छी मजबूती देखने को मिली। एनएसई निफ्टी 151.95 अंक चढ़कर 17,922.85 अंक पर बंद हुआ। निवेशकों ने शुरुआत से ही अडानी इंटरप्राइजेस, आयशर मोटर्स, ग्रेसिम इंडस्ट्रीज, यूपीएल और रिलायंस इंडस्ट्रीज जैसी कंपनियों के शेयरों को हाथों-हाथ लिया और जमकर खरीदारी की, जिससे ये शेयर टॉप गेनर की सूची में आ गए। दूसरी ओर आईटीसी, अपोलो हॉस्पिटल्स, एचयूएल,एलएंडटी और विप्रो जैसी कंपनियों के शेयरों में ताबड़तोड़ बिकवाली से ये स्टॉक टॉप लूजर की सूची में पहुंच गए। अगर सेक्टरवार देखा जाए तो आईटी इंडेक्स पर काफी दबाव है और यह एक फीसदी की गिरावट पर कारोबार कर रहा है। इसके अलावा निफ्टी मीडिया और मेटल सेक्टर में आज तेजी दिख रही है। निफ्टी मिडकैप 100 और स्मॉलकैप 100 पर भी 0.5 फीसदी की गिरावट दिख रही है।

इस वर्ष गेहूं का उत्पादन 1121.18 लाख टन रहने का अनुमान

नई दिल्ली । आगामी रबी सीजन वित्त वर्ष 23-24 में गेहूं का उत्पादन अब तक के सर्वोच्च स्तर 1121.18 लाख टन पर रहने का अनुमान है, जो पिछले साल की तुलना में 4.12 प्रतिशत ज्यादा होगा। कृषि मंत्रालय की ओर से जारी किए गए उत्पादन के दूसरे अग्रिम अनुमान में यह जानकारी दी गई है। इस साल गेहूं की बोआई के रकबे में हुई तेज बढ़ोतरी को देखते हुए यह अनुमान लगाया गया है। अनुमान से पता चलता है कि चल रहे रबी सीजन में सरसों व चने का उत्पादन भी रिकॉर्ड स्तर पर रहेगा। गेहूं, चना और सरसों का उत्पादन बेहतर रहने से केंद्र सरकार को खाद्य महंगाई दर पर काबू पाने में मदद मिलेगी। खासकर मोटे अनाज पर काबू पाया जा सकेगा, जिसकी कीमत हाल के महंगाई के आंकड़ों में बढ़ी हुई आई है। बहरहाल खासकर गेहूं के उत्पादन का अनुमान आने वाले कुछ सप्ताह के दौरान मौसम पर निर्भर है। अगर मौसम अनुकूल रहा और तापमान में कोई अस्वाभाविक बदलाव नहीं होता है तो उत्पादन बेहतर रहेगा। पिछले साल अचानक तापमान बढ़ने से उत्पादन घट गया था। 2021-22 में केंद्र के पहले अग्रिम अनुमान में गेहूं उत्पादन 1113.2 लाख टन रहने का अनुमान लगाया गया था, जिसे बाद में घटाकर 1,077.4 लाख टन कर दिया गया। खराब मौसम के कारण उत्पादन में 3.58 प्रतिशत की कमी आई थी। इस साल के पिछले अनुमान में केंद्र सरकार ने गेहूं उत्पादन 1,060 लाख टन होने का अनुमान लगा था, जिसे अब आश्चर्यजनक रूप से बढ़ा दिया गया है।

बाइडन के कार्यकाल में भारत के साथ व्यापारिक रिश्ते मजबूत हुए: अमेरिका

वाशिंगटन । अमेरिकी विमान कंपनी बोइंग से विमान खरीदने के एयर इंडिया के ऐलान का अमेरिकी सरकार के वरिष्ठ अधिकारियों ने स्वागत करते हुए कहा है कि राष्ट्रपति जो बाइडन के कार्यकाल में भारत एवं अमेरिका के व्यापारिक संबंधों में बहुत प्रगति हुई है। हाल ही में अमेरिकी राष्ट्रपति कार्यालय व्हाइट हाउस ने कहा था कि बोइंग से 34 अरब डॉलर मूल्य के 220 विमानों की खरीद भारतीय एयरलाइंस एयर इंडिया करने जा रही है। इसके अलावा आगे चलकर 70 अन्य विमानों की खरीद भी की जा सकती है जिससे इस सौदे का मूल्य बढ़कर 45.9 अरब डॉलर हो जाएगा। अमेरिका की व्यापार मंत्री गिना रेमोंदो ने कहा कि यह सौदा कीमत के लिहाज से बोइंग को मिला तीसरा सबसे बड़ा ऑर्डर है और यह अमेरिका के कामगारों, विनिर्माताओं एवं आपूर्तिकर्ताओं के लिए एक बड़ा मौका है। यह सौदा भारत एवं अमेरिका के बीच पुराने एवं गहरे व्यापारिक संबंधों की दोबारा पुष्टि करता है। वह अगले महीने भारत की यात्रा पर जाने वाली हैं जहां पर वह उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल के साथ कई मुद्दों पर बात करेंगी। इनमें भारत-प्रशांत समृद्धि आर्थिक प्रारूप का मसला भी शामिल होगा।

पेट्रोल और डीजल की कीमत कुछ शहरों में बदली

नई दिल्ली । वैश्विक बाजार में कच्चे तेल की कीमतें पिछले 24 घंटे में थोड़ा और नीचे आई हैं। जिसका असर बुधवार सुबह सरकारी तेल कंपनियों की ओर से जारी पेट्रोल और डीजल की कीमतों पर भी दिख रहा है। बुधवार को यूपी से बिहार तक कई शहरों में तेल के दाम घट गए हैं, लेकिन दिल्ली-मुंबई जैसे देश के चारों महानगरों में पेट्रोल-डीजल के दाम स्थिर बने हुए हैं। सरकारी तेल कंपनियों के अनुसार, यूपी के गौतमबुद्ध नगर जिले (नोएडा-ग्रेटर नोएडा) में पेट्रोल के दाम 16 पैसे गिरकर 96.60 रुपए लीटर हो गए, जबकि डीजल 16 पैसे सस्ता होकर 89.77 रुपए लीटर बिक रहा है। यूपी की राजधानी लखनऊ में पेट्रोल 24 पैसे सस्ता हुआ और 96.33 रुपए लीटर हो गया है, जबकि डीजल 23 पैसे गिरकर 89.53 रुपए लीटर बिक रहा है। बिहार की राजधानी पटना में पेट्रोल 23 पैसे गिरा और 107.24 रुपए लीटर बिक रहा है, जबकि डीजल 21 पैसे टूटकर 94.04 रुपए लीटर पहुंच गया है। कच्चे तेल की कीमत बीते 24 घंटे में कोई खास बदलाव नहीं आया है। ब्रेंट क्रूड का भाव 85.15 डॉलर प्रति बैरल पर लगभग स्थिर बना हुआ है। डब्ल्यूटीआई भी 78.63 डॉलर प्रति बैरल चल रहा है। दिल्ली में पेट्रोल 96.65 रुपए और डीजल 89.82 रुपए प्रति लीटर, मुंबई में पेट्रोल 106.31 रुपए और डीजल 94.27 रुपए प्रति लीटर, चेन्नई में पेट्रोल 102.63 रुपए और डीजल 94.24 रुपए प्रति लीटर, कोलकाता में पेट्रोल 106.03 रुपए और डीजल 92.76 रुपए प्रति लीटर, नोएडा में पेट्रोल 96.60 रुपए और डीजल 89.775 रुपए प्रति लीटर हो गया है। लखनऊ में पेट्रोल 96.33 रुपए और डीजल 89.53 रुपए प्रति लीटर हो गया है।

भोजपुरी क्वीन नेहा मलिक का गोल्डन अवतार ने लुटा फैंस का दिल, फोटो देखकर डोल उठेगा दिल

भोजपुरी सिनेमा की जानी मानी अदाकारा नेहा मलिक अपनी खूबसूरती से हर किसी का दिल जीतने को बेताब रहती हैं। उनका कातिलाना अंदाज फैंस को खूब भाता है। वहीं, एक्ट्रेस का फेस्टिव लुक देखकर फैंस बेकरार नजर आ रहे हैं। एक्ट्रेस का गोल्डन आउटफिट में लुक कहर बरपा रहा है। उनकी हर अदाएगी पर फैंस मर मिटने को तैयार हैं। फेस्टिव आउटफिट में एक्ट्रेस नेहा मलिक ने गोल्डन लहंगा चोली पहन रखी हैं। इस लुक में नेहा बेहद खूबसूरत लग रही हैं। माथे पर गोल्डन टीका और गले में हार एक्ट्रेस नेहा मलिक के लुक को चार चांद लगा रहा है। डीपनेक आउटफिट में एक्ट्रेस का ये मदमस्त अंदाज फैंस को काफी भा रहा है। एक्ट्रेस नेहा मलिक इस आउटफिट में अपना क्लीवेज फ्लॉन्ट करती नजर आ रही हैं। जिसे देखकर फैंस बेकाबू हो रहे हैं। खूबसूरती के मामले में बड़ी-बड़ी एक्ट्रेस को टक्कर देती हैं। भोजपुरी एक्ट्रेस नेहा मलिक अपने ग्लैमरस अंदाज से बिजलियां गिराती रहती हैं। साथ ही वो सोशल मीडिया पर भी काफी एक्टिव रहती हैं। एक्ट्रेस नेहा मलिक और खेसारी लाल का सॉन्ग तेरे मेरे दरमियान हाल ही में रिलीज हुआ। जिसे फैंस काफी पसंद कर रहे हैं। फैंस उनकी एक-एक तस्वीर का बेसब्री से इंतजार करते रहते हैं। वहीं, नेहा मलिक अपने फैंस के दिलों की धड़कनों का कोई भी मौका नहीं छोड़ती हैं। नेहा मलिक ने साल 2016 में भोजपुरी फिल्म 'भनवानी का जल' से डेब्यू किया था। नेहा मूल रूप से पंजाब की रहने वाली हैं। लेकिन, भोजपुरी इंडस्ट्री में इनका अलग ही जलवा कायम है। नेहा मलिक की इंस्टाग्राम पर तगड़ी फैन फॉलोइंग है। उनके इंस्टा अकाउंट पर 3.3 मिलियन फॉलोवर्स हैं।

लारा दत्ता ने मेनोपॉज को लेकर रखे अपने विचार

अभिनेत्री लारा दत्ता, जिन्हें आखिरी बार स्ट्रीमिंग शो हिचक्स एंड हुकअप्स में देखा गया था, का मानना है कि भारत में महिलाओं को स्वास्थ्य सुविधाओं, विशेष रूप से प्रजनन स्वास्थ्य तक उचित पहुंच नहीं है। मेनोपॉज एक महिला के दैनिक जीवन को महत्वपूर्ण रूप से प्रभावित कर सकती है। फिर भी, इस विषय पर बातचीत सीमित है। अभिनेत्री ने हाल ही में मेनोपॉज (रजोनिवृत्ति) के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए आयोजित एक कार्यक्रम में भाग लिया। अभिनेता ने एक बयान में कहा, मंच पर होना और डॉक्टरों के पैनल को सुनना मेरे लिए भी एक आंख खोलने वाला रहा है। मुझे यह तब भी पता है जब मैं संयुक्त राष्ट्र के लिए एक सद्भावना राजदूत थी - कि महिलाओं का स्वास्थ्य और कल्याण मुश्किल से ही होता है जिस तरह से चर्चा की जानी चाहिए। हमारे देश में, दुर्भाग्य से, अधिकांश महिलाओं के पास प्रजनन स्वास्थ्य तक उचित शारीरिक और चिकित्सा स्वास्थ्य सुविधाओं तक पहुंच नहीं है। बाकी सब भूल जाओ। कार्यक्रम का आयोजन फार्मा कंपनी एबॉट ने किया था। अभिनेत्री ने कहा, मेनोपॉज एक प्राथमिकता के रूप में वापस आ गया है। मुझे लगता है कि यह वास्तव में शानदार है कि एबॉट जैसी बड़ी फार्मा कंपनियां आज ये पहल कर रही हैं और जानकारी को सुलभ बना रही हैं। जैसा कि हमने आज चर्चा की यह अगले अध्याय के बारे में है। और लास्ट चैप्टर नहीं। कहानियां ही बातचीत को आगे बढ़ाती हैं, ऐसे विषयों पर शो और फिल्में निश्चित रूप से बनाई जानी चाहिए।

भेड़िया की ठुमकेश्वरी में थिरकती नजर आई श्रद्धा कपूर

भेड़िये एक स्वर में गरज रहे हैं क्योंकि परम सुंदरी के बाद कृति सैनन अपनी आने वाली फिल्म भेड़िया के पहले गाने ठुमकेश्वरी पर थिरकने के लिए वापस आ गई है। फंकी डांस नंबर वरुण धवन और कृति सैनन को गणेश आचार्य की कोरियोग्राफी के लिए झूमते हुए देखता है। लेकिन, गाने का सबसे बड़ा टेकअवे श्रद्धा कपूर हैं, जो उत्साहित करने वाले नंबर पर थिरकती हैं। ट्रैक पर अपने विचार साझा करते हुए, वरुण धवन ने एक बयान में कहा, ठुमकेश्वरी एक ऐसा नंबर है जिसे डांस फ्लोर को जलाने के लिए बनाया गया है। मुझे इसकी फंकी धुन पर प्रदर्शन करने में बहुत मजा आया। गाने के बोल एक आकर्षक आनंद हैं, और मुझे यकीन है कि प्रशंसकों के लिए ट्रैक पर नाचते हुए गाला टाइम होने वाला है। भेड़िया निर्माता दिनेश विजान की मैडॉक फिल्म्स के हॉरर-कॉमेडी से संबंधित है और गाने में शामिल श्रद्धा दर्शकों को स्त्री के दिनों में वापस ले जाती है और गाने में उनकी इस उपस्थिति के पीछे दर्शकों की रुचि को चित्रित करती है और यदि वह फिल्म में एक कैमियो भी होगा। गाने पर काम करने के बारे में, कृति ने कहा, मेरे पास थुमकेश्वरी की शूटिंग पूरी तरह से थी। मैं बहुत लंबे समय के बाद वरुण के साथ स्क्रीन स्पेस साझा कर रही थी और हमने कभी भी इस तरह के भव्य ट्रैक पर एक साथ काम नहीं किया। यह काफी अच्छा था। सचिन-जिगर द्वारा रचित और अमिताभ भट्टाचार्य द्वारा लिखित, जिन्होंने परम सुंदरी के लिए गीत भी लिखे हैं, ठुमकेश्वरी ऐश किंग और रश्मीत कौर के साथ खुद संगीत निर्देशकों द्वारा गाया गया एक पेपी नंबर है। जियो स्टूडियोज और दिनेश विजन द्वारा प्रस्तुत, भेड़िया एक मैडॉक फिल्म्स प्रोडक्शन है, जिसका निर्देशन अमर कौशिक ने किया है, जिसे दिनेश विजान ने प्रोड्यूस किया है। फिल्म, जिसमें दीपक डोबरियाल और अभिषेक बनर्जी भी हैं, 25 नवंबर को हिंदी, तेलुगु और तमिल में 2डी और 3डी में अखिल भारतीय रिलीज होगी।

थैंक गॉड के डायरेक्टर इंद्र कुमार ने अजय देवगन को लेकर दिया बड़ा बयान

निर्देशक इंद्र कुमार, जो बेटा, राजा, ग्रैंड मस्ती जैसी फिल्मों के लिए जाने जाते हैं, अजय देवगन, सिद्धार्थ मल्होत्रा और रकुल प्रीत सिंह के साथ अपनी अगली फंतासी कॉमेडी ड्रामा थैंक गॉड के लिए पूरी तरह तैयार हैं। अजय के साथ अपने मैत्रीपूर्ण बंधन के बारे में साझा किया और वे दोनों एक-दूसरे के काम का कितना सम्मान करते हैं। इंद्र ने यह भी बताया कि कैसे अजय ने फिल्म का हिस्सा बनने के उनके प्रस्ताव को स्वीकार कर लिया, जो एक रियल एस्टेट ब्रोकर के बारे में है, जो एक दुर्घटना के साथ मिला और जब वह उठा, तो उसने खुद को स्वर्ग में पाया। लेकिन भगवान ने उसे एक खेल खेलने के लिए कहा और अगर वह जीत गया, तो वह वापस धरती पर जा सकता है। निर्देशक ने कहा, मैं जब भी उनके पास स्क्रिप्ट लेकर जाता हूं तो वह मुझे देखते हैं और फिल्म करने के लिए हां कहते हैं। वह स्क्रिप्ट भी नहीं पढ़ते हैं। थैंक गॉड की कास्ट अपनी फिल्म का प्रमोशन करने के लिए रियलिटी शो द कपिल शर्मा शो में आ रही है और होस्ट से बातचीत के दौरान सेट से अलग-अलग किस्से और घटनाओं का खुलासा करते हैं। कपिल ने कहा, यह विश्वास है क्योंकि आपने कई यादगार फिल्में बनाई हैं। बाद में, रकुल ने महामारी के समय में भी अथक रूप से फिल्म की शूटिंग के लिए निर्देशक की प्रशंसा की। रकुल ने कहा, वह सबसे कम उम्र के निर्देशक हैं जिनके साथ मैंने काम किया है। हमने कोविड के दौरान अंदर और बाहर शूटिंग की लेकिन उन्हें कोई डर नहीं था और उनके पास जो ऊर्जा थी वह सराहनीय थी। वह अपनी पूरी ऊर्जा के साथ शूटिंग के लिए हमेशा तैयार रहते थे।

द कपिल शर्मा शो सोनी एंटरटेनमेंट

आज, मैंने एक वन्यजीव के रूप में एक साल पूरा किया हैः अभिनेत्री सदा

वन्यजीव फोटोग्राफी को बड़े पैमाने पर अपनाने वाली अभिनेत्री सदा ने शनिवार को घोषणा की कि उन्होंने वन्यजीवन के रूप में एक साल पूरा कर लिया है। घोषणा करने के लिए इंस्टाग्राम पर निर्देशक शंकर की अन्नियां सहित कई ब्लॉकबस्टर में अभिनय करने वाली अभिनेत्री ने लिखा, आज, मैंने एक वन्यजीव के रूप में एक वर्ष पूरा किया है और यह उस तरह की सालगिरह है जिसे मैं अपने जीवन में मनाना चाहती हूं! पिछले साल, इस दिन, मैंने एक यात्रा शुरू की थी, मैंने कभी नहीं सोचा था कि यह मेरा हमेशा के लिए प्यार बन जाएगा। अगर मैं पन्ना में एक फिल्म की शूटिंग नहीं कर रही होती, तो मुझे संदेह होता कि क्या मैं आज यह पोस्ट लिख रहा होती। मैं दृढ़ता से मानती हूं कि यह होना ही था। मुझे इस खूबसूरत बेरोजगार दुनिया का अनुभव करना था जो मुझे किसी और चीज से परे समृद्ध करेगी! पन्ना के जंगल में एक आकस्मिक सफारी के रूप में जो शुरू हुआ, वह जल्द ही जंगलों और वन्य जीवन के लिए एक अमर जुनून में बदल गया। नौ राष्टीय उद्यानों/भंडारों और 52 बड़ी बिल्लियों की पंद्रह विषम यात्राएं, सभी एक वर्ष में! दूसरों पर निर्भर रहने से लेकर मेरे लिए जंगल में पलों को कैद करने तक, अब अपना खुद का गियर रखने तक, फोटोग्राफी की मूल बातें सीखने से लेकर अब सीखने तक छवियों को संसाधित

बालों से हेयरस्प्रे हटाने के लिए अपनाएं ये आसान तरीके

हेयरस्प्रे का इस्तेमाल बालों की स्टाइलिंग के दौरान किया जाता है ताकि यह बिगड़े नहीं। लेकिन बाद में अपने बालों से हेयरस्प्रे हटाना ना भूलें क्योंकि यह स्कैल्प के रोमछिद्रों में घुसकर खुजली और बालों के झड़ने जैसी कई समस्याओं का कारण बनता है। इसलिए हेयरस्प्रे को बालों से हटाना महत्वपूर्ण है। आइए आज हम आपको कुछ ऐसे तरीके बताते हैं जिन्हें अपनाने से आपके लिए यह काम आसान हो सकता है।

डिश सोप का करें इस्तेमाल

अगर आपने कभी ध्यान दिया हो तो आपको यह जरूर पता होगा कि हेयरस्प्रे लगाने के बाद आपस में काफी उलझ जाते हैं और ऐसा हेयरस्प्रे के बिल्डअप से होता है। इसे हटाने के लिए आप डिश सोप का इस्तेमाल कर सकते हैं क्योंकि यह आसानी से हेयरस्प्रे बिल्डअप को हटा सकते हैं। माइल्ड डिश सोप को अपने बालों पर लगाकर कंघी से फैलाएं। इसे 15 मिनट तक लगा रहने दें और फिर बालों को धो लें।

बेकिंग सोडा आएगा काम

अकेले आपका नियमित शैंपू हेयरस्प्रे बिल्डअप को नहीं हटा सकता है इसलिए इसमें एक बड़ी चम्मच बेकिंग सोडा डालकर अच्छी तरह मिला लें। अब इस मिश्रण को अपने बालों पर लगाकर अच्छे से फैलाएं और इसे धोने से पहले थोड़ी देर के लिए छोड़ दें। आप बेकिंग सोडा को सीधे गीले बालों और स्कैल्प पर भी लगा सकते हैं। फिर इसे शैंपू से धो भी सकते हैं।

क्लैरिफाइंग शैंपू है प्रभावी

अगर आपको हर दिन हेयरस्प्रे का इस्तेमाल करना पड़ता है तो इसके बिल्डअप को हटाने के लिए एक क्लैरिफाइंग शैंपू सबसे अच्छा है। क्लैरिफाइंग शैंपू में उच्च मात्रा में एसएलएस (डिटर्जेंट) होता है जो आपके स्कैल्प से किसी भी तरह के बिल्डअप और गंदगी को आसानी से हटा सकता है। हालांकि इसे हर दिन इस्तेमाल करने से बचें।

सेब का सिरका भी है कारगर

अगर सीमित मात्रा में सेब के सिरके का इस्तेमाल किया जाए तो यह न सिर्फ बालों के स्वास्थ्य को बनाए रखने में मदद कर सकता है बल्कि किसी भी उत्पाद के बिल्डअप को आसानी से हटाने में भी कारगर साबित हो सकता है। लाभ के लिए एक कप पानी में एक बड़ी चम्मच सेब का सिरका मिलाएं।

फिर इससे अपने बालों को गीला करें और थोड़ी देर बाद सिर को सामान्य शैंपू से साफ कर लें।

ओएमजी! सोनी सब के 'मैडम सर' में बिन्नी और एसआई करिश्मा सिंह के बीच हालात काबू से बाहर हुये

हास्य एवं चतुराई से भरपूर कहानी के जरिये सामाजिक संदेशों पर रौशनी डालते हुये, सोनी सब का 'मैडम सर' बेशक अपने प्रशंसकों का पसंदीदा शो है। दर्शकों के मनोरंजन को बरकरार रखते हुये इस शो में हाल ही में चिंगारी गैंग के तीन नये किरदारों को पेश किया गया है। इन किरदारों को रचना पारूलकर, सुलभा आर्या और प्राची बोहरा निभा रही हैं। अपने नाम की तरह ही चिंगारी गैंग महिला पुलिस थाना में आग लगाने वाला है।

चिंगारी गैंग और एमपीटी के बीच कोल्ड वॉर शुरू हो चुका है और दोनों ही पार्टियां हार मानने के लिये तैयार नहीं हैं। एमपीटी चिंगारी गैंग को सजा देना चाहता है, क्योंकि उन्होंने कानून को अपने हाथों में लिया है। करिश्मा कुछ गुंडों को एमपीटी लेकर आती है, जिन्हें चिंगारी गैंग ने सजा दी थी, लेकिन दुर्भाग्य से वे गैंग के खिलाफ शिकायत करने से इनकार कर देते हैं। बिल्लु चिंगारी गैंग का पीछा कर रहा है, ताकि उनकी हरकतों पर नजर रखी जा सके, लेकिन गैंग उससे दो कदम आगे है। चिंगारी गैंग के सदस्य बिल्लु को किडनैप कर लेते हैं और बिन्नी उसकी जमकर पिटाई कर देती है। करिश्मा उसे बचाने के लिये रंगरेज गली पहुंचती है और उन्हें चेतावनी देती है कि यदि उन्होंने बिल्लु को नहीं छोड़ा, तो वह गोली चला देगी। चिंगारी गैंग ने भी एसआई करिश्मा पर बंदूक तान दी है। करिश्मा जैसे ही ट्रिगर दबाती है, बिन्नी उस पर हमला कर देती है।

क्या करिश्मा बिन्नी के हमले से खुद को बचा पायेगी क्या हसीना उसे बचाने के लिये आयेगी

इस दिलचस्प कहानी के बारे में बताते हुये, करिश्मा सिंह का किरदार निभा रही युक्ति कपूर ने कहा, करिश्मा अपने काम को लेकर बेहद जुनूनी है और वह चिंगारी गैंग को अपनी मनमर्जी नहीं चलाने देगी। जब उसे पता चलता है कि चिंगारी गैंग ने बिल्लु को किडनैप कर लिया है, तो वह किसी भी तरह से बिल्लु को वापस लाने का फैसला करती है। चिंगारी गैंग भी समान रूप से मजबूत है और गुस्से में आकर बिन्नी करिश्मा पर हमला करने वाली है। दर्शकों के लिये यह देखना दिलचस्प होगा कि जब बिन्नी करिश्मा पर हमला करेगी, तो करिश्मा का जवाब क्या होगा। दर्शक इस दिलचस्प सीन को बहुत जल्द देखेंगे और मुझे पूरा भरोसा है कि उन्हें बेहद मजा आने वाला है। देखना न भूलें 'मैडम सर', हर सोमवार से शनिवार, रात 10 बजे सिर्फ सोनी सब पर!

अभिनेता जयम रवि पाए गए कोविड पॉजिटिव

निर्देशक मणिरत्नम की ब्लॉकबस्टर हिट पोन्नियिन सेलवन 1 में अरुणमोझी वर्मन की भूमिका निभाने वाले अभिनेता जयम रवि जांच में कोविड पॉजिटिव पाए गए हैं। यह जानकारी एक्टर ने खुद दी है। ट्विटर पर जयम रवि ने कहा, आज शाम को मैंने कोविड-19 के लिए सकारात्मक परीक्षण किया। सभी प्रोटोकॉल का पालन करते हुए, मैंने तुरंत खुद को आइसोलेट कर लिया है। मैं उन सभी से अनुरोध करता हूं जो मेरे संपर्क में आए हैं यदि आवश्यक हो तो खुद का परीक्षण करवाएं। मास्क लगाएं। सुरक्षित रहें! भगवान भला करे। कई हस्तियों ने रवि के वायरस से शीघ्र और पूर्ण रूप से स्वस्थ होने की कामना की है। रवि के साथ कुछ फिल्मों में काम कर चुके निर्देशक अहमद ने रवि के ट्वीट का जवाब देते हुए कहा, रवि जल्दी ठीक हो जाओ। रवि की घोषणा ने फिल्म उद्योग में उन लोगों के लिए चेतावनी है, जिन्होंने सोचा था कि कोविड अतीत की बात है। इसने अब लोगों को अपने घरों से बाहर निकलते समय मास्क नहीं पहनने के अपने पहले के फैसले पर पुनर्विचार करने के लिए मजबूर किया है।

दक्षिण विधानसभा क्षेत्र में निकाली विकास यात्रा

ग्वालियर। शुक्रवार को विकास यात्रा के दौरान ग्वालियर दक्षिण विधानसभा के वार्ड क्रमांक 48 में गाडवे की गोठ से प्रारंभ हुई जहां पूर्व मंत्री नारायण सिंह कुशवाह, सभापति मनोज तोमर, नेता प्रतिपक्ष हरिपाल, पूर्व महापौर समीक्षा गुप्ता, पूर्व विधायक रमेश अग्रवाल, पार्षद जीतेन्द्र मुदगल, संजीव पोतनीस ने वार्ड की विभिन्न गलियों मे भ्रमण कर लोगों को सरकार द्वारा किए जा रहे विकास कार्यों की जानकारी दी तथा क्षेत्र के विकास के लिए स्वच्छता में सहयोग करने की अपील की।

दक्षिण विधानसभा क्षेत्र की विकास यात्रा वार्ड क्र. 48 में गाड़वे की गोठ माधवगंज थाना से प्रारंभ होकर मामा का बाजार मेन रोड़ से हेमसिंह की परेड गोमती की पड़ी से हरदौल तिराहा पर समापन हुआ। यात्रा के दौरान आपागंज आंगनबाड़ी तथा शा. उचित मूल्य की दुकान निरीक्षण, जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ वितरण किया गया। यात्रा के समापन अवसर पर विभिन्न विकास कार्यो का भूमिपूजन के साथ लाडली लक्ष्मी योजना से लाभान्वित देवी स्वरूप कन्याओं, आयुष्मान भारत कार्ड, मजदूरी कार्ड, राशन पर्ची सहित अन्य शासन की योजना के अंतर्गत पात्र हितग्राहियों को प्रमाण पत्र वितरित किए। साथ ही स्वच्छता कर्मियों का सम्मान किया गया।यात्रा के दौरान नोडल अधिकारी केशव सिंह, सीसीओ कीर्ति वर्धन मिश्रा एवं क्षेत्राधिकारी सहित अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे। इस अवसर पर पूर्व सभापति, राकेश माहौर, पूर्व जिला अध्यक्ष कमल माखीजानी, खुशबू गुप्ता, नीलिमा शिन्दे, विवेक जोशी, सुधीर गुप्ता, सतीश बोहरे, धर्मेन्द्र सिंह कुशवाह, सतीश साहू सहित सम्मानित वरिष्ठ नेता गण मातृशक्ति, कार्यकर्ता कार्यकर्ता गण एवं प्रशासनिक अधिकारी कर्मचारी उपस्थित रहे।

मेयर इन काउंसिल की बैठक में लिए गए अनेक निर्णय

ग्वालियर। शहर विकास से संबंधित विभिन्न विषयों पर चर्चा हेतु एमआईसी की बैठक बाल भवन सभागार में आयोजित की गई। बैठक में विभिन्न बिंदुओं पर चर्चा कर आवश्यक निर्णय लिए गए। इस अवसर पर एमआईसी सदस्यगण अवधेश कौरव, नाथूराम ठेकेदार, सुरेश सोलंकी, आशा सुरेंद्र, अपर आयुक्त वित्त रजनी शुक्ला, सिटी प्लानर पवन सिंघल, उपायुक्त एपीएस भदौरिया सहित नगर निगम ग्वालियर के विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे। बैठक के प्रारंभ में गत सम्मिलन दिनांक 29.12.2022, 03.01.2023 के कार्यवृतों की पुष्टि की गई। इसके पश्चात एजेंडे के बिंदू क्रमांक 2 नगर निगम, ग्वालियर क्षेत्र में नगर तथा ग्राम निवेश अधिनियम 1973 की धारा 2 प्रावधान अनुसार जोनल प्लान तैयार करने संबंधित निगमायुक्त के प्रस्ताव पर चर्चा की गई। चर्चा के दौरान महापौर डॉ. सिकरवार ने संबंधित क्षेत्र के पार्षद एवं एमआईसी को प्रजेंटेशन दिखाने के निर्देश देते हुए स्वीकृति प्रदान की।निगम की रिक्त दुकानों का कलेक्टर गाईडलाइन वर्ष 2022 - 23 अनुसार व्यवसायिक मूल निर्धारित कर अचल सम्पत्ति अंतरण नियम 2016 एवं संशोधन 2021 की कंडिका 5(2) अनुसार सम्पत्तिकर अन्तरण एवं प्रीमियम निर्धारण करने की स्वीकृति के निगमायुक्त के प्रतिवेदन को स्वीकृति प्रदान की गई। इसके साथ ही राजस्व विभाग के विभिन्न ठेकों (1 लगा. 07) के कार्य हेतु ऑफसेट डिपोजिट निर्धारित करते हुए प्रतिवर्ष 10 प्रतिशत की वृद्धि की शर्त पर वर्ष 2023-24 से 2025-26 तीन वर्ष के लिए ऑफर आमंत्रित किये जाने की स्वीकृति के संबंध में चर्चा करते हुए एक वर्ष के लिए ऑफर आमंत्रित करने की स्वीकृति प्रदान की गई। नेहरू मार्केट की 25 दुकानों की भूमि वर्ष 2010 की कलेक्टर गाईड लाइन 1,62,000 रूपये प्रति वर्ग मीटर से बाजार मूल्य का वाणिज्यकर दर से 1 प्रतिशत से नवीनीकरण शुल्क जमा कराकर 0.5 प्रतिशत वार्षिक लीजरेन्ट या वर्तमान लीजरेन्ट वार्षिक का 4 गुना दोनों में न्यूनतम वार्षिक लीजरेन्ट निर्धारित कर लीजरेन्ट में प्रति 5 वर्ष में 5 प्रतिशत वृद्धि करते हुए दिनांक 15.10.2021 से 14.10.2051 तक 30 वर्ष की लीज अवधि हेतु लीज नवीनीकरण किये जाने की स्वीकृति के संबंध में प्रस्ताव पर चर्चा उपरांत स्वीकृति प्रदान की गई।ग्वालियर पूर्व विधानसभा अन्तर्गत क्षेत्र क्रमांक 08.09 एवं 10 में विभिन्न स्थानों पर डामरीकरण सड़क निर्माण कार्य हेतु अतिरिक्त स्वीकृति को लेकर चर्चा करते हुए 20 प्रतिशत के अंतर्गत ही कार्य करने वाले ठेकेदारों के टेंडर स्वीकृत करने के निर्देश देते हुए प्रस्ताव स्वीकृत किए। इसके साथ ही वित्तीय वर्ष 2023-24 में वाहन, मशीनरी किराये से लगाये जाने के लिये राशि रुपये 07 करोड़ के व्यय की सीमा में निविदा आमंत्रित किये जाने की स्वीकृति प्रदान की गई तथा नगर निगम में अधिकारियों को लगे वाहन की पात्रता सूचि प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए।

स्मैक के साथ तस्कर को दबोचा

ग्वालियर। मेला ग्राउण्ड के पीछे सनसिटी के पास से गोला का मंदिर पुलिस ने एक तस्कर को मय स्मैक के दबोचा है। थाना प्रभारी गोला का मंदिर निरीक्षक रामनरेश यादव ने बताया कि पुलिस टीम को मेला ग्राउण्ड के पीछे सनसिटी के पास मुखबिर के बताये हुलिया का एक संदिग्ध व्यक्ति खड़ा दिखाई दिया, जिसने पुलिस टीम को देखकर भागने का प्रयास किया, लेकिन पुलिस टीम द्वारा उसे घेराबंदी कर धर दबोच लिया गया। पकड़े गये संदिग्ध से पुलिस टीम द्वारा पूछताछ किये जाने पर उसने स्वयं को कुम्हरपुरा थाटीपुर का रहने वाला बताया। पकड़े गये तस्कर की पेंट की जेब में 135 ग्राम स्मैक रखी मिली। पूछताछ में उसने बताया कि वह स्मैक की पुड़िया बनाकर ग्राहकों को सप्लाई करता था। पकड़े गये आरोपी के खिलाफ थाना गोला का मंदिर में अप0क्र0 115/2023 धारा 8/21 एनडीपीएस एक्ट का प्रकरण पंजीबद्ध किया गया है। पुलिस उससे पूछताछ कर रही है।

350 बुजुर्गों को तीर्थ कराने स्पेशल ट्रेन जगन्नाथपुरी रवाना

प्रदेश सरकार मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना के तहत बुजुर्गों को तीर्थ करा रही है। इस योजना के तहत गुरूवार को ग्वालियर से जगन्नाथपुरी तीर्थ के लिए स्पेशल रेलगाड़ी रवाना हुई। सांसद विवेक नारायण शेजवलकर, लघु उद्योग विकास निगम की अध्यक्ष इमरती देवी, बीज एवं फॉर्म विकास निगम के अध्यक्ष मुन्नालाल गोयल व भाजपा जिला अध्यक्ष अभय चौधरी ने हरी झण्डी दिखाकर तीर्थ दर्शन स्पेशल ट्रेन को रवाना किया। इस स्पेशल ट्रेन से ग्वालियर जिले के लगभग 350 बुजुर्ग तीर्थ करने गए हैं। तीर्थ के लिये रवाना करने से पहले सांसद शेजवलकर सहित अन्य अतिथियों ने बुजुर्गों का पुष्पाहारों से आत्मीय स्वागत किया। इसके बाद हरी झण्डी दिखाकर ट्रेन को रवाना किया। बुजुर्गों के सहयोग के लिये जिला प्रशासन द्वारा अधिकारियों व कर्मचारियों की एक टीम तीर्थ यात्रियों के साथ भेजी गई है। तीर्थ दर्शन स्पेशल ट्रेन को रवाना करते समय नगर निगम के पार्षदगण तथा सर्वश्री कमल माखीजानी व दीपक शर्मा सहित अन्य जनप्रतिनिधिगण एवं संबंधित अधिकारी मौजूद रहे।

कृषक संगोष्ठी में खरपतवार नियंत्रण हेतु मोबाइल एप का परिचय

ग्वालियर। राजमाता विजयाराजे सिंधिया कृषि विश्वविद्यालय, ग्वालियर के अंतर्गत संचालित अखिल भारतीय समन्वित खरपतवार प्रबंधन परियोजना, ग्वालियर के वैज्ञानिकों द्वारा ग्वालियर जिले के ग्राम-गनपतपुरा में संगोष्ठी का आयोजन किया गया। इस कृषक संगोष्ठी में वैज्ञानिक डॉ. वर्षा गुप्ता ने किसानों को खरपतवानाशी के प्रयोग के समय रखी जाने वाली सावधानियों एवं फसलों को खरपतवार से बचाने के तरीके के बारे में बताया। जैसे गर्मियों में गहरी जुताई कर पानी भर देना चाहिये, फिर जब खरपतवार पूर्ण रूप से उग आये तब फिर से गहरी जुताई कर दी जाये यह क्रिया दो या तीन बार दोहराने से लगभग 30 से 40 प्रतिशत खरपतवारों को नियंत्रित किया जा सकता है। मौथा घास को नियंत्रित करने के लिए भी यह सबसे अच्छा तरीका है। कृषक संगोष्ठी में वैज्ञानिकों द्वारा किसान के प्रक्षेत्रों पर गेहूँ एवं बरसीम में कार्यक्रम के तहत खरपतवारों का विश्लेषण किया। साथ ही प्रबंधन परियोजना के द्वारा बनाई गई मोबाइल एप के द्वारा विभिन्न फसलों में खरपतवार नियंत्रण के तरीके उपयोग कृषक कैसे कर सकते हैं। किसानों ने अपनी समस्या बताते हुये कहा कि हमारी रबी की फसलों को मौथा, बथुआ, कृष्णनील, प्याजी, सतगठिया, जंगली पालक, गेहूँ का मामा एवं राम जौ बहुत प्रभावित कर रहे है जिससे उनकी उपज को लगभग 30 प्रतिशत तक का नुकसान होता है। कार्यक्रम डॉ. वाई. के. सिंह, प्र.वि.अ., नेहा मांक्षी, सौरभ शक्या, सुनील कुशवाह एवं राजेश कुशवाह के सहयोग से सम्पन्न हुआ। इस संगोष्ठी में लगभग 40-50 किसानों ने भाग लिया।

उचित मूल्य की दुकान पर पात्रता पर्ची सूची के वाचन से खुश हुए लोग

ग्वालियर। विकास यात्रा को जनोन्मुखी बनाने के उद्देश्य से ग्वालियर जिले में अभिनव पहल हुई है। जिस तरह ग्राम सभा में खसरा व बी-1 का वाचन कर ग्रामीणों को नामांतरण व अभिलेखों में सुधार की वस्तुस्थिति बताई जाती है, उसी तरह जिले की शासकीय उचित मूल्य की दुकानों से संबद्ध खाद्यान्न पात्रता पर्चीधारियों की सूची पड़कर सुनाई जा रही है। इससे राशन वितरण में पारदर्शिता आने के साथ-साथ जहाँ छूटे हुए पात्र परिवारों को योजना से जोड़ना आसान हुआ है। साथ ही जिनका नाम हाल ही में जुड़ा है वे भी अपना नाम सुनकर राशन लेने आ रहे हैं।

बारहवे दिन जब विकास यात्रा जिले की डबरा नगर पालिका के वार्ड-6 स्थित अमरपुरा पहुँची तो खाद्य विभाग के अधिकारी ने यहाँ की उचित मूल्य की दुकान से जुड़े पात्रता पर्चीधारी परिवारों की पूरी सूची स्थानीय निवासियों की मौजूदगी में पड़कर सुनाई। लोगों को बताया गया कि पात्रता सूची में पहला नाम श्रीमती रेवती बघेल का है, इनके परिवार में फलां-फलां सदस्य हैं। इसी तरह अनुसूचित जाति के श्री कमलेश जाटव, निर्माण श्रमिक श्रीमती मुन्नी बाई और गरीबी रेखा के नीचे जिंदगी बसर कर रहीं श्रीमती ममता जाटव के परिवार में शामिल सदस्यों के नामों का वाचन विकास यात्रा के दौरान किया गया। इसी तरह ग्राम जौरासी में विकास यात्रा के दौरान हुए जनसंवाद के दौरान पात्रता पर्ची की सूची पड़कर सुनाई गई। इस अभिनव पहल से अमरपुरावासी काफी खुश नजर आए। यहाँ निवासरत सुरेश का कहना था कि सरकार वास्तव में पूरी पारदर्शिता के साथ जरूरतमंद लोगों को निःशुल्क राशन मुहैया करा रही है। पात्रता पर्ची वाले परिवारों की सूची का वाचन कराने की पहल कर जिला प्रशासन ने सही कदम उठाया है।

स्पा सेंटर के बाहर कस्टमर से उलझी युवती अर्द्धनग्न अवस्था में दूर तक भागी

ग्वालियर। ग्वालियर की पॉश कॉलोनी गोविंदपुरी के मिलेनियम प्लाजा में एक अर्द्धनग्न युवती ने हंगामा खड़ा कर दिया। उसने एक स्पा सेंटर के बाहर एक युवक को पकड़कर जमकर हंगामा मचाया। महिला किसी बात को लेकर युवक से रुपए मांग रही थी। साथ ही गालियां दे रही थी। यह तमाशा वहां खड़े लोगों ने मोबाइल में रिकॉर्ड कर लिया। कुछ ही देर बाद यह सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। हंगामा करने वाली युवती कौन थी और स्पा सेंटर से निकले युवक से उसका क्या विवाद था। चर्चा तो ऐसी भी है कि स्पा सेंटर से ही युवती और युवक निकले थे। फिलहाल यह पुलिस तक मामला नहीं पहुंचा है। शहर में सोशल मीडिया पर एक वायरल हो रहा है। वायरल में एक अर्द्धनग्न युवती एक युवक से बहस कर रही है। उसे पकड़कर झगड़ा कर रही है और रुपए मांग रही थी। युवती के शरीर पर आधे ही कपड़े थे और युवक उससे बार-बार अपना हाथ छुड़ा रहा था। युवती उसे जाने नहीं दे रही थी। यह दृश्य देखकर वहां काफी लोग एकत्रित हो गए। कुछ लोगों ने बना लिया। इसी समय कुछ लोगों ने युवक को सलाह दी कि वह युवती को धक्का देकर भाग जाए। इसके बाद युवक ने धक्का दिया और भाग गया। काफी दूर तक गालियां देते हुए युवती ने उसका पीछा किया, लेकिन वह युवक को नहीं पकड़ पाई। सोशल मीडिया पर आया यह शहर के सिटी सेंटर की पॉश कॉलोनी गोविंदपुरी स्थित मिलेनियम प्लाजा के एक स्पा सेंटर के बाहर का बताया जा रहा है। अब युवक-युवती के बीच क्या विवाद था और युवती अर्द्धनग्न अवस्था में क्यों थी यह पता नहीं चल सका है।

ऐसी भी है चर्चा-आसपास खड़े लोग कह रहे थे कि यहां इस तरह की महिलाओं का रोज आना जाना रहता है और उससे यहां का माहौल खराब हो रहा है। लोगों ने स्पा सेंटर में भी असामान्य गतिविधियां चलने का आरोप लगाया है। लोगों का कहना था कि वह युवक-युवती वहीं से निकले थे। युवती किस बात के पैसे मांग रही थी और जिस तरह से वह गाली गलोंज कर रही थी उससे अंदाजा लगाया जा सकता है कि वह क्या काम करती होगी।

सुबह मिर्ची बाबा ने झूठ बोला था, रात में हुए अरेस्ट पुजारी ने बताई शिवमंदिर की अनोखी महिमा

18 फरवरी यानी शनिवार को महाशिवरात्रि है। इस मौके पर हम आपको ऐसे शिव मंदिर के बारे में बताते हैं, जहां शिवजी जज की भूमिका में विराजते हैं। जानकर आश्चर्य होगा, लेकिन यह सच है कि यहां कोर्ट की तरह हत्या, लूट जैसे मामलों की भी सुनवाई होती है। इसे लोग 'मजिस्ट्रेट महादेव' के नाम से जानते हैं। मंदिर के पुजारी भरतदास बाबा की मानें तो रेप के आरोप में जेल में बंद मिर्ची बाबा उर्फ वैराग्यनंद गिरि को भी यहां सजा मिल चुकी है। पुजारी का दावा है कि जिस रात मिर्ची बाबा अरेस्ट हुआ था, उसी दिन सुबह मंदिर में बाबा ने झूठ बोला था। यह मंदिर है मध्यप्रदेश के ग्वालियर में। जिला मुख्यालय से 15 किलोमीटर दूर गिरगांव महादेव। यहां लगती है शिवजी की अदालत। इसमें जज होते हैं शिवजी। यही कारण है कि इन्हें जज महादेव या मजिस्ट्रेट महादेव के नाम से भी लोग जानते हैं। मंदिर में हर तरह के मामलों की सुनवाई होती है। यही नहीं, सुनवाई के बाद फैसला भी सुनाया जाता है। माना जाता है कि फैसला नहीं मानने, अदालत में झूठ बोलने वाले को नुकसान उठाना पड़ता है। वैसे, मिर्ची बाबा का इकलौता मामला नहीं है, ऐसे कई केस है, जिनमें आरोपी को सजा मिली। मंदिर के बारे में जानने से पहले कुछ रोचक मामले जान लेते हैंं। मंदिर के पुजारी भरतदास बाबा का दावा है कि पिछले साल यानी 2022 में अगस्त महीने की बात है। मिर्ची बाबा उर्फ वैराग्यनंद गिरि गिरगांव महादेव पर श्रीमद भागवत कथा करवाने वाले थे। उन्होंने इसके लिए लोगों से चंदा भी इकट्ठा किया। चंदे का पूरा पैसा मिर्ची बाबा के पास ही था। 8 अगस्त की सुबह चंदे के पैसे को लेकर समिति और मिर्ची बाबा के बीच विवाद हुआ। हमने मिर्ची बाबा से पूछा कि चंदे में से एक पैसा भी आपने अपने हित में खर्च तो नहीं किया है। मिर्ची बाबा ने महादेव की कसम ली कि उन्होंने एक भी रुपए का गलत उपयोग नहीं किया। यहां तक कि एक रुपए की चाय तक नहीं पी। यदि उन्होंने ऐसा कुछ किया हो, तो वह सुबह तक मंदिर में वापस नहीं लौट सकेंगे। इतना कहकर बाबा एक होटल के लिए निकल गए। इसके बाद उसी रात मिर्ची बाबा को ग्वालियर पुलिस ने रेप के मामले में गिरफ्तार कर लिया। वे यहां वापस लौटकर नहीं आए। मिर्ची बाबा को 8 अगस्त की रात ग्वालियर से गिरफ्तार किया गया था। उन पर भोपाल में एक महिला ने रेप का केस दर्ज कराया था। मिर्ची बाबा फिलहाल जेल में है।

स्वामी, प्रकाशन, मुद्रक एवं संपादक भरत सिंह चौहान द्वारा वॉइस ऑफ मध्यांचल मीडिया नेटवर्क प्राइवेट लिमिटेड 101 वैष्णोपुरम एबी रोड बिरलानगर ग्वालियर म.प्र. 474004 से मुद्रीत करा कर दीपू इलेक्ट्रॉनिक हनुमान मंदिर के पास भिण्ड रोड गोले का मंदिर जिला ग्वालियर मध्यप्रदेश 474005 से प्रकाशित। भरत सिंह चौहान पी. आर. बी. एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार। E-mail : Pushpanjalitoday@gmail.com 0751-4050784, Mob.:8269307478